

He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 39]

मई विल्ली, शनिवार, सिलम्बर 26, 1981 (आश्विन 4, 1903)

No 391

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 26, 1981 (ASVINA 4, 1903)

इस भांग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

(11183)

संघ लोक सेवा मायोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 22 प्रगस्त 1981

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा०-II-- श्रष्ट्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग एतद्बारा स्थाई ग्रधीक्षक (हॉल) श्री एम० एल० धवन को 1-9-81 से 30-11-81 तक की ग्रग्नेतर ग्रयि के लिये प्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उप नियंत्रक (त० स०) के पद पर तवर्थ ग्राघार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

उप नियंत्रक (त० सं०) के पद पर श्री एम० एल० धवन की नियुक्ति पूर्णतः तद्दर्भ श्रीर श्रस्थाई श्राधार पर है श्रीर यह उक्त ग्रेड में विलियन श्रथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हुक प्रदान नहीं करेगी।

सं० ए० 32014/2/80 प्रशा०-II— प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा भ्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित भ्रधिकारियों को 1-9-81 से 30-11-81 तक की भ्रवधि के लिये भ्रथवा भ्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्भ भाधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

कुमारी संतोष हांडा
 1--256QI/81

- 2. श्री एस० पी० बंसल
- श्री बी० भ्रार० गुप्ता

कुमारी संतोष हांडा, सर्वश्री एस० पी० बंसल, भौ र बी० भार० गुप्ता की नियुक्ति सह्मुयक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर पूर्णतः तदर्थ तथा भ्रस्थाई भाधार पर है भौर यह उक्त ग्रेड में विलियन भ्रथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हक प्रदान नहीं करेगी।

> पी० एस० राणा, अनुभाग प्रधिकारी इते प्रध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 प्रगस्त 1981

सं० ए० 12019/3/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंख्यक भिध्यस्वना दिनांक 13-5-1981 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग एतद्वारा संघ लोक सेवा भ्रायोग एतद्वारा संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई भ्रनुसंघान सहायकों (भाषा) को 5-8-81 से 4-11-81 तक तीन मास की भग्नेतर भवधि के लिये भ्रथवा भ्रागामी भादेशों तक, जो भी पहले हो, भ्रायोग के कार्यालय में कनिष्ठ भनुसंघान भिध-

कारी (भाषा) के संवर्गवाह्य पद पर तदयं भाषार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

- 1. कुमारी के० बंधोपाध्याय
- 2. श्री एम० एस० वाराड पांडे
- 3. श्री बी॰ , घोष
- 4. श्री एस० बी० कोडड
- 5. श्री ए० एन० सर्मा

उपर्युक्त व्यक्ति भ्रवगत कर लें कि किनिष्ठ भ्रनुसंधान भ्रधिकारी (भाषा) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः तदर्थं भ्राधार पर है भौर यह किनिष्ठ भ्रनुसंधान भ्रधिकारी (भाषा) के ग्रेड में विलियन श्रथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हक प्रदान नहीं करेगी।

> पी० एस० राणा, अनुभाग प्रधिकारी कृते सचिव

नई विल्ली-1:10011, विनांक 13 जुलाई 1981

सं० ए० 12025(ii)/3/78-प्रशा०-III कार्मिक भीर प्रशासनिक सुधार विभाग के पन्न सं० 5/61/80-सी० एस० (1) विनांक 23 जून, 1981 के अमुसार सिम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1979 के श्राधार पर उनके नामित हो जाने के परिणाम स्वरूप पूर्ति विभाग के संवर्ग में के० स० से० के स्थाई सहायक (ग्रेड-IV) श्री यशपाल बवास को राष्ट्रपति द्वारा 30 जून, 1981 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गांधी, भवर सचिव (प्र०)

केन्द्रीय अन्बेषण क्यूरो

मई विल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं० वी०-43/68-प्रशा०-5 खंड-II)--राष्ट्रपति ग्रपने
प्रसाद से श्री वी० एन० सहगल को विनांक 29 ग्रगस्त,
1981 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रावेश तक के लिये स्थानापन्न
उप-निवेशक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, नई विल्ली के रूप में नियुक्त करते हैं।
की० ला० ग्रोवर,

का० जा० प्रावर, प्रशासनिक प्रधिकारी (स्था०)

गृह मंद्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस कल नई दिल्ली-110022, दिमांक 2 सितम्बर 1981 सं० मो० दो०-1600/81 स्था०→ राष्ट्रपति, डा० बिनोद कुमार सिंह को श्रस्थाई रूप से भागामी भावेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल इ्यटी भाफीसर ग्रेड $^{-11}$ (डी॰ एँस॰ पी॰/कम्पनी कमाण्डर) के पदं पर विनांक 18 भगस्त 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 सितम्बर, 1981

सं० ग्रो० दो०-1470/80 स्था०- राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी (जी० शि० ग्रो० ग्रेड-II) डा० पी० चैला पिल्लै, ग्रार० टी० सी०-II केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(i) के ग्रनुसार एक माह की नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 14 ग्रगस्त 1981 के पूर्वाहा से नार्यमार मुक्त कर दियां है।

सं० घो० दो०-1579/81 स्था०--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर सी० एस० रामाचन्द्रा राव की 20-8-1981 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये अथवा उस्त पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ग्रो॰ दो॰-1599/81 स्था॰--राष्ट्रपति जी, डा॰ वेववृत मुखोपाञ्याय को ग्रस्थाई रूप से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यटी ग्राफिसर ग्रेड-II (डी॰ एस॰ पी॰/कम्पनी कमांडर) के पद पर विनांक 17 ग्रगस्त, 1981 के पूर्वाक्क से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की ग्रार्व पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी, सहायका निदेशक (स्था०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 सिसम्बर 1981

सं० 10/41/78 प्रशाब-I—राष्ट्रपति, भारतीय सांविय-नीय तेवा के ग्रेड-III के प्रधिकारी भीर इस समय नई विल्ली में भाषत में महापंजीकार के कार्याक्षय में वरिष्ठ प्रनुसंधान भिक्कारी के पद पर कार्यरत श्री के एसक नटराजन को उसी कार्यालय में तारीख 19 प्रगस्त, 1981 के पूर्वाह्म से अगले ग्राहेशों तक श्रस्थाई रूप से नियमित प्राधार पर भारत के सहायक महापंजीकार के पद पर सहुवं नियुक्त करते हैं।

श्री नटराजन का मुख्यालय नई दिल्ली में होना। पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

मुद्रण निर्देशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 धगस्त 1981

सं० के॰ (18)/प्रशा०-II---मुद्रण निदेशक ने मेजर एस० डी० कण्डपाल, सुरक्षा अधिकारी, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड्, नई दिल्ली को 24 मई, 1981 से स्थाई रूप में निमुक्त किया है।

विनांक 14 सितम्बर, 1981

सं. बी. (9) /प्रशा. -।। --- निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री बी. बी. बेनजीं, प्रवन्धक, भारत सरकार (फोटों-लिथो) मुद्रणालय, फरीवाबाद, दिनाक 31-8-1981 (बपराहन) को सेवा निवृत हो गए।

> हरिश्चन्द्र सर्मा, उप निदेशक (प्रशासन)

किस मतालय श्राधिक कार्य विभाग

नासिक रोड़, दिनांक 1 सितम्बर 1981

सं 177-इं/3—महाप्रबंधक चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड़, एतद्हारा श्री पी० . जी० जोशी, निरीक्षक नियंत्रण चलार्थ पत्र मुद्रणालय को उप नियंत्रन श्रधिकारी पद पर चलार्थ पत्र मुद्रणालय में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर 20 अगस्त, 1981 (पूर्वाह्म) से तीन महीने तक अध्या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सु० द० इ**डगुं**जी, महाप्रबंधक

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-2, दिनांक 3 सितम्बर, 1981

सं० प्रणा०--1/कार्यालय म्नावेश सं०/207---श्रीमान् मिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई भ्रनुभाग मधिकारियों को स्थानापम लेखाधरीक्षा मधिकारी के वेतनकम 840-1200 में 31-8-81 के पूर्वाह्न से मगले म्नावेश माने तक् नियुक्त करते हैं।

ऋग सं० नाम सर्वश्री

1. पी० एल० सिंघल

2. जे० एल० डन्डोना

3. पी० एन० मेहता—[[]

हैं० घपठनील, संयुक्त निवेसक नेखापरीक्षा (द्रशातन) महालेखाकार का कार्यालय, जस्मू व कश्मीर श्रीनगर, 29 अगस्त 1981

सं० प्रशा० I/60(85)/81-82/2550-52— महा-लेखाकार, जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर निम्नलिखित स्थाई ग्रनु-भाग ग्रधिकारियों को स्थानापन्न रूप में ६० 840-40— 1000-द० रो०-40-1200 के वेलनमान में लेखा ग्रधिकारियों के पद पर नियुक्त करते हैं। ये श्रादेश उसी तिथि से लागू होंगे जिस तिथि से वे श्रपने पद का कार्यभार संभालगे:—

1. श्री पुष्करनाय कौल

2 श्री हुएवंस गोस्वामी

श्री जिया लाल कौल

हरप्रसाद (दास), वरिष्ठ उप महालेखाकार

कार्यालय (प्रथम) महाकेखाकार, पश्चिम बंगाल कलकर्ता-700001, दिनांक 1 सितम्बर 1981

सं० प्रशा० 1/1038—XVIII/126—महालेखाकार-प्रथम, प० बंगाल, ने स्थाई प्रनुभाग प्रधिकारी सर्वश्री कान्त जरम बर्मण और निर्मलेन्द्र मजुमदार को तदथ तथा घ्रस्थाई तौर से लेखा ग्रिधकारियों के पद पर श्रस्थाई ग्रौर स्थानापन्न रूप से, 18—8—81 के पूर्वाह्म या जिस दिन से वे सचमुच लेखा ग्रिधकारी के हैसियत से यथाक्रम कार्यालय निदेशक, लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय भौर कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, प० बंगाल में भपना कार्यभार संभालते हैं, (जो भी बाद में हो) भगले भावेश तक नियुक्त किया है। यह साफ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि लेखा अधिकारियों के काइर में उल्लिखत प्रोन्नतियां जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामले पर निर्णय लंबित रहे तब तक पूर्णतया भस्थाई रूप से भौर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी० श्रार० केस सं० 1418 (एन०) के भन्तिम फैसले के श्रधीन है।

ज्यो० स्व० मेहरोत्रा, वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशा०

उद्योग मन्त्रालय

भौगोगिक विकास विभाग

विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

न**ई** दिल्ली-110 011, दिनांकू 4 सितम्बर 1981

सं० ए०-19018/193/75-प्रशा० (राज०)---राष्ट्रपति अबु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सङ्गामक निवेशक (वैद्युत्) श्री के० के० मनचन्दा को दिनांक 20 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से समु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में तवर्थ ग्राधार पर उप निदेशक (वैद्युत्) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय, उप निवेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन घनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रगस्त 1981

सं० प्र0-1/1(1162)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निप-टान एनद्दारा संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा चुने जाने पर श्री सतीश कुमार जैन को दिनांक 1-8-1981 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय में सहायक निवेशक (मुकदमा) (ग्रेंड II) के रूप में पूर्णत: ग्रस्थाई रूप में ग्रस्थाई रिक्ति के मद्दे नियुक्त करते हैं।

> एस॰ एल॰ कपूर उप निषेशक (प्रशासन) इते महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन भ्रनुभाग-6

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1981

सं० ए०-17011/195/81/प०-6-महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति निदेशक (बस्त्र) बम्बई के कार्यालय में भ्रवर क्षेत्र भ्रधिकारी श्री एन० बेमाह को जमगेदपुर निरीक्षण मण्डल के श्रधीन उप निरीक्षण निदेशक (धातु) राउरकेला के कार्यालय में दिनांक 27-7-1981 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण भ्रधिकारी (धातु) के रूप में नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं० ए०-17011/198/81-प्र०-6-सहानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने बम्बई निरीक्षण मडल में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री सी० एल० कंवल को विनाक 7-8-81 के प्रपराह्म से तथा श्रागामी श्रावेशों तक उसी निरीक्षण मंडल में तवर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) के रूप में नियुक्त किया है।

> पी० डी० सेठ उप निवेशक (प्रशा०) कृते महामिवेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकसा-700016, दिनांक

1981

सं० 5499वी/ए०-19012(3-झार० सी० के०)/80-19वी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री झार० सी० खुल्बे को 8-5-81 (ग्रपराह्न) से त्याग-पन्न पर मुक्त किया जा रहा है।

सं० 5518की/ए०-19012(1-के० के० डी०)/80-19ए०--श्री कमल कुमार दास को सहायक भूवेशानिक के रूप में भारतीय भूवेशानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रति-माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-दे० रो०-35-880-40-1000-दे० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में स्थानापन क्षमता में, ग्रागामी भादेश में होने तक 29 जून, 1981 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

> बी० एस० क्रुष्णस्वामी महानिदेशक

म्राकाशवाणी महानिवेशालय (सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रगस्त 1981

सं० ए० 12011/2/80-सी० डब्स्यू०-एक- महानिदेशिक, झाकाशवाणी, नई दिल्ली, श्री लिलत कुमार, झनुभाग झिकारी (विद्युत्) को सिविल निर्माण स्कंघ, झाकाशवाणी, नई दिल्ली के उसी प्रभाग में उनकी पदोन्नति पर सहायक इंजीनियर (विद्युत्) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/ के वेसनमान में 30-6-81 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

श्री ललित कुमार की नियुक्ति उनको पहले से जारी किये गर्ये पदोन्नति ग्रादेश सं० ए०-12011/2/80-सी० जब्स्यू०-एक-दिनांक 16-6-81 में निहित शतौं द्वारा शासित होगी।

सी० ई० के० मुदालियर धपर मुख्य इंजीनियर के इंजीनियर अधिकारी कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1981

सं० ए० 19018/9/80-सी० जी० एव० एस०-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री वेद प्रेम कुमार को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के ब्राधीन तदर्थ श्राधार पर ७ ब्रगस्त, 1980 ब्रापराह्म से ब्रायुर्वेदिक फिजीशियन के पद पर नियुक्त किया है।

श्री वेद प्रेम कुमार ने 7 श्रगस्त, 1980 (ग्रपराह्म)
 से इस १०० का कार्यभार संभाल लिया था।

टी० एस० राव उप निवेशक प्रशासन(I)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1981

सं० ए० 35017/2/81-एस०-I-स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री ग्राई० रामानुज राव को सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, गोहाटी में 20 ग्रगस्त, 1981 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर लेखा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> शिव दयाल उप निदेशक प्रशा० (स्टोर)

नई विल्ली, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं० ए० 6-9/70-प्रशा०-1(भाग-3)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय धनुसंघान संस्थान, कसौली के स्थायी सहायक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री एफ० सी० मेहरू का ओ विदेशी सेवा पर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ चले गये थे, इस्तीफा 15 जनवरी, 1981 से मंजूर कर दिया है।

सं० ए०-12025/24/79-ए० आई० आई० एच० पी० एच०-प्रगा०-I स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री भोखे लाल को 31 जुलाई, 1981 पूर्वाह्न से (श्रागामी आदेशों तक) श्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सहायक श्रनुसंधान श्रिकारी (जीव विज्ञानी) के पद पर पूर्णतया श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० 19020/11/80-(एस० जे० एच०) प्रशा०-I--सेवा निवर्तन की ग्रायु हो जाने पर सफदरजंग ग्रस्पताल, नई दिल्ली के सहायक प्रशासनिक ग्रधिकारी, श्री दिलीप सिंह 31 जुलाई, 1981 ग्रंपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गये हैं।

सं० ए० 12026/34/80-प्रमा०-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी शिखा खन्ना को 1 जून, 1981 से 16 जुलाई, 1981 सक 46 दिन की श्रवधि के लिए डा० राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई विल्ली में श्राहार-विद के पद पर तक्ष्यं श्राधार पर नियुक्त किया है।

तिलोक चन्द जैन उप निदेशक प्रशा० (ओ० एण्ड एम०)

ग्रामीण पुर्नानर्माण मंद्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

सं० ए० 19023/15/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय के भ्रष्टीन, नई दिल्ली कार्यालय में श्री टी० शवनानी, विपणन मधिकाट्टी द्वारा सरकारी सेवा से प्रस्तुत त्यागपत्न दिनांक 18-2-1980 के भ्रपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है ताकि उन्हें भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड, नई दिल्ली में वरिष्ठ डिजाइन इन्जीनियर के रूप में लिया जा सके। बी० एल० मनिहार

निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत् प्रायोजना इंजीनियरी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 18 श्रगस्त 1981

सं० विप्राइप्र०/3(235)/76-प्रशा०-11508—निवेशक विद्युत् प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थाई वैयक्तिक सहायक और स्थानापक प्राशृलिपिक ग्रेड-III श्री प्रार० एस० तलपवे को उसी प्रभाग में जुलाई 27, 1981 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रावेश जारी होने तक के लिये सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 21 प्रगस्त 1981

सं० विप्राइप्त०/3(283)/76-प्रशा०/11506 - निवेशक, विद्युत् प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्वारा भाभा परमाणु प्रनुसंघान केन्द्र के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक भीर इस प्रभाग के स्थानापन्न लेखाकार, श्री पी० वासुको जुलाई 7, 1981 के पूर्वाह्म से प्रागामी प्रादेश जारी होने तक उसी प्रभाग में सहायक लेखा प्रधिकारी के पद पर श्रस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा प्रधिकारी श्री वी० श्रार० कुलकर्णी, के स्थान पर की जा रही है जिन्हें भारमुक्त किया ग्रया।

ब० वि**्थत्ते** प्रशासन श्रिष्ठकारी

ऋप घौर भण्डार निवेशालय बम्बई-400001, घिनांक 28 धर्गस्त 1981

स० ऋ० म० नि०/23/1/81—स्था०/17428— निदेशक, ऋय ग्रीर भंडार निदेशक्य, परमाणु ऊर्जा विभाग ने श्री डी० के० राय, सहायक लेखा ग्रधिकारी की छुट्टी मंजूर हो जाने पर श्री वी० वी० सावंत सहायक लेखाकार को 19 मई 1981 (पूर्वाह्म) से 30 जून 1981 (ग्रपराह्म) तक के लिये इसी निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय लेखा एकक में रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तबर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ प्रशासन श्रधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 28 ध्रगस्त 1981

सं० ऋ० म० नि०/23/1/81—स्था०/17497—निवेशक, ऋय भौर भंडार निदेशालय, परमां के ऊर्जा विभाग ने इस निवेशालय की तारीख 6 जनवरी, 81 की समसंख्यक प्रधि-स्थाना को जारी रखते हुए, श्री वी० जी० पिंपलकरे, सहायक लेखाकार को धार्गे 27 जून 1981 (ग्रपराह्न) तक की अविध के लिये स्थानापक्ष सहायक लेखा प्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक <mark>प्रधिकारी</mark>

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500 016, दिनांक 5 सितम्बर 1981 -

सं० प० खा० प्र०-2/3134/81-प्रशा०--श्री बी० के० महापाता द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खानिज प्रभाग में वैज्ञानिक प्रधिकारी/एस०ं बी० के ग्रस्थायी पंद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु खानिज प्रभाग के मिदेशक द्वारा 31-7-1981 के जपराक्ष से स्वीकार कर लिया पद्मा है।

> एस० एस० राव वरिष्ठ प्रशा० एवं लेखा श्रक्षिकारी

अंतरिक विभाग

बंगलौर-560 058, दिनांक 26 प्रगस्त 1981

सं० 020/3(061)/ब्रार०/81—इसरो उपगृह केन्द्र, संग्रलीर के निवेशक, इसरो उपगृह केन्द्र, बंगलीर में वैज्ञानिक/इंजीवियर "एस० बी०", श्री ए० शिवर्लिगैध्या का सेवा से त्यागपत दिनांक जन 6, 1981 के श्रपराह्न से स्वीकार करते हैं।

पी० एन० राजप्पा प्रशासन ग्रधिकारी

श्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

महमदाबाद-380 053, दिनांक 2 सितम्बर 1981 सं० स्था० म्राई० एस० सी० ई० एस०/9001/81— विदेशक मं० उ० के० ने प्रसन्नतापूर्वक श्री निलिम जबन्तीलाल शाह म्रस्थायी इन्जीनियर एस० बी० का म्रास्त 24, 1981 के मपराह्म से इस केन्द्र की सेवा से उनका त्यागपत स्वीकार कर लिया है।

सं० स्था०/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/5170/81— निवेशक, ग्रं० उ० के० ने प्रसमसापूर्वक श्री ए० जे० ध्यास, ग्रस्थायी इंजीनियर एस० बी० का जुलाई 31, 1981 के धपराक्ष से इस केन्द्र की सेवा से उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

> सी० श्रार० शाह प्रशासन प्रधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनोक 16 जुलाई 1981

सं० ए० 35018/16/80-ई०-I--राष्ट्रपति ने तकनीकी सहायता कार्यक्रम के झन्तर्गत वैज्ञानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री एस० के० दास, निवेशक संचार की सेवायें दिनांक 21 मई, 1981 (अपराह्म) से प्रतिनियुक्ति के आधार पर किवेश सेवा शर्तों के अधीन एवियेशन इलेक्ट्रोनिक्स अनुदेशक के रूप में वौहा, कटार में नियुक्ति के लिये अन्तर्राष्ट्रीय मानर किमानन संगठन को सौंप दी है।

दिनांक 1 सितम्बर 1981

सं० एं० 38013/1/81-ई० ए० कोबीम तिखेशक, कलकत्ता के कार्यालय के श्री पी० वी० ए० नेस्पर, विमान क्षेत्र श्रीधकारी, निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1981 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एस० गुप्ता
. उप निदेशक प्रशासन
कृतें महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, विनांक 27 प्रगस्त 1981

सं० एं०-31013/1/80—ई०-I—-राष्ट्रपति ने श्री एस० मजूमदार को 1-1-80 से नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

एस . गुप्ता उप निद्शास प्रशासन

नई दिल्ली, दिमांक 31 मगस्त 1981

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०---महानिदेशक, नागर विमानम ने सर्वेश्री एस० एच० लाल, ए० सी० मिलक तथा के० टी० सेन श्रधीक्षकों की प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर की गृष्ट तदर्थ निमुक्ति को 31-12-81 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

दिनांक 2 सितम्बर 1981

सं० ए० 32013/13/77-ई० एस०---राष्ट्रपति ने, भागर विभागन विभाग के निम्निलिखित वरिष्ठ विभान निरी-क्षकों की नियमित नियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से कार्योत्तर मंजूरी प्रवान की है।

श्री एस० एल० श्रीवास्तव
 श्री फिलिप मैथ्यू
 श्री यू० पी० सतपथी
 श्री जै० श्राई० एस० बेदी
 ल-7-78
 जै० सी० गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं० ए० 32013/5/80-ई० सी०--इस विभाग के बिनांक 23-12-1980, 31-12-80, 39-1-81, 31-1-81, 24-2-81 और 9-3-81 की ग्रिधसूचना सं० ए० 32013/5/80-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्निलिखित अधिकारियों की, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पद के नियमित रूप से मरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, उप निवेशक/नियंत्रक संकार

के ब्रेड में तदर्व लियुक्ति को जारी रखने की स्वीकृति प्रवास की है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तारीखा जब तक मंजूरी दी गई है
सर्वश्री	T		
1. पी०ए	स० धुन्त	वे०स० स्टेशन, क्रिवेन्द्रम	20-11-81
2. एन०	हे॰ पुरी	वे .सं० स्टेशन, नई विल्स	21-11-81
3. भार० श्रुजम		वै०सं० स्टेशन, (डी०जी सी०ए०) (मुख्यालय)	· 24-11-81
		वे०सं० स्टेशन, मद्रास	8-12-81
5. एच०	ी०	वे० सं० स्टेशन, बम्बई	20-12-81
सुवर्श	7	•	
6. ऐस० खान	एच॰	वे०सं० स्टेशन, कलकसा	27-11-81
7. सुरेश	चन्द्र र	वे०सं० स्टेशन, कलकत्ता	28-1-82
8. ए०के	० मिश्रा	वे०सं० स्टेशन, पालम	22-12-81
9. केर०वी	।० राव	वे० सं० स्टेशन, हैदराबाद	15-12-81
10. वी०वे	१० वर्मा	वे ०सं ० स्टेशन, बम्बई	28-12-81
11. एस०		वे०सं० स्टेशन, मद्रास	7-1-82
भार०			
		वै० सं० स्टेशन, बम्बई	25-11-81
13. एस०वे	ৈ ক্ৰেক্	. वे०सं० स्टेश म, कलकत्त	15-11-81

सं० ए० 38013/1/81-ई० सी०—नागर विमानम विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्निलिखित तीम अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम-स्वरूप प्रत्येक के नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर विनांक 31-7-81 (भ्रपराह्म) से भ्रपने पव का कार्यभार त्याग विमा है:-

ऋ०सं० नाम और पदनाम	तैनासी स्टेशम
 श्री जे० सी० गुप्ता, तकनीकी ग्रधिकारी 	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर।
 श्री बी० एन० सील, संचार ग्रीधकारी 	क्षेत्रीय निदेशक का कार्या- लय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
 श्री जे०पी० ग्रानत्व, सहायक संचार ग्रधिकारी 	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली ।
	प्रेस चन्द

सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बर्ड, दिनांक 3 सिसम्बर, 1981

सं 0 12/7/75—स्था 0 — इस कार्यालय की 23-12-76 की प्रधिसूचना सं 0 12/7/75—स्था 0 की कम सं 0 7 के सामने विये गये श्रादेशों के श्रांशिक संझोधन में, स्थानापक सहायक प्रशासन श्रधिकारी, श्री बी 0 बी 0 बेनेगल को 2 मार्च, 1975 के बदले 1 मार्च 1974 से मूल रूप से सहायक प्रशासन श्रधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एम॰ एस॰ नागराजन महानियेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय,

कानपुर, दिनांक 31 जुलाई 1981

सं० 5/81—इस समाहर्तालय के निम्निशिक्त वर्ग "ख" प्रधिकारी प्रधिवर्षता की प्रायु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गये:—

ऋ० सं०	ग्रधिकारी का नाम व पद	विनांक
1	2	3 -
	सर्वश्री	
नेरन	o पी० ग्र प्रवाल, ग्रेगीक्षक द्रीय उत्पाद गुल्क, नपुर-II डिवीजन ।	31-3-81 भपराह्य
2. ला केन	जपत राय वर्मा, प्रधीक्षक द्रीय उत्पाद गुल्क,∫ नपुर-II, डिवीजन ।	31-3-81 ;;
3. बी केन	ु एस० मिश्रा, भ्रधीक्षक, द्वीय उत्पाद शुल्क, स्री।	30-4-81 ;;
- म्रा	० के० राय, प्रशासनिक धकारी, केन्द्रीय उत्पाद मुस्क, नपुर-II क्विजिन ।	31-5-81 ,,
5. জী স	० एस० सक्सेना,प्रशासनिक धकारी, केन्द्रीय उत्पाद भुस्क, रिगढ़ ।	30 -6- 81 ,,
केन	० डी० शर्मा, प्रधीक्षक, द्रीय उत्पाद गुल्क, स्रालय, कानपुर।	30-6-81 ,;
7. के ब	के के पाठक, प्रधीक्षक, द्रीय उत्पाद मुल्क, ली।	30-6-81 ,;
केल	एम० एल० माथुर, ब्रधीक्षक, द्रीय उत्पाद मुल्क, रेली।	30-6-81 ,;

1	2	. 3
9.	एम० ए० वली, घघीकक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, घलीगढ़।	30-6-81 (प्रपरान्ह्)
10.	एच० सी० संक्सेना, ग्रधीक्षक, ं केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, मागरा।	31-7-81 ,,
11.	हरभजन लाल, लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, मुख्यालय, कानपुर।	31-7-81 ,,
•		जे० रामकृष्णन् समाहर्ता

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक सिसम्बर 1981

सं० ए० 19012/892/81—स्था०—पांच— प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री के० के० साहा, पर्यं वेक्षक की अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी तथा तद्यं आधार पर 3 अक्तूबर, 1980 के पूर्वाह्म से छः महीने की प्रविध के लिये या नियमित आधार पर इस पद के भरे जाने तक, जो भी पहले हो, एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य, ग्रवर सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कंम्पनी ला बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और रयूमैंक एक्सपोर्टेस प्रा० लि० के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1980

सं० 6343/22222— कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के म्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर रयूमैक एक्सपोर्टस प्राईवेद लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर रमानो टूरवेज प्रा० लि० के विषय में ।

नई विस्ली, दिनांक 30 जुलाई 1981

सं० 5190-14419-कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्वारा सूचना की जाती है कि रमानो टूरवेज प्रा॰ लि॰ का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है घौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ध्रुव एक्जीबीटसँ प्रा० लि० के विषय में ।

नई दिल्ली, विनांक 30 जुलाई 1981

सं० 7089/14422— कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के मनुसरण में एतव् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर मसर्से ध्रुव एक्जीबीटर्स प्रावेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना सहायक कम्पनी रज़िस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

भायकर भायुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1981

सं० जुरि०/म्राई० ए० सी० म्रसेसमट/81-82/2202— पिछले सभी म्रादेशों का म्रधिकमण करते हुए मौर म्रायकर म्रिवित्यम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त भ्रत्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए भ्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली निर्देश देते हैं कि नीचे दी गई तालिका के कालम-2 में जिन निरीक्षीय सहायक भ्रायकर म्रायुक्तों का वर्तमान पदनाम निर्विष्ट किया गया है वे उक्त तालिका के कालम -3 में किये गये निर्देश के भ्रनुसार पून: पदनामित किये जायेंगे:—

तालिका

ऋम सं०	निरीक्षीय सहायक ब्रायकर ब्रायुक्तों (निर्घारण) का वर्तमान पदनाम	निरीकीय सहायक भ्रायकर श्रायुक्तों (निर्धारण) का नया पदनाम
1	2	3
	रीक्षीय सहायक ग्रायकर युक्त, रेंज-I-ई, नई विल्ली	निरीक्षीय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्धारण) रेंज-I, नई दिल्ली।
श्र	रीक्षीय सहायक भ्रायकर युक्त, रेंज-I-एफ, १ दिल्ली	निरीक्षीय सहायक झायकर झायुक्त (निर्धारण) रेंज- II, नई दिल्ली ।
झा	रीक्षीय सहायक म्रायकर युक्त रेंज-II, ई, दिल्ली	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्धारण) रेंज- 3, नई दिल्ली।

1 2	3
 निरीक्षीय सहायक ग्रायकर 	निरीक्षीय सहायक भ्रायकर
श्रा यु क्स, रेंज-∏-एफ,	म्रायुक्त (निर्धारण) रेंज-
नई दिल्ली	4, नई दिल्ली
 निरीक्षीय सहायक भ्रायकर 	निरीक्षीय सहायक भायकर
ग्रायुक्त, रेंज-II-जी,	म्रायुक्त (निर्धारण) रेंज-
नई दिल्ली	5, नई दिल्ली
 निरीक्षीय सहायक भ्रायकर 	निरीक्षीय यसहायक द्यायकर
भ्रायुक्त, रेंज-II - एच,	ग्रायुक्त (निर्धा र ण) रेंज-
[:] नई दिल्ली	6, नई दिल्ली
🕶. निरीक्षीय सहायक भ्रायकर	निरीक्षीय सहायक आयकर
धा युक्त रेंज-4-डी,	ग्रायुक्त (निर्धारण रेंज-
नई दिल्ली	7, नई दिल्ली 🕌
8. निरीक्षीय सहायक म्रायकर	निरीक्षीय सहायक म्रायकर
ग्रायुक्त, रेंज-4 जी,	ग्रायु प त (निर्धारण) रेंज-
नई दिल्ली	8, नई दिल्ली
 निरीक्षीय सहायक भ्रायकर 	ं निरीक्षीय सहायुक ग्रायकर
मायुक्त, रेंज-3-ई,	श्रायुक्त (निर्धारण) रेंज-
नई दिल्ली	9, नई दिल्ली∤
10. निरीक्षीय सहायक श्रायकर	निरीक्षीय सहायक भ्रायकर
श्रायुक्त ,रेंज- <i>3</i> -एफ,	भ्रायुक्त (निरीक्ष ण) रेंज
नई विल्ली	10, नई विल्ली
11. निरीक्षीय सहायक द्यायकर	निरीक्षीय सहायक प्रायकर
ग्रायुक्त, र्रेज-5-ई,	म्रायुक्त, (निर्धारण) रेंज-
नई दिल्ली	11, नई दिल्ली
12. निरीक्षीय सहायक भ्रायकर	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निर्धारण) रेंज-
श्रायुक्त, रेंज-5-एफ, नई दिल्ली	भायुक्त, (गिधारण) रज- 12, नई दिल्ली ।
14 (20)	2.20) THE THINKS

यह श्रादेश 1-5-1980 से लागू होगा। यह अधिसूचना श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-I से दिल्ली-6, प्रभार, नई दिल्ली की सहमति से जारी की जाती है।

सं० जुरि-दिल्ली-1/81-82/2304—पिछले मादेशों का मिन्नमण करते हुए और भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी गक्तियों का प्रयोग करते हुए भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-1; नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई तालिका में जिन निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्तों का वर्तमान पदनाम निदिष्ट किया गया है उन्हें उक्त तालिका के कालम (3) में किये गये निर्देश के अनुसार पुनः पदनामित किया जाएगा:—

तालिका

ऋ० सं०	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर श्रायुक्तों का वर्तमान पद नाम	निरीक्षीय सहायक भायक प्रायुक्तों का नया पदना	_ र म
1	2	3	_
	क्षीय सहायक श्रायकर त रेंज-1-बी, नई दिल्ली	निरीक्षीय सहायक मायव मायुक्त रेंज-6-बी, नई विल्ल	

2. निरीक्षीय सहायक ग्रायकर निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त रेंज-1-सी, नई दिल्ली ग्रायुक्त रेंज-6-सी, नई विल्ली।

3. यह धादेश 1-5-81 से लागू होगा। यह अधि-सूचना आयकर आयुक्त दिल्ली-6, नई दिल्ली की सहमति से जारी की जाती है।

> एम० डब्ल्यू० ए० खान भायकर भायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

कार्योलय भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-11 नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रप्रैल 1981

सं० सी० प्राई० टी०/दिल्ली-II/जुरि०/81-82/1890— प्रायकर प्रिव्धिनयम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त भ्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 12 जून, 1980 की श्रिध्सूचना एफ० सं० जुरि०/दिल्ली-II/80-81/8301 को दिनांक 1-5-1981 से रह समझा जाए।

सं० जूरि०/विल्ली-II/81-82/1997—श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की
उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों और इस संबंध में प्राप्त
श्रम्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त
विल्ली-2, नई विल्ली निदेश देते हैं कि अंग्रेजी वर्णमाला के
श्रक्षर "श्रार" के व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, श्राय या श्राय
के वर्गों श्रीर मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में श्रपने
कार्यों का निष्पादन श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-8 (13)
नहीं करेगा और श्रायकर श्रधिकारी स्पेशल सकिल -6 करेगा
किन्तु इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग श्राय या श्राय
के वर्ग या मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो
उक्त श्रधिनियम की धारा 127 के श्रन्तर्गत किसी श्रन्य
श्रायकर श्रधिकारी को सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे
जार्ये।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये भ्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, श्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में भ्रवेक्षित ग्रादेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-4-ई को भी प्राधिक्कृत करते हैं।

यह म्रधिसूचना दिनांक 1-5-1981 से लागू होगी।

सं० जुरि०/दिल्ली-11/81-82/2098---श्रायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों श्रौर इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी मक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त विल्ली-2, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि अंग्रेजी वर्णमाला के अवक्त "ए" से "एच" तक के व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और मामलों या भामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्यों का निष्पादन आयकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट 8(13) नहीं करेगा और आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट 10 (11) करेगा किन्तु इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे आएं।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये आयकर आर्युक्त, विल्ली-2, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अवेक्षित आदेशों को पास करूने के लिये निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-4-ई की भी प्राधिकृत करते हैं।

यह ग्रिधसूचना दिनांक 1-5-1981 से लागू होगी। दिनांक 29 ग्रिपैल 1981

फा॰ सं॰ जुरि॰/दिल्ली-II/81-82/2440— आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर आयुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर "एम" के व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आयकर या आय के वर्गों और मामले या मामलों के वर्गों, के बारे में अपने कार्यों का निष्पादन भायकर भिष्ठकारी डिस्ट्रिक्ट-8 (13) नहीं करेगा भौर श्रायकर भिष्ठकारी डिस्ट्रिक्ट 5 (11) करेगा किन्तु इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग श्राय या श्राय के वर्ग ध्रौर मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त श्रिष्ठित्यम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य श्रायकर श्रिष्ठकारी को सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे जार्ये।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिये आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में अवेक्षित आदेशों का पालन करने के लिये निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-4-ई को भी प्राधिकृत करते हैं।

यह भिर्मित्रचना विनांक 1-5-1981 से लागू होगी। एन० एस० राजवन भ्रायकर भ्रायुक्त, विल्ली-11, नई विल्ली

कलकत्ता, दिनांक 27 जुलाई 1981

सं०-291—श्री सुधीन्त्र कुमार घोष, श्रायकर ग्रधिकारी, वर्ग-ख, पश्चिम बंगाल प्रभार, जो मुझत्तलाधीन है, निवर्तन की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1981 को ग्रपराह्न से सेवा-निवृक्त हो गये हैं।

के० जी० नायर श्रायकर भायुक्त प्रिचिमी बंगाल-1, कलकत्ता प्रकप बाइं.टी.एम.एस. ------

नाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन र्ज, मद्रास

मदास, विनांक 19 अगस्त 1981

निदेश सं. 16/24--यत:, मुक्ते, हाथा बालकृष्न, इसके पक्चात 'उक्त मभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कार्रण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है और जिसकी सं. 13, है, जो दामोदरन स्ट्रीट, मन्नास 86 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर डाक्रामेंडस 164/ 81, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करले का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार म्ह्य, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के क्षीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करूने वा उससे व्यने में सूर्विभा-के तिए; बहि/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन यां जन्म अस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया खाना खाहिए था, डिक्पाने में सुविधा के निएए।

(1), श्री राभवामोब रुनु भाँड भ्वरस्

(अन्तरक)

(2) लुकशामी द्रोड।

(मन्सरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मृत्ति के अर्थन के द्विए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस् भूजना की राजपन में प्रकाशन की लारींच हैं 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिस से 30 दिन की सर्वीध, को भी सर्वीध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा∦
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध, किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास, विकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण्:---ध्समं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावितः है, वहीं मुर्थ होगा, जो उसे मुख्याय में दिया प्या है।

वग्त्या

भूमी जार कुनर्माण-13, वामोब रन स्ट्रीट मन्नास-86 (बाक्न्मेंड सं: 16/80)

्राधा वालकृष्ण् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकार आयुक्त (निरीक्षण) वर्षन रुषि ।।, मृद्रासु

श्तः अतं, उत्तत अभिनियम कौ भारा 269-ग को सनुसरण को, मी, उत्तर अभिनियम की भारा 269-भ की उप्भारा (1) को अभीन निम्मीकेचित व्यक्तियों, क्योंत् हि——

सारी**ब** छ 19-8-81 मोहरः प्ररूप आइ. टी. एने. ऐसं.-----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घूर्रा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, 7 मर्द 1981

निबचा नं. पि. आर. नं. 115/एकयी/23-11/81-82--- जतः, मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मांत्रनित्रम' कहा गया है); की धारा 269 व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ए॰ से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. नं. 315∕1 पैकी क 314 पैकी मिलकत है। तथा जो गोद्रा में स्थित है (और इससे उपाबत्ध अनुसूचि मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोदा में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-2-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यामन प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिचत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त धिक नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भेक भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिषितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिषितियम, या धन-कर भिषितियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) हमसाभाई वाकिमाई।, हाजी सलमानी कम्पीन की पृत्री फतमाबाई।, कम्पीन अकबाली।, अमली यालीया।, गोद्रा।
- (अन्तरक)]
 (2) श्री कुडवृधीन राजुधीन जीनावाला और दुसर। , अभाली फालिया। , गोदा।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हैं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत को आर. एस. नं. 315-/1 पैकी और 314 पैकी में गोद्रा गांव में स्थित है। जो जारीख 12-2-81 में रिजस्ट्री कि गग्री है।

> जी त सी त गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज्-।।, अहमदाबाद

तारीख : 7-5 1981 मोहर:

प्ररूप धाई० टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1,9,61, (1961 का, 43) की धारा 269-च (-1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजना।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1981

निदश नं. पि. आर. नं. 1155/एकयी/23-11/81-82-अत:, मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है); की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्यु 25,000/- कु से अधिक है

और जिसकी सं वोरावद, गोपीपुरां, वार्ड नं, 8 है। तथा जो नोद नं. 805, सुरन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वृणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-1-1981

त्री पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रथिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) श्वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत बिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविवा के ज़िए; श्वीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को ज़िन्हें भारतीय घायकर, घ्रिश्चिन्यम, 1922 (1922 का 11) या, उन्हा, अधिनियम, या, धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जिपाने में सुविधा के जिए।

अतः, अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के धनुसरण में, में उक्त धिक्षित्यम की धारा 269-य की उक्कारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित्र- (1छ श्री वसनदलाल प्राणलाल मेरछन्ड।, श्री दिलीप कुमार वसनदलाल मेरछन्ड। व्यूल वसनद लाल मेरछनड। पीनी-नी-बीढ, भागा तलाव। सुरत।

(अन्तरक)

(2) सुनीत एपपार्वमन्ड को-ओ-हैंसिग् सांसैटी।,

(1) श्री प्रकश चन्द्र वालछनद शाह। काजी मेदान्।', गोपीपुर।, सूरत।

(2) श्री धनसुक लाल छाटा लाल पान्वाला।, सोणी पुलाया गोपीपुरा। सुरत।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूज्जा की तामील से 30 दिन की प्रवृद्धि, जो भी. अवृद्धि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुन्नता के एज़पन में प्रकाशन की तारीख, से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दित्वद्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित, में किए जा सर्कोंगे।

हाब्दी हरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिश्वाचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

.मिलकत जो वाहक नं. 805 वार्ड नं. 8, वोरावड, गोपि-पुरा, सुरत में स्थित है। जो सुरत रिजस्ट्रार के कार्याल्य में तारीख 20-1-1981 में रिजिस्ट्री कि गायी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्रा<u>धिकारी</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1981 मोहर:

प्रकृप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰~~

न्नायकर संविनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के सवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं : 1155/एकयी/23-11/81-82--अतः, मुभ्ने, जी. सी. गुर्ग, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के स्रतीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित रुपये से बाजार मूल्य 25,000/-ग्रधिक और जिसकी सं. टिकान. 4 एम. न. 42 है। तथा जो पंच हातडी, रानदोर, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जानवुरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूरव से कम के बृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यग्तरक (यन्तरकों) भीर यन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण जिस्तित में वास्तविक रूप से कविन नहीं किया गया है:---

- (क) चन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुबि। के सिए; धौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया वाना चाहिए या, किपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः अवः उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के धनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रवीण चन्द्रा छगन नात्। त श्री हरषद भाई छगनलाल। त 21-कैलाहा नगर। , प्लाट न ् 45 , दुस्रा पाले। त साग्रामपुर। , सुरत्। (अन्तरक)
- (2) श्री गुलाप मोहमद सूलेमान हाफाजी। , नागीना सिद्रह। रान्दोर्द्र। , सुरुत। (अन्तुरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविष, या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी
 प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रन्य म्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त -श्रिवियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टिका न. 4, रानदोर, यथाविधी जानवरी, 1981 में रिजस्ट्री कि गयी है।

जी तसीं तम्म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज्-।।, अहमदाबाद

तारीखु 2-9-1981 मोहरः प्रकप कार्र. टी. एन्. एस.----

नायकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकड आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 3 सितम्बर 1981

निद्धेष नं पि आर नं 1156/एकवी/23-2/81-82--- अतः, मुक्ते, श्री सी गर्ग,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं. आर. एस. 389-ए-1+2+3, टि. पी. एस. 4 है तथा जो एफ. पी. नं. 79-बी, कतारगांव, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1981

प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुओं यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्वयमान प्रतिफाल से, एसे द्वयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तुव्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की वावत, उच्छ आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

नतः जय, उपत निर्मितयम, कौ भारा 269-भ के जनसरण नै, मैं, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को नभीन निम्नतिस्थित व्यक्तियों, स्थाति ६—

- (1) श्री चन्द्रकांत नाथुभाई शाह वाडी फलीया, सक्रोर ड्रोरी, सूरत। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती वीर्मतीबेन, मगनलाल जवेरचन्द की विधवा, नवापुरा, दालीया डोरी, स्रतः।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध आद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यां करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

िमलकत जो आर. एस. नं. 389-ए-1+2+3 टी. एँप.₁ एस. 4, नं. 79-बी कातारगाम यथाविधि तारीच 3-1-81 में रजिस्ट्री की गयी ह⁸।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-११, अहमदाबाद

तारींच ः 3-9-1981 मोहरः प्रेंच्य आई.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

> भारत सरकार सहायक आयकर आयक (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निवोश नं पि आर न 1157/एक्किय.-23-।।//81-82 -- अतः मूभ्रे, जी. सी. गर्ग, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसिक परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 / रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. आर. एस न 357-ए-1+2+3, है। तथाओं डि. पी. एस न 4, एफ. पि. नं. 79-जी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कनागीय, सुरत में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1981 क्कों पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाें) और अन्तरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फस निम्नलिखित उददोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क)' अन्तरण सेहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्ट) ध्रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा कियाजाना चाहिए था छिपाने में स्विभाके सिए;

बतः बंब, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को जभीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री चन्द्रकांत नान् आंई शाह, वाडी फलिया, स्टोर शेरी, सरत।

(अन्तरक)

(2) श्री वास्पाल छगनलाल शाह, नवाप्रा, बालया शोरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखसे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जासकों गे।

स्पर्ध्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही वर्षहोगाजो उस अध्याय में दिया नया है।

पिलकन जो आर. एस. न 389-ए-1 2 एसः नः 79-बी काढागीय, स्रत में स्थित है। जो यथाविधी तारींक्ष 3-1-1981 में रुजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

वेरिषि : 3-9-1981

महिंद∷

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०----

ग्रायकर बचिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन ऱ्रॅंज-।।, अहमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निदंश नं पि. आर. नं ः 1158/एक्बी.-23-।।/81-82---यतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मध्नम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से ग्रधिक है मुख्य और जिसकी सं. आर. एस. नं., 389-ए-1 $\pm 2\pm 3$ टि. पि. एस. 4 है। तथा जो एफ. पि. न. 79-बी, कतारगाय, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिज-स्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-1-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित नहेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रास्तरण ने हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, ने भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों हो, जिन्हें भारतीय श्रायहर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के खिए;

क्षतः खब, इक्त प्रविनियम की धारा 269मा के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम को घारा की 269-व की उपघारा (1) के प्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---3-256GI/81

(1) श्री चन्त्रकांत नानु भाई शाह, वाडी फलिया, सवार शेरी, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप क्मार नगीनदास, नवापुरा, दालिया गरी, सुरत, (2) श्री दिलीप कुमार नगीनदास, नवापुरा, धालीया, शोरी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए ऋर्यवाहियां करता है। 🕆

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रमय व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षंरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्ठीकरण:→-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

सन्त्जी

मिल्कत जो कार. एस., नं., 389-ए 1 + 2 र् 3 , ईंडि., पि. एस्, न्, 4, एफ. पि., न. 79-वी, कातारगाम, सुरत में. स्थित है। जो यथाविधी तारीख 3-1-1981 में द्रिजस्ट्री की गयी है।

> जी ुसी । गुर्ग स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन राज-।।, अहमदाबाद

तारीत :: 3-9-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चनां

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहभदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निद्देश नं. पि. आर न 115-9/एक्की./23-11/81-82--यतः म्फो, जी. सी. गुर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्ति बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. नोंद नं. 2310-सलाबतप्रा है तथा ओ वाड़ नं. 3, स्रत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-1-1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण ट्रिनिखत में वास्तिक का से किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव्, उक्त अधिनियम्, की आरा 269-ए को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तितुमों, अधीत अच्च

- (1) श्री नवनित्तलाला काशीराम् पढेल, एच. यू. एफ. कर्ता और मानेजड औड नावालिग् अरत् औड़ किर्दित का रक्ष्मकर्ता, सलाबतपुरा, सीही शोड़ी, सुरत्। (अन्तडक)
- श्री हितन्द न्यनित्तलाल काशीराम पुटल, 1, एक.। यू. एफ. कर्ता और मानेजर और पुत्री बेनेश क्ल रक्षकर्ता।
- रमेशचन्द्रा काशीराम, एच. यू. एफ. कर्ता॰ औप् मानेजर नाबालिंग पूत्र नीलेश, पूत्री नीलीमा, होमाकक्षी, जयश्री और प्रीती के रक्षकर्ता।
- बलवन्तराई काशीराम, एच. यु. एफ. कर्ता जीर मानेजर और नाबालिग पुत्र विपूल और पुत्री दौपा के रक्षकती।
- रजनिकन्त काशीराम, एच युः एफ कर्ता, औदुः मानेजर।
- शानताबन, काशीराम का विधव, सब सलाबतपूरा मे रहसे हो, सीधी शेरी, सुरत।
- (2) पयिचनद चुणिलाल, एन. 10781, सुरत बोकसें-वैयिल माकीठ, रिग रोड, सुरत।

(ज्नारिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वांक्त सम्पत्ति को क्र्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप#--

- (क) इस स्कृता को राज्यक् में प्रकाशन को तार्यों के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूजना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहुध किसी शृन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यन्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शुक्तों और पूर्वों का, की उक्त अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिसा प्रा हैं !

शृनुसूची

मिलुकत जो नोद नं 2310, वार्ड नं 3, सालाबत्पूरा, सुरत में स्थित है। जो यथाविधि तारीख 20-1-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी , सी । गर्गं, सक्षम प्राप्तिकाडी सहायक आयुक्त आयुक्त (निद्रक्षिण) अर्जन रोज-2, अहमदाबाद

सारी**स** : 3-9-1981

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आयुक्तर आयुक्तत (निरीक्षण)

अर्जन रुज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितुम्बर 1981

निद्र शु नं ु प्रि., आर्. ुनं ु 1160/एक्वी ु-23-2/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गुर्ग, सायकार स्थितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्थितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25.000/ रत. से अधिक है और जिसकी सं. नोद नं : 2939/ए/1/ए/2 है तथा जो महाराजा सिनीमा के पास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में उजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 को 16) के अधीन 30-1-1981 की पूर्वों कत् संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उस्की इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित के बीच पूसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा . के लिए; और/या
- (स) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती द्वाडा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम् की भारा 269-न के, अनुसूक्त में, में, इत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्शत् ६-

- 1 ु (1) श्री हमेश्चन्द्रा अमुबारम् मोदी, 11/1255, नानावढ, मिथन हाड, सूरत्।
- (2) श्री ईशवर्लाल नकोरदास, अमबाजी रोड, चोरयास् डैयरी के सामने, स्रत्।
 - (3) श्री चन्द्रकान्द जगमोहनदासु चान्त्रियावाला, 6/708, गुलेमानुडी, मोर्डी शेरी, सूरत।
 - (4) श्री जयन्ती लाल नाकोरदास, हारो-को सोसायिटी, बनगुला नं 9, वराछा, सूरत्र
- 2. (1) श्री च्मुपुकलाल बाबुभाई,
 - (2) जाकोबैन चमपकलालु,
 - (3) दिनेशचन्द्रा चमपकलाल,
 - (4) जनदुलाल जमपुकलाल,
 - नवि (5) ननद्किशोर चमपकलाल, नवापुरा, बादाक, सूरत।

(अन्तुरिती),

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्बना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी मविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मृब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पृदों का, जो उक्त किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुस्ची

मिल्कत जो नोद नं 2937/ए/1/ए/2, महाराजा सिनिमा के पास स्थित है। जो यथाविधि तारीख 30-1-1981 में रजिस्टी की गयी है।

> जी सी गुर्ग सक्षुम् प्राधिकार स्हायुक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज्-2, अहम्दाबाद

तारीख: 3-9-1981

मोहर 🗓

प्ररूप आद्दै . टी . एन् . एस . -----

भारा 269-वृ (1) के न्धीन सृचना

भारत सुरकार

कार्यालयु, सहायक आयुक्तर आयुक्तः (ट्रिन्टीक्ण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 3 रिसतुम्बर 1981

निर्देश सं्पि आर नं 1161/एक्सी /23-11/81-82---यतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269- व में मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काद्रण, है कि स्थावर सम्पति, जिस्काउद्वित, वाजाद मृल्य 25,000/- रुक. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. नोद नं. 2310, सालाबतपुरा है तुभा और वार्ड नं , 3, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख़ 20-1-1981 को पूर्विक्त संपरित के उ जिल्ला बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफलुको लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि युथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फुल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त नृत्त्रण लिखित में नास्तिविक रूप से कवित नहीं किया गुमा है? --

- (क) ज्तारण से हुई किसी जाय की वाव्त, उक्त जार्मित्यम के अभीन कर देने के ज्तारक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यूने में सूर्िक्श की तिप्र; ज़रि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री नवनितलाल काशीराम पटेल, एच मु, एफ ु कर्ता और नावालिंग भरत और किरित के रक्षकर्ता, सालावतपुरा, सीधी शेरी, सुरत।
- श्री हितन्द्रा नवनितलाल, एच . यु. एफ . कर्ता और प्त्री जानीक के रक्षकर्ता।
- 3. रामचन्द्रा काशीराम्, एच. यू., एफ. कर्ता और नाबासिक पुत्र नीलेश और पुत्रीओं नीलीमा, होमांक्षी, जयश्री और प्रीती के रक्षकर्ता।
- 4. बेलवन्तराई काशीराम्, एच्., यू., एफ., कर्ताः और नाबाल्क पुत्र विपुल और पुत्री दीपा के रक्षाकर्ता ।
- रजनीकान्त् काशीराम, एच, यू. एफ. कर्ता और मैनेजर।
- 6. शान्ताबेन, काशीराम आतमाराम की विधवा, सब सालाबत्पुरा में रहसे हैं, सीधी शोरी, सुरत । (अन्तरक)
- श्री नरन्द्र कर्मार रतनलाल सन्गवी, सालाबतपुरा, महात्मा वाडी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चाडी करके. पूर्वोंक्त सम्पृत्ति, के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हर--

- (क), इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे .!

स्वक्षीकर्ण्:--इसमें प्रयुक्त कव्यों बौर पूर्वों का, को उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित, हैं, बहीं कुर्य होगा को उस, अध्याय में दिया गया है।

वम्सूची

िम्लकत् जो नोव नं , 2310, वार्क नं , 3, सालाब्त्पूरा, सुरत में स्थित है जो यथानि थि जनवरी महीने, 1981 में स्विस्ट्री की गुनी है।

जी ्सी ः गर्ग सक्षम् प्राप्तिकारी सहायक सायुकर आयुक्त् (निरक्षिण) कृर्जन् रोज्-। । (ह) क्हुम्दाबाद

जतः अयः, उक्त अभिनियम् कौ भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म कौ उपभारा (1) के अभीन निम्नतिश्वित क्यक्तियों, अभृति हः——

तारीलु : 3-9-1981 मोहर् प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रंज, पटना

पटना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. ।।।-498/अर्जन/81-82--यतः मुक्ते, हृदय नारायणे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उ चित्र बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. तौजी संख्या 5225/14850, बार्क संख्या 33, सिर्काल संख्या 245, खाता संख्या 62 है तथा जो दुजरा (बोरी ग रोड), पटना में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल कल निम्न्तिखत उद्योग्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से करिया नहीं किया ग्या हैं—

- [क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे सकने में सुनिधा के लिए, और या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए वा प्रिणार्न में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-गु के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् हिन्न

- श्रीमती राज कुमारी सिंह जाजे श्री कुमार गणपती प्रसाव सिंह, बहासियत मां और बली श्री कुमार अमित सिंह वो श्री कुमार अस्वीन सिंह नावालीगान, पेसरान श्री कुमार गणपती प्रसाव सिंह, मोजा र क्काराज, पत्रालय, र क्काराज, जिला पलामू। (अन्तरक)
- 2 (1) श्री कृष्ण मन्दन वास्णीय आत्मज श्री दोनकी नन्दन वास्णीय।
 - (2) श्रीमती ज्योत्सना जौज श्री कृष्ण नन्दन वास्णीं मा साकिन महल्ला कदम कुआं, थाना कदन कुआं, पटना।

(अन्तर्द्धिती)

3. (1) श्री कृष्ण नन्दन वास्णीय

(2) श्रीमती ज्योत्सना (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पर्तित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तु सम्परित के शुर्जन् के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिहित में किए जा सकेंगे।

स्याद्यांकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त स्थि-. नियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गृवा हैं।

अनुसूची

चुनीन का रकवा 2 कट्ठा 5 धूड एक मंजिला पक्का म्कान साहत जो मौजा दुजरा, पटना में स्थित है तथा को पूर्ण रूप भे विसका नावर 324 दिनांक 20-1-81 में वर्णित है तथा जिस्का निक्थन जिला अवर निवन्धक प्दाधिकारी, पटना ब्वारा सुम्युक्त हुना है।

> हृदक् नाराज्य, सक्तम् व्राधिकारी सहायक वायकड् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज्, विहार, पुटना

तारीख: 3-7-1981

मोहरु 🗯

प्ररूप नाइ ० टी० एन० एस०

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्वाज्य,- सहायक भायकर आयुक्त ((मिर्टीकाण)) अर्जन ट्रॉज, बटना

पटना, दिनांक 2 सितम्बर 1981

निद्धीं सं. ।।।-510/अर्जन्/81-82--यत्ः मुक्ते, हृदय् नारायण्,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हुन, से अधिक है

अरि जिसकी सं. केंट्रस्त सर्वे प्लाट संख्या 903 और 904, खाता संख्या 38 और 39, तौजी संख्या 18224 है तथा जो बोरींग रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1981

का 16) के अधीन, तारी थे 23-1-1981 को पूर्वों कत संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे मृत्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में भास्तिमुक कप से किथित नहीं किया गया हैं क--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बांग की बाबत उक्त अभिक् नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यंने में सुविभा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धून या अन्य आहित्यों की, जिन्हों आहतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खून-कर अधिनियम, या खून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

- 1. श्रीमृती प्रेमा देवी बाजला जीज श्री लुलित कूमार बाजुला, निवासी 42 फ्रेंजर रोड, पटना। (शृन्तुरक)
- 2. श्री रमेश कुमार जगुनानी वृल्द श्री नन्द किशोर जगुनानी, निवासी जहाजी कोठी, सीरींग रोड़, पटना। (जन्तो<u>र</u>ती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों के सम्मृतिस के वर्षण को तिए। कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को और न्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पृवक्ति व्यक्तियों में से कि सी व्यक्तित व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तार्रीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तां करी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्युक्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ज्मीक का कर्ल रक्बा 3 कट्ठा जो मौजा बोरींग रोड़, पटना में स्थित ही एवं पूर्ण रूप से विस्का संस्था 498 विनंक 23-1-81 में विर्णित ही तथा जिसका निवंधन जिला जबर निवंधक प्राधिकारी, पटना दवारा सम्पन्त हुआ है।

हृदयः नारायण् स्**श**म् प्राप्तिकारी स्**हा**युक् भायुक्ट जायुक्तः (नि<u>र्</u>तिकण्) स्वीन् स्वेत्, विहार्, पृटना

अतः अव, उक्त ऑधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अथितः—

तारौब 🛭 2-9-1981 मोहर्

प्रकप आई• ही॰ एन• एस•------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 48) की ब्रारा '268मा (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

वर्णन हुज, अमृतसर

अमृतस्रु, दिनांक 2 सितम्बर् 1981

ानवंश सं ु ए. एस. आर. /81-82/153-- पत्ः मुक्ते, अनंव सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चेत् 'जकत अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावद सम्पत्ति, विसका उपित बाजाय मृक्य 25,000/ रुपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो बाजार ह् सैन्पूरा, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) को अधीन, तारीस जनव्दी, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्त बाजार मून्य से कम के
वृश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई वैश्रीर मुझे वह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
छिन्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिकल से पन्धव बतियत अधिक है और
अग्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच
ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया ब्रतिकल, निम्नसिवित
उद्देश्य में उस्त अन्तरण जिन्तित में वास्तिकक रूप से कवित
महीं किया गया है।——

- (न) सन्तरण से हुई किसी खाय की वावत; एक्त धांध-वियम, के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी खरने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बौर/मा
- (बा) ऐसी निसी आय या निसी घन या बच्य बारिलयों को, जिन्हें भारतीय आवकर ग्रीविनयम 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर प्रश्निनयम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त आधानयम का घारा 269-ग क अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— श्री गुरदयाल सिंह स्खराज सिंह हरदयाल सिंह पृत्र सवरण सिंह, गांव फतेहबाब, तहसील तरन तार्न, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बेला सिंह पुत्र बंता सिंह, गांव मलूवाल, तहसील जिला अमृतस्र।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं · 2 में और कोई किरायेदार हो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जनं के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (स) इस मूचना के राजपत्न, में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाबन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोबस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ं स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों भीर पदों का, को उक्त भिन्नियम, के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्मे दोगा, जो उस भाष्याय में विया वया है।

अनुसूची

ं एक मकान जो बाजार हुन्तैनपूरा, अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं 3328, विनांक 30-1-81 आफ रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज ही।

आनंद सिंह सक्षम् प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रॉज्, अ्मृतस<u>र</u>

तारीब : 2-9-1981

मोहरः∄

(अन्तरक)

प्ररूप आइ र .टी .एन .एस .-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रोज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

िनर्दोश संः; एः, एसः, आरः /81-82/154च--बतः मुक्ते, जानंद सिंहः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक मकान है तथा जो बाजार हर्सैनप्रा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

का पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त लिखित में अस्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तप्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) प्रेसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकड अधिनियम, या धनकड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने से स्तिया औं निएः)

अतद अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन निम्निस्तिक व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री अजीत कार पृत्री भगवान सिंह, वासी गहरी मंडी, तहसील जिला अमृतसर।
- 2. श्री नरंजन सिंह पूत्र बंता सिंह, गांव भेलूबाल, तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर।
- (अन्तरिती)
 3. जैसा कि उत्पर सं 2 में और कोई किरायेदार

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

 बीर कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धहीं क्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मुकान जो बाजार हुनैन्पुरा अमृतस्य में है जैसा कि सेल डीड नं. 3325/1 तिथि 30-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह् सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसद्ध

तारीब : 2-9-1981

मोहर 🕄

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनाक 2 सितम्बर 1981

निदांश स ए एस आर /81-82/155--यत म्भ्ने, अनंद सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी से एक मकान है सथा जो गुरवासपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरवासपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (भ) एपी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, ज़क्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, नद्भ आधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 4—256GI/81

- 1. श्री हरबस सिंह महिंदर सिंह हरिकिश्न सिंह प्त्र करतार सिंह धारीवाल, जिला गुरवासपूर। (अन्तरक)
- श्री जुगल किंक्शोर कल्लदीप राज पुत्र गुरदयाल, सबजी मंडी, गुरदासपुर।

(अन्तरिती) 3. जैसाकि उज्परसं 2 मे और कोई किरायदार हो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।
(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया। गया हाँ!

अमृस्ची

1/2 भाग एक सकान का न बी -3/126 जो गीता भवन रोड, ग्रदासपुर में हैं जैसा कि सेल डीड न . 6797 तिथि 14-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूरदासपुर में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारील 2-9-1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

अशायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

निवर्षा सं. ए. एस. आर./81-82/156--यतः मुभ्ते,

आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियमा कहा गया है'), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्भ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीस जनवरी, 1981 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान भ्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त बन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उत्ससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 2.69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. कथात:--

- श्रीमती रवेल कोर पत्नी हरबंस सिंह राज रानी पुत्री हरबंस सिंह इदरजीत सिंह पुत्र हरबंस सिंह, वासी धारीवाल, तहसील व जिला गुरदासपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री गुरदयाल सिंह प्त्र बीहजारी शाह परदीप कुमार पुत्र गुरदयाल , वासी गुरदासपुर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय, में धिय: गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक मकान नं. बी.-3/126 जो गीता भवन रोड गुरदासपुर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 6779/13-1-81 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारील : 2-9-1981

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०-----

मायकर मधिनियम, 1'961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अगस्त 1981

निर्दोश सं. ए. एस. आर./81-82/157—-यतः मृभ्हे, आनंद सिंह,

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिष्ठिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिक नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय स्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रम, उक्त श्रष्ठिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रष्ठिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः—

- श्री गुलजारी लाल चोपड़ा पुत्र करिक्ण नरायण चोपड़ा, 15-ए/1 इस्ट पटोल नगर, विल्ली ब्वारा तरलोचन सिंह रीडर कोरट श्री एच. सी. मोदी, सब जज अमृतसर।
 (अन्तरक)
- श्रीमती कमलावती पत्नी मोहन लाल, कृचा अरदासीयां चोरसटी अटारी, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जीसा कि उत्पर सं. 2 में और कोर्ड किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हिसबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविधि, जी भी अविधि बाद में सर्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट खसरा नं. 1332 मिन 1000 वर्ग गज है जो कि न्यू गारडन कालोनी अमृतसर में है जैसा कि सेल डोड नं. 3166/1 तिथि 19-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, अमृतसर

तारीय : 26-8-1981

मोहर ः

प्रकप पाई+टी०एन०एस•---

मायकर भौबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अगस्त 1981

निर्वोश सं. ए. एस. आर./81-82/158--यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है),की धारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से यविक है

और जिसकी सं एक मकान है तथा जो सुलतान सिंह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृत्सर में रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूरुथ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बी व ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक 🕶 से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के श्रधीन कर देने के मस्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में युत्रिधा के लिए; भीर/वा
- (च) ऐसी किसी प्राप्त वा किसा बन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ऋधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ₹र अधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयायायाकिया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधाके लिए;

बतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में भें, इन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपद्यारा (1) के **अबीन निम्न**लिखित स्पवितयों, अव^हर र

- 1. श्री अमरजीत सिंह पुत्र लाभ् सिंह, मकान ने 🧃 275, गुरु रामदास नगर, अमृतसर।
- (अन्तरक) श्रीमती कुलवंत कार पत्नी भगवान सिंह, लखबीर सिंह पुत्र भगवान सिंह, वासी गोविंद नगर, सुलतान विंड रोड, मकान नं. 588-589 आबादी जसपाल नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती) 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) 4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

की ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धार्यन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो छक्त मधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

एक मकान नं 588-589 जो जसपाल नगर, सुलतानविंड रोड, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं.। 3255/1 तिथि 23-1-81 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मे वर्ण है।

> आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर्

तारीब : 29-8-1981

प्ररूप धाई। टी। एन। एस।---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अगस्त 1981

िन \mathbf{a}^{-1} श सं. ए एस. आर /81-82/159— यत मुक्ते, आनंद सिंह,

धायकर ध्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ध्रिधक है,

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो तहसील पटी, जिला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रितिकल के लिए ग्रम्सरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिषक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच एसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या ध्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मुक्धा के लिए;

वतः प्रबं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के द्राष्ट्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

- श्री गुरदयाल सिंह पुत्र विष्क सिंह चुमन किरतोवाल, तहसील पटी जिला अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- श्री कश्मीर सिंह प्त्र धना सिंह 1/3 भाग म्सतार कौर प्रत्री दहल सिंह 1/3 भाग अमर कौर प्रत्री कश्मीर सिंह 1/3 भाग, नासी बूह तहसील पटी जिला अमृतसर।
 - (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरागेदार हो।
 - (अह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)
- और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिसद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

हपक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भिक्षितियम के भक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 127 कनाल जो गांव बृह तहसील पटी जिला अमृससर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3816/1/1067 तिथि 30-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटी मंदर्ज हो।

> आनंद सिंह् स**क्षम अधिकारी** सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, अमृतस<u>र</u>

सारीस : 13-8-1981

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 अगस्त 1981

निद्रिश सं. ए. एस. आर./81-82/160--थतः मुक्ते, आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो बहु तहसील पटी में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्लालय पटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के बुधीन निम्न्तिवित व्यक्तियों अर्थात् ः--

- श्री भूपिदर सिंह पृत्र क्या सिंह, वासी बूह तहसील पटी जिला अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- श्रीमती गोपाल कार विधवा उजागर सिंह, वासी बृह तहसील पटी अमृतसर।
- (अन्तरिती)
 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार
 हो।
 - (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्यति के धर्जन के सम्बन्ध में को 🕻 भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ऱ्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स प्या हैं।

वन्स्ची

कृषि भूमि 93 कनाल 16 मरले जो बृह तहसील पटी में है जैसा कि सेल डीड नं. 3645/1/1064 तिथि 19-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटी में वर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निर्देकिण) अर्जन र्रज, अमृतसर

तारोख . 13-8-1981 मोहर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. एस. आरं. /81-82/162—यतः म्फो, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रा. से अधिक हैं अप जो लार्स रोड, अमृतमर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के उध्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसके रूथ्यमान प्रतिफल से, एसे रूथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नर्लिखित उद्वेश्यं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:---

- श्री चरनजीव लाल पुत्र दुनी चंद द्वारा दिवंदर नाथ पुत्र चमन लाल 8 लारस रोड, अमृतसर (अटारनी)।
 - (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अमरजीत बहल पत्नी जगमोहन बहल, सी 93 जिफेंस कालोनी, न्य विल्ली।
 - (अन्तरिती)
- *3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। बैंक आफ इंडिया 7636.05 महीना

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

*4. और कोर्ड। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितब्ब्ध हो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं. 8 जो लार्र्स रोड, अमृतसर में **है जैसा कि** सेल डीड नं. 3169/19~1-81 आफ रजिसटरिंग अथारटी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनंव सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

तारीख: 31-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायितिय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

िनिर्देश सं. ए. एस. आर.∕81-82/161—–यतः मुक्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं एक इमारत है सथा जो हाल गेट के अंदर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अभृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस जनवरी, 1981

की पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नां लाखत उद्दर्थ से उक्त अन्तरण निम्नां लाखत उद्दर्थ से उक्त अन्तरण निस्त मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हर्द किसी आसे की बावंत, उपा अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिषम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की जनधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- श्रीमती मोहन देवी विश्वया मुलख राज नयर रवी विला मकबुल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री क्षेत्रल कृष्ण प्रिंसीपल बी. आर. माडल स्कूल, कोरट रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

 श्री केवल कृष्ण प्रिंसीपल बी. आर. माडले स्कूल, अमृतसर। 1300/- रुपये महीना 1975 से। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बयुः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में - दिया पत्रा हाँ।

अमुस्ची

एक बिलिंडिंग नं. 4-5/12-1 और 66/22-1 जो हाल गेट के अन्दर है जैसा कि सेल डीड नं. 3059/6-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

सारीख: 2-9-1981

मोहर 🏸

प्ररूप आर्ड्: दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन राज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 31 अगस्त 1981

निदांश सं. ए. एस आर./81-82/163--यतः मुक्ते, नानंद सिंह.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अभिक है

और जिसकी सं एक जायबाद है तथा ओ रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अध्कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करूमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत निध्य है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा मम्म प्रीय-फल निश्नीलिश उद्देश्य से उन्तरण निश्नीलिश स्वार्थिक कर्ति अन्तरण कि सिता में बास्तिवक रूप से किसत नहीं किया गया है कर्ने

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत, उफ्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कै अभीन निम्निसिवित व्यक्तियों अर्थात्ः——

5---256GI/81

- श्रीमती सूत्रीला देवी मत्नी दीना नाथा, 57 रानी का बाग, अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- 2 श्री परीतम चद पृत्र वीरभान, 136 गोपाल नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- *3. जैसा कि जिपर स 2 में और कोई किरायेदार हो।
 - (बह व्यक्ति, जिसके अधिओग में सम्पत्ति हैं)

*4 और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परितृ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भ्री नाक्षेप 🖛

- (क) इस बूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारील के 45 विज की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर बूचना की तामील से 30 विज की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थळकोकरणः --इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्कों का, जो उनत अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिधाणित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

एक कोठी नं. 57 मिन 645 / 17 जो 338 वर्ग. मी हैं जो रानी का बाग अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डींड नं. 3224 / 1 तिथि 22-1-81 आफ रिजसटिरिंग अथास्टी अमृतसर में दर्ज हो।

> आनंद सिंह समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसार

ता्रीब - 31-8-1981

ाक्ष्य भाई० टी० एन० एस०---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालर सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन र'ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अगस्त 1981

निर्दोश सं. ए. एस. आर./81-82/164—-यतः मुक्ते, रुप्तंद सिंह,

धामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-खं कंप्रजीत सक्षण पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धा, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-वप् से चिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो तरन तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत में ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्दाए प्रतिशत से अधिक है ग्रीर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकृत निम्निखित उद्देश्य स उक्त प्रस्तरण लिखित में अस्तिकृत कुष से कुलित वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त था किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अभीन, निम्निलिखिस व्यक्तिस्यों, अर्थात्:--- श्रीमतौ धनवंत कार पत्नी जरनेल सिंह पृत्र उजागर सिंह लालू घूमर सहसील तरन तारन जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

- श्रीमसी कमलेश रानी पत्नी सूरिदर कुमार पुत्र सत बेव, वासी तरन सारन, जिला अमृतसर। (अन्तरितौ)
- *3. जैमा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

*4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

- उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :--(क) इस सूचना के राजपञ्ज में प्रकाजन की तारीख से
 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों श्रीर पदों का; को जनत शिव-नियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद मकान 8 मरला 157 वर्ग फुट तीन कमरे दां रसोइ करांडा डियोड़ी बाथ रूम लंटरीन आदि है जो आबाद स्टेश्न वाली तरन तारन वाली जिला अर्मतर में है जैसा कि सेल डीड नं. 4799/29-1-81 आफ रिजसटिरिंग अथार्ट तरन तारन में दर्ज है

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतस्य

तारीख: 29-8-1981

प्ररूप. आर्इ. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन होज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1981

निवर्षा स. ए. एस. आर./81-82/165—यसः मृभ्हे, आनंद सिंह,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स. एक जायदाव है तथा जो कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अभृतसर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को भूवों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्यंपाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- शी अगीर सिंह पूत्र गयान दास उर्क गयान सिंह जल्मीबना उराइन लदन न 8 जन 116 खुरबद्धा महला देहरादून जन कोट नामा दौप सिंह अभूलकर आप और मूखतारखस सिंभ जानव जसवत सिंह और मूखतार कास सिंग जानव श्रीमती परकाश कौर श्रीमती प्यारी श्रीमती स्रसती और श्रीमती केलाल कौर बार उसकी कहनो और श्रीमती बाद रागी सिसटर इन ला।
- (अन्तस्क)
 2. श्री संतोत्त सिंह पृत्र जगत सिंह, वासी कोट आबा दीप सिंह, मकान नं 3791 बाजार नं 1, अमृतसर।
- *3. जीमा कि उत्पर स. 2 में और कीई किरामेदार हो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

*4. और कोई।
(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्ष्यी
जानता है कि कह सक्पत्ति में हितक्क्स हैं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यचाहियां करता हु।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिकित मों किए जा सकोगे।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची -

एंक मकान नं. 3791 जो बाजार नः 1 कोट बाबा दीप सिंह, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड न 3251 ∕23-1-81 आफ रजिसटरिंग अथारटी अमृतसर में टर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

तारील : 31-8-1981

प्रकप नाइ . टी. एन्. एहा.---मायकद्व मिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269 प (1) के अभीत स्थता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमतसर

अमृतसर, दिनाक 29 भगस्त 1981

निर्दोश सं. ए. एस. आर. /81-82/166~-- यत: मभ्ते, अगर्नंध सिंह.

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-

च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार बूल्य 25,000/-रु. संबर्भक हैं

और जिसकी सं. एक बोड है तथा को सुलतानीबढ इरोड, अमृतसर मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मे वर्णित हो)-, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

क्ये पुर्वाकित सम्पति के उचित वाजार मृत्य से कम के बस्यमान प्रतिकेल को लिए नन्तरित की गई हैं और मुन्ते यह विस्थास मारने का कारण है कि यथापुर्वाध्यत संपत्ति का उपित बाबाइ मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फंक निक्रनिसित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अम्सरण से धुर्द किसी अाय की दोवत, उवत विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधाके लिए;

- 1. श्रीमती इक्रणीत काँग विश्ववा चनन सिंह, गुरू नानक आइस फौक्टड़ी, स्लतानिक होड, अमतसर।
- (अन्सरक) 2. श्री कश्मीरी लाल एक राम नाथ और राम क्यमार

पुत्र बनस्याम, सलतानविङ राङ, अमतसर। (अन्तरितौ)

*3. जैसा कि उत्पर स. 2 में और कोई किरायदाइ

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

*4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

का यह त्वना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आधेप :--

- (स) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन, की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, को औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुभना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

इक शेंड 180 वर्ग मी. जो स्लतानविंड रोड, अभृतसर मे है जैसाकि सेल डीड नं 3299 28-1-81 आफ रजिसटिरग अथारटी अमतसर मे वर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम् प्राधिकार्र सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अक: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीज, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 --

तारील : 29-8-1981

प्ररूप आई. 4ी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1981

निर्दोश सं. ए. एस. आर./81-82/167—यतः मुक्ते, अनिद सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)- (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रासे अभिक है

और जिसकी सं एक द्कान ही तथा जो कटड़ा आहल्बाला, अमलसर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मो वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारींस जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार भूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्त्यक स्व की की मत्त नहीं किसा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्क्रिभा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- श्रीमती बिद्यावती विधवा बेली राम बिज्य नाथ राख कर्मार करियन क्मार जिमन लाल दरशक कर्मार सुरिन्द क्मार पुत्र बेली राम, 4 मदन मोहल मालनीय रोड, अमृतसर।
- (अन्तरक)
 2. श्री चिषय पाल सतीक पाल प्रसाहन लाल, चावल मंडी, अमृतसर।

(अन्तारता),
*3 जैसा कि उत्पर सं 2 में और कोई किरायदार
हो।
मैं. बाजू सिलक और यूलन मिलज 240/- महीना
15 साल सं और किरायदार 32/- महीना बहुत
भालों से।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिओग में सम्पत्ति इ.º) *4. और कोई।

(बहु व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्साक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्बर्धितः को अर्थम को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीकां से 45 विन की कर्मीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक दूकान 971/11-23 जो कटड़ा आहलूबाला अमृतसर में हैं वैसा कि सेल डीड नं 3191/20-1-81 आफ रिज्यटरिंग अभारटी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉक, अमृतसर

तारीसः 31-8-1981

मोहरः

प्रकृप बाहु .टी .पन् .पन् .-----

नायक इ. निधित्यमः, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य सहायक आयुक्ट आयुक्त (निद्रीक्ष्ण)

अर्जन रंज, अमतसर

अमतसक, दिनाक 31 अगस्त 1981

निर्देश स ए एस आर /81-82/168 — मत मुक्ते,

नानद सिह

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उकत विधिनियम,' कहा गया है'), (जिसे इसमें 269-द के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का काडण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्नित् वान्नाड मूळ्क 25,000 राज्य से नाभिक हो

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो बजाब कसेरिया, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और वृर्ण रूप को वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालक जमतसर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1981 की पूर्वोक्त संपरित के उजित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उद्गित बाजाह मुल्य, उसके इत्यमान प्रदेतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृष्यित नहीं किया गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी नाय की बादत, अधिपृष्टिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कमने में सुनिधा के विद्रश मीष्ट/वा
- (क) ऐसी किसी नाक वा किसी भून या जन्य नारिसानों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर न्रीधनियम्, 1922 (1922 का 11) ∙या उक्त अधिनियम, या भगुकार निधानियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या था या किया जाना चाहिए था जियाने में त्रिक्भा के हैकएडू

अन्त अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-वृक्ष उप्भादा (1) के अभीन निम्नृतिहिक्त व्यक्तिको नृशीत्ह---

श्रीमती पुरुपावती पत्नी भगवान दास रिवदर कामार विनोद कमार लता कमारी नीना कमारी किरन क्मारी पुत्र/पुत्रीया भगवान दास, बाजार कसेरिया,

(अन्तरक)

- श्री महेश चद, अश्वनी कुमार पुत्र दवारका दास बाजार कसोरियां, अमृतसर।
- किरायदार 1 से 26 तक लिस्ट नथी है। *3

किरायेदारों के नाम

- मदन मोहन 25/- महीना 18 साल से
- फकौर चद 20/- महीना 25 साल से बिज लाल 30/- महीना 22 साल से
- सुरिदर कुमार 30/- महीना 15 साल से

- बिहारी लाल 30/-12 साल से
- पियारा लाल 30/- महीना 12 साल
- देव राज 20/- महीना 20 साल से 7
- जवाहर लाल 20/- महीना 24 साल से
- गयान चंद 20/- महीना 35 साल से
- परशोतम दास 25/- म्हीना 27 साल से 10
- परकाश चद 20/- महीना 36 साल से 11
- ब्रिज मोहन 20/- महीना 25 साल से 12
- धरम पाल 30/- महीना 18 साल से 13
- ओम परकाश रनिंदर कुमार 35 ∕- महीना 18 साल 14
- अजीत सिह 25/- महीना 10 साल से 15
- परमानद 25/- महीना 26 साल से 16
- भाम परकाश 35/- महीना 22 साल से 17
- किश्न मदन लाला 20/- महीना 21 साल से 18
- श्री करिशन 20/- महीना 24 साल से 19
- सन पाल हाडा 20/- महीना 20 साल से 20
- कवल कपूर 20/- महीना 26 साल स 21
- अभरीक सिंह 15/- महीना 24 साल से 22
- किश्न चद 20/- महौनौ 23 साल से 23
- हस रनज एड सज 50/- महीना 2 साल से 24
- राज कमार 20/- महीना 25 साल से 25
- आप 25/- महीना ' 26

उत्पर लिखे म्ताबिक किराया मान लिया गया (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्ध--

- (क) इस सूचना के हाज्यक में प्रकाइन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारानु
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा ब्धाहस्ताक्षरी के पाछ बिदित में किए जा सकोंगे।'

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त ज्ञब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

2/7 भाग बिलंडिंग न 551 और 555/4-4 जो बाजार कसोरिया अमतसर में हैं जैसा कि सेल डीड न 3326/ 30-1-81 आफ रिजसटिर ग अथारटी अमृतसर मे दर्ज है।

> आनद सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख 31-8-1981 मोहर:

प्ररूप आहुर् . दी . एन . एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, अमृतसर अमृतसर, दिनोक 31 अगस्त 1981 निर्वोश सं. ए. एस. आर./81-82/169—-यतः मृ्भे, आर्नेद सिंह,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-व के भधीन सक्षम प्राधिकारी का, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक हैं और जिसकी सं. कोठी नं 276 है तथा जो लार्स रोड, शास्त्री नगर, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपायव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विधित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता

अन्सूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच फरवरी, 1981 क्ये पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहें प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री चिमन लाल पुत्र धना मल, 276, शास्त्री नगर, लार स रोड, अमृतसर ।
- (अन्तरक)
 2. श्री ग्रंशरण सिंह नाबालग पुत्र बस्शीश सिंह द्वारा
 गारडीयन जगीर कोर, वासी महलवाल, तहसील
 जीरा, जिला फिरोजपुर अब 390ए, ग्रीन एवनयू,
 अमृतसर।
- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो।
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 4. और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 बिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्थलाकिरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनत्त्रची

1/4 भाग कोठी नं. 276 जो त्रंगबाला अरबन लार्रेस रोड (आबादी शास्त्री नगर) अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं. 3468/1 तिथि 19-2-81 आफ र्रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ष है।

आनंद सिंह सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चन्द्रपुरी अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 31-8-1981

मोहर 🥲

प्रकृत काई. टी., एत., एत.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुक्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

ममृतसर, विनांक 31 अगस्त 1981

निवर्षा सं. ए. एस. आर./81-82/170---यतः मुक्त, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कड़ने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं कोठी न 276 है तथा जो लार स रोड, शास्त्री नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक्ष जनवरी, 1981 क्द्रे, पूर्वो क्त सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कायमान प्रतिकल से, ऐसे कायमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-केल निम्नलिसित उद्योग से उक्त अन्तरण लिसित में बास्त-विक रूप से कवित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के किये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अफितरों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;
- मृत: अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री चिमन लाल पृत्र धना मल, 276, शास्त्री नगर, लार स रोड, अमृतसर।
 - (अन्सरक
- श्रीमती जगीर कौर पत्नी बस्त्रीश सिंह, वासी गांव महलवान, तहसील जीरा, जिला फिरोजपुर अब 390ए, ग्रीन एवनयू, अमृतसर।
- (अन्तरिती) 3. जैसा कि उत्पर स 2 में और कोई कि नायेक्षर हो।
 - (बहुव्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति हैं)
- और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कें जिल्ह्य कार्यवाहियां करता हूं।

उद्यत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनसची

1/4 भाग कोठी नं. 276 जो तू गयाला अरबन लारस रांड, शास्त्री नगर, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3060/1 तिथि 6-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी बहायक आग्रकर आग्रक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, 3 खन्द्रपूरी अमृतसर

तारीख : 31-8-198° रोक्टर -

मोह्नर :

प्ररूप आहरं.टी.एन.एस.-----

माय्कर अर्धिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1981

निर्वोश सं. ए. एस. आर./81-82/171--यतः मुक्ते, आनंद सिंह, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- खुक अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से अधिक है^{*} और जिसकी सं. कोठी नं. 276 है तथा जो लारेंस रोड, **पास्त्री नगर, अ**मृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाब**द**ध **अन्**सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981 का। पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानु प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिकत से अधिक है और ज़न्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्सरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरणा लिखित में

नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कें लिए? बार्/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जीना चाहिए था छिपाने में स्विधा असिए;

शतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिश्चत व्यक्तियों अर्थात्:--- 6—256GI/81

- श्री चिमन लाल पुत्र धना मल वासी लार से रोड, शास्त्री नगर, अमृतसूर ।
- (अन्तरक)

 2. श्रीमती जगीर काँर पत्नी बस्तरीश सिंह, वासी गांव
 महलवाल, तहसील जीरा, जिला फिरोजपुर अब
 390ए, ग्रीन एवनयू, अमृतसर।

(अन्तरिती)
3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार
हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सुम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं. 276 जो लार्रेस रोड (शास्त्री नगर) तूंगबाला, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3241/23-1-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ी]ज, 3 चन्द्रपुरी अमृतसर

तारील 31-8-1981 मोहर: प्रकृप मार्ड टी० एन० एस०—

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर अमृतसर, दिनाक 31 अगस्त 1981

निद्देश सं. ए. एस. आर./81-82/172--यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

धायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृक्य 25,000/- क्पये से प्रक्षिक है

और जिसकी सं. कोठी नं. 276 है तथा जो लार्स रोड, शास्त्री नगर, अमृतसद्भ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ऋप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दूव्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत मंगित का जिन्त बानार मूल्य उसके दूव्यमान प्रतिक्त में, ऐसे दूव्यमान प्रतिक्त के पन्टह प्रतिश्व से अधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गा मतिकल, निम्नविद्धत उद्देश से उन्त प्रस्तरण लिखित में बाहन-विक छप से कथित नहीं किया प्रथा है:—-

- (क) धन्तरण से दुई किसी भाय की बाबत उक्त आँछ-नियम के प्रधीत कर देने के सन्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के शिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था जन्त प्रवित्तियम, या अनकर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भूतिधा के लिए .

अतः अव, उनत प्रांतियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नक्षिणित स्विक्षियों, संग्रीत :----

- श्री चिमन लाल पुत्र धना मल, 276, शास्त्री नगर, लार स रोड, अमृतसर।
- (अन्तरक)
 2. श्री गुरशरण सिंह नाबालग पुत्र बसशीश सिंह द्वारा
 गारडीयन जगीर कार, वासी गांव महलवाल,
 तहसील जीरा, जिला फिराजपुर अब 390ए, ग्रीन
 एवनयू, अमृतसर।
- (अन्तरिती) *3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) *4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबकुष् हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त सम्पत्ति के मूर्जन के संबंध में कोई भी आखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की धर्वाध्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तासील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्वाध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हिलबढ़ किसी प्रत्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण :-- इक्नें प्रमुक्त सम्बोद्धीर प्रवीका, को जन्त प्रक्रियम के प्रक्राय 20-क में परिचाबित हैं, वहीं धर्च होगा जो उस प्रकार में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं. 276 ओ तुंगबाला एरिया अरबन लार से रोड (शास्त्री नगर) अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3143/1 तिथि 16-1-81 आफ रिजस्ट्रीक तां अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अयृतसर

तारीख: 31-8-1981

मोहुर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा. 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

ृ निविधा नं. ए एस आर/81-82/173---यतः, मुक्ते, आनंद सिंह,

आंयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूह्य 25,000/-- क्पए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 30/100 भाग द्कान नं. 480/6,517/6-3 है तथा जोमजीठ मंडी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित साजार मृश्य से इंग के पृथ्यमान प्रतिफल के लिय मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर,या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत प्रश्न अवत अग्निनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अग्निनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- (1) श्री पना लाल पुत्र महाराज मल वासी आबादी बसंतर एयनयू अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री जय किश्न दास नरसिंग मूरती धतरभू आ राज कुमार सुरेश कुमार पुत्र सेठ जेठा नंद शिकारपुरा वासी मजीठ मंडी अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) में . जेठा नंद संज 2000/- महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

 और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जेन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिस म किए जा सकोंगे।

श्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो सक्त ग्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

30/100 भाग बुकान नं. 480/6,517/6-3 जो मजीठ मंडी अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 811 आफ रिजस्टिरिंगु अथारटी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रोज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसुर

तारीख: 2-9-1981

प्रुरूप् आर्ष्: दी. एन् . एस् . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक वाय्कर वाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतस्र, विनांक 2 सितम्बर 1981

निदोश नं. ए एस आर/81-82/174--यतः, मूओ, आनंब सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, सिका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं. 35/100 भाग द्कान नं. 517/6-3, 480/6-3 है तथा जो भजीठ संखी अमृतसर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वृणित ही), रजिस्ट्री-कर्ता विधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक जनवरी 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान् प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उपत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिक में कमी करने या उससे सचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों करे, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विभा के लिए;

श्रवः श्व, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की अपभारा (1) को अधीन निम्नुसिखित व्यक्तियाँ सुर्धातु ⊶

- (1) श्री जबाहर लाल पुत्र महाराल मल वासी कटड़ा आलुबाला गुली माभा सिंह अतुर अमृत्सर। (अन्तरक)
- (2) श्री जै किशन दास नरिसंग मूरती चतुरभूज राज कुमार सुरेश कुमार पुत्र संठ जेठा नंद शिकारपूरिया वासी मुजीठ मंडी अमृतसर ।

(गन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायदार हो। म. जंठा नद एंड संज 2000/- महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्र्री जानता है कि वह संपृत्ति में हित्बुद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।.

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, क भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिरिंदत में किए जा सकोगे।

स्युक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुसूची

35/100 भाग दुकान नं. 517/6-3,480/6-3 षों मजीठ मंडी अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3163/1 तिथि 18-1-81 आफ रिजस्टीर ग अथारटी अमृतसर में वर्ष हैं।

आनन्द सिंह स्थम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रिज, 3 चन्द्रपूरी, ज्यूतसर

तारीब : 2-9-1981

मोहर 🗓

प्रकप भाई । टी । एन । एस ।---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

निद्देश नं. ए एस आर/81-82/175—-यत मुक्ते, आनंद सिंह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पर से प्रधिक है

और जिसकी सं. 35/100 भाग दुकान का है तथा जो मजीठ मंडी अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्वार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के नधीन, जनवरी 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से श्रीक्षक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या.
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन वा भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिष्ठितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठितियम, या धन-कर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया] या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः, श्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षे के निम्त्रलिखन व्यक्तियों, प्रधीत :--

- (1) दी बोर्ड आफ ट्रस्ट उतरधी अरोरवस बारादरी हाल निमक संडी अमृतसर
- (अन्तरक)
 (2) श्री जय किरन दास चतुरभूज नरसिंग मूरती राज कुमार सुरोश कुमार पुत्र जोठा नद शिकारपूरीया वासी मजीठ मडी अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोइ किरायदार हाँ। में. जेठा नंद एंड सज 2000/- महीना (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टयाय म विया गया है।

अनुसूची

35/100 भाग दुकान नं . 517/6-3 , 480/6-3 जो मजीठ मडी अमृतसर मं है जैंसा कि सेल डीड नं . 3164/1 तििंथ 19-1-1981 आफ रिजस्टिरिंग अथारटी अमृतसर में हैं।

आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चन्त्रपुरी, अमृतसर

तारीब : 2-9-1981

मोहरः

प्रारूप् वार्<u>षः टी</u>ा एन<u>ः</u> एस<u>ः</u> ----

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 सिहम्बर 1981

निविश सं. ए एस आर/81-82/176--- यत., मुक्ते आनंद सिंह,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-मू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जौर जिसकी सं. भूमि का पलाट है तथा जो जी टी रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 1981

को पूर्वोक्द सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तिविक रूप से अधिव नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने को सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधील् ः—— (1) श्री हरवारी लाल महरा पुत्र मनोहर लाल धासी सरकुलर रोड मेडीकल कालेज कटड़ा आल्वाला अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) मैं. हरी सिह एड सज हाल गेट अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायदेशर हो।' (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्परित में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पूरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

भूमि का पंताट 833.1 वर्ग मी है जो सुलतानिवज सब-अरबन जी.टी. रोड अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 8659/13-1-81 आफ रिजस्टिरिंग अथारिटी अमृतसर में वर्ज है ।

> आनन्य सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीब : 2-9-1981

प्रकृष साई • ढी • एन • एव • ----

आयकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269प(1) के ब्राघोन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. आर. /81-82--177--- युतः मूऋै, सिंह,

आयकर समितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो एक लगडडा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिज-स्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी 1981

को पूर्वोवस संपत्ति के छिषत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाण प्रतिफल के लिए झन्तरित की वर्ष है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संग्रेस का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त धम्बरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त को वाका, उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस जनने में सुविधा के लिए; और/मा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय द्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविज्ञा के लिए;

क्षतः श्रव, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुतरण में, मैं, उस्त प्रश्नितयम की घारा 269-म की उपधारा (1) कें प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :---

- (1) श्रीमती अतर कौर विधवा लाल सिंह पुत्र जय सिंह वासी एकलगडा तहसील तरन तारन जिला अमृतुसर । (अन्तरक)
- (2) श्री अभरीक हरदीप सिंह धनवत सिंह सरवजीत सिंह करमीर पुत्र बलवंत सिंह पुत्र जय सिंह धासी एक लगड़ा तहसील तरनतारन जिला अमृतसर। (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपक्ति में हितबद्रभ हैं)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्शेश्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनान्ति करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धन्निध, जो भी भन्निध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेका क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (क) इस सूचनां के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 4.5 दिन के धीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपद्धीवादण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त झिसियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

न्युत्यो

कृषि भूषि 434 कनाल 7 मरले हैं जो गांव एक लगडा तहसील तरन तारन में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 1706/29-1-81 आफ ,रिजस्टिशिंग अथारिटी तरन तारन में दर्ज हैं।

आनन्द सिंह् सक्षम स्थिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपूरी समृतसर

तारीष : 2-9-1981

मोहुदु 🛭

प्ररूप नाइ. टी. एन्. एड. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिष्ण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

िनुदोषुसं. ए एस आर√81-82/178~-यतः मुक्ते, आनंद लेंड

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. बुकान है तथा जो कि कूपर रोड पास भंडारी पुस अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या- लख् अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; औड/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थीत् हिन्न

- (1) मैं. मेहरा . चल्ला लकी स्कीम प्राइवेट लिमिटेड ब्वारा राकश खना मैनेजिंग डाइर क्टर 24 कपूर रोड अमृतस्र ।
 - (अन्तरक)
- (2) मैं. पून्म बिल्डरज् डानी का बाग अमृतस<u>ुर</u> । (अन्त्रिती)
- (3) जैसा कि उपर स. 2 में और कोई कि रायदार हो।

 1. का राम पानवाला 30/- महीना (2) वी. एम.,
 कुलकरनी 50/- महीना 3. हलवाई 73/- महीना
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिन्के बार्ट में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी त्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिने के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित- व्यक्ति किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय, 20-क में परिभाषित इं, वहां मुर्थ होगा जो उस मुध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

े 2 दुकान नं . 145-146/।।।-2 जो कपूर रोड पास भंडारी पुल अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं . 3140/1 तिथि 16-1-1981 आफ रजिस्टरिंग अधारिटी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीव : 2-9-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिएण) अर्जन रेज, अमृतसुर

अमृतसर, दिसंबर 2 सितम्बर 1981

निद^फश नं ए एस आर /81-82/179---यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. दुकान है तथा जो कपूर रोड पास भंडारी पूल अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिष्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी 1981 •

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह शिश्शास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त खन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीत कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए द्या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रम्-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के खधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—— —256GI/81 मैं महोरा खाना लकी स्क्रीम आइवेट लिमिटेंड 24 करूपर रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैं पूनम बिल्डर्ज रानी का बाग अमृतसर । (अन्तरित)

 जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

1 ुका राम पानवाला 30 /- महीना

2. वी. एम. क्लकरनी 50/- महीना

4. हलवर्ष 73/3 महीना

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीक्षण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय ; 20-क में परिभाषित है वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

दो दुकानां नं. 147-148 (91 मीटर) जो कूपर रोड अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3428/1 तिथि 12-2-81 रिजस्टिरिंग अथारिटी अमृतसर में हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) .अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 2-9-81

प्ररूप बाइ. टी. एत. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर खायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निविध नं. ए. एस. आर. /81-82/180--यतः मुक्ते,

आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है सथा जो ग्रीन एवन्य, और जिसकी सं. प्लाट नं. 324 है सथा जो ग्रीन एवन्य,

अगर जिसकी स. प्लाट न. 324 हैं तथा जा ग्रान एवन्यू अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाअव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के वधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आरे अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः—— 1. चौपरमेन इंप्रवमेट द्रस्ट अमृतसर ।

(अन्तरक),

- 2. श्री विनोध कुमार गुलाटी परमोध कुमार गुलाटी पुत्र रूप चन्त्र वासी 324 ग्रीन एवन्य अमृतसर। (अन्तरिति)
- जैसा कि उर्गर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो।
 (वह व्यक्तिं, जिसके निधभोग में सम्परित हैं)
- 4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध हैं),

को मह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ,:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अपिश्र था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तृ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्भीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं 324 जिसका रक्तवा 481.56 स.म. ही जो ग्रीन एवन्यू अमृतसर में ही जैसा कि सेल डीड नं 3199/1 तिथी 21-1-81 आफ रिजस्टिरिंग अथारिटी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी, असृतसर

तारीब : 3-9-81

प्रकप् **नाइ** ुदी, प्नु, प्स.----

कायकर अधिनियुन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक भागकर भाग्कत (निरीक्षण)

अर्जन राज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 2 सितम्बर 81

नियोग नं. ए. एस. आर./81-82/1/81---यत. मुभ्ते, नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काष्ट्रम है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मरूप 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि का प्लाट है तथा जो करिश्ना सक्येय बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1981 को पूर्वों कत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संप्रीत का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियाें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-भिक रूप से का भित्त नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अपनी करने या उससे बुखने में सूबिधा के लिये; और्या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री रिजियर कमुर, मयन गोपाल पुत्र आगया राम, अशोक कुमार नाबालग पुत्र आगया राम द्वारा गार-डीयन सतयावती टिबा बाजार बटाला । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती निरमल भाटिया पत्नी बिंबर कामार वासी किला भागीयां गली ठाकार्य्वारा अमृतसर । (अन्तरिति)
 - जैसा कि उत्पर मं. 2 में और कोई किरायेवार हो।.
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - अग्रैर कोई ।

 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्यव्धृहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

.... उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धु में कोई भी आक्षेप् ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामिल से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पासु लिखित में निकए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

एक प्लाट भूमि का नं. 345 मिन 166 वर्ग मीदा, हैं जो करिदना सक्तेयर बटाला रोड अम्मृतसर में ही जैसा के सेल डीड नं. 3147/1 तिथी 16-1-81 आफ रिजस्ट्रिरंगु अभारटी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्द्रज-3, चृत्युप्री अमृतसर

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्पक्तियों अर्थात्:---

तरकीब ७ 2-9-81 मोहार : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के भिवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 81

निद्येष नं ए. एस. आर./81-82/182--यतः मुक्ते, आनंद सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. 8 कानाल भूमि है तथा जो दीनानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी 1981

फो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्तह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तर्कों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से तुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्यं भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

 चीफ आरपीट केट (मोओ नाइजेरिया) अब ओचरसीस लीव (ओरीजनली) बासी महला बानीयां दीनानगर सहसील व जिला गुरदासपुर पंजाब इंडीयन द्वारा दिनेश ओहरी बकील गुरदासपुर

(अन्तरक)

2 श्री भारत इंदु पूत्र जय चंद्र आहरी वीना नगर तहसील जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

*3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि रायेषार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 आर कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इंसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उकत श्रधिनियम के झैठ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

8 कनाल भूमि जो धीना नगर में है जैसा कि सेल नं ज़ 6559 तिथी 2-1-81 आफ रिजस्टरिंग अथारटी गृरदास्पृर में वर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-3, चन्द्रप्री अमृतसर

तारील : 27*-*8-81

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 81

निविध नं. ए. एस. आर./81-82/183---यतः मुक्ते, आनंव सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन 'सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं. 18 कानाल भूमि है तथा जो दीना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय ग्रदासपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 81

करें पूर्वीक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से, एसे स्वयमान प्रतिफाल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सि्खित में बास्तियक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीग कर चीने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर किशीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धम-कर किशीनयम, या धम-कर किशीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्तिभा के लिए;

कतः कव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के मुभीन निम्नसिक्त स्वीचतवों चर्चात्र-- श्री मदन मोहन शर्मा पोस्ट आफस बोक्स नं 379 स्रोकतर चीफ आरचीट केट (मतओ) (नाइजीरिया) अब आवेरसीस लीव आरी जनली) वासी महुला बानिया दीना नगर तहसील जिला गुरवासप्र पंजाब इडिया द्वारा दिनेश ओहरी वकील गुरवासप्र ।

(अन्तरक)

 श्री भारत इंद्रपूत्र चय चंद ओहरी वासी दीना नगर तहसील जिला अमृतसर।

(अन्ति रती)

*3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितवब्ध है)

को यह स्वाना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी: बाक्षेड:--

- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब.से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त क्षन्यों और पर्यों का, को उक्त अभिनियम, के मध्याय 20-क में प्रिमाणित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनुसूची

भूमि 18 कनाल जो दीना नगर में है जैसा कि सेल डीड नं. 6671/7-1-81 आफ रिजस्टिरिंग अथारटी ग्रवासप्र ।

आनंव सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-3, चन्द्रपूरी अमृतसर

तारील : 27-8-81

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एन । एस .----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदर्शि सं. ए.एस.आर./81-82/184---यतः मुक्ते, अनन्य सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. 5 कनाल भूमि है तथा जो दीना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुव किसी नाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अधः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- 1.श्री मदन मोहन सर्मा पोस्ट आफीस बांक्स नं 379 सांकातर जीफ आरती टंकट (मआ) (नाइजीरिया) अब ओवरसीस लीत आरी जनली) वासी महला बानीयां दीना नगर तहसील जिला गुरदासपुर, पंजाब, इंडिया द्वारा विनेश आहरी वकील गुरदासपुर।
- 2. श्री बुआ दास पूत्र अगत राम वासी दीना नगर तहसील जिला अमृतसर ।

(अन्तरिती) 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

अरिकार्ड।

 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह भूचना भारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवरें का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाविद, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा स्था है।

अनुसूची

भूमि 5 कनाल जो दीनानगर में हैं जैसा कि सेल डीड नं.; 6,957/20-1-1981 आफ रिजस्टिरिंग अथारटी गुरवासपुर में वर्ष हैं।

आनन्द सिंह सुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, अंद्रपूरी अमृत्सुद्र

ता्री**स** : 27-8-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर 1981

िनदर्भेश सं. ए.एस.आर∕81-82∕185---यतः मुर्के, अगनन्द सिंह,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत निधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-स में नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने मा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् नाजार मूल्य 25,000/रा. से नधिक है

आरं जिसकी सं. भूमि का फ्लाट है तथा जो कवीनज रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारील जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपर्दित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्दित का उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कस, निम्नलिसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विस्त में बास्तिवक कर है कीयत नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की वायत, उपत कांभिनियम, के बभीन कर दोने के ज़नारक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

कवः वयः, उकतः अधिनियमं की धारा 269-च के जन्तरच बो, बी, उकत अधिनियमं की चारा 269-च की उपचारां (1) को अधीनः, निकासिकित व्यक्तियों, अधीतः——

- श्री अशोक क्मार पुत्र जानकी दास वासी 102 वरडाल राड बम्बई द्वारा श्रीमती राज क्मारी अटारनी । (अन्तरक)
- श्री दीवान चंद प्त्र म्लला राज वासी 13 कूपर रांड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तस्ति है के 45 दिन की अवधि मा तस्तम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक क्ष्म किसी जन्य व्यक्ति ह्वारा जभोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकों गे।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

एक प्लाट ससरा नं. 238 जो कवीनज रोड अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3017/1 तिथि 1-1-1981 आफ रिज-स्ट्रिंग अथारटी अमृतसर में दर्ज हैं।

जानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरौंक्क) अर्जन रोज-3, चंद्रप्री अमृतसर

तारीच ? 3-9-1981 मोहर : प्ररूप बाइ. टी. एन. एस '-----

त्रामुकर अधिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरुकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, 2 सितम्बर 1981

निदर्शिसं ए.एस आर./81-82/186---यसः म्भे, आनन्दसिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान कटरा मोहर सिंह, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब जाया प्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिल्ल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-वियम की बधीन कड़ दोने के अन्तरक के वादित्य में कमी कड़ने या उससे ब्युने में सुद्धिभा के लिए; कौड़/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्व जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-त के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन निम्नुलिखित अपित्यों, अधीत :—

- 1. श्री विजे क्मार जैन प्त्र भगवान दास जेन हासी द्काल नं. 231-बी सदर बाजार जवाहर मारकीट दिल्ली अब बाजार महनगुरू अमृतसर द्वारा हम राज मुखा-तार सास ।
- (अन्तरक)
 2. श्री ओम प्रकाश अशब्दी क्मार जॉगिदर पाल धंद मोहन पुत्र हम राज क्चा और बाजार प्रतापृ अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई । (वह क्यक्ति, जिनुके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवबूध है)

को यह तुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं .l.

जनत सम्परित के अर्थन, के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वविकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्वा हैं।

भनुस्ची

एक दुकान नं. 1827/4 एंड 1627/4 प्राना और नं.न 778 रकवा 66 वर्ग मी. जो कटडा मोहर सिंह अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3207/1 तिथि 21-1-1981 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाग्रक आयक्कर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रोज-3, चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 2-9∗1981

मोहर 🕾

प्ररूप बाइ टी.एन.एस. ------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर अमृतसर, 2 सितम्बर 1981

िनिकें क्षे सं. ए.एस.आर. ∕81-82√187----वर्तः म्ओर आनन्द सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी मं. कृमि भूमि है तथा जो अपला में स्थित है (और इससे उपायव्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस-ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय फरवरी,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य के कम के क्यमान प्रिक्षक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से, एसे क्रयमान प्रतिकत का पदल प्रनिश्चत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत कर कि निम्नितिसित ह्य्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत' अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--8*-256GI/81

- श्री हरदीप सिंह पृत्र बलवंत सिंह उर्फ बंता सिंह पृत्र हरनाम सिंह जोलपूर खोरा तहसील बरखा बकाला । (अन्तरक)
- 2. श्री सुखदेव सिंह सरवजीत सिंह पुत्र नोरंग सिंह पुत्र भगल सिंह गांव गगरेवाल सब तहसील खड़र साहब जिला अमृतसार।

(अन्तिरती)

 जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है किं वह सम्पति में हितवद्रध हैं)

को वह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तसमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यिक्तसमें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ
 किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिवित में किए जा सकेंगे।

स्वयनिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि 90 कनाल 2 मरला उपला गांव तहसील तरन तारन में जैसी कि सेल डीड नं. 1787/9-2-1981 रिजस्ट्री अधिकारी तरन तारन में दर्ज है ।

आनन्द सिंह सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-3, भंद्रप्री अमृत्सर

तारीस : 2-9-1981

मोहर 🛭

प्रकप शाई० टी० एन०, एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बंबर्ड

बंबर्ड, दिनांक 21 अगस्त 1981

निव²⁶श सं. ए.आर.-।।।/1964/6/81-82-(ए.पी.-376)---अतः मुक्ते, सुभाकर वर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मञ्जन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ हपये से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 25 एस. नं. 112/4 (अंश) 103बी (अंश) है तथा जो हिन्यालि व्हिलंज में स्थित हैं .(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1981 विक्षेस सं. एस. -2799/79

को मूर्वोक्त मम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नहरू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः; भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, भ्रणींत :---

- श्री प्रसापिसह शूरजी बल्लुभ दास और अन्य ।
 (अन्सरक)
- श्री रणछोडदास करसनवास रंगवाला, प्रकाश रणछोड-वास आशुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की स्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हवब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त घधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन सहवाय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस. 2799/79 वंबई उप्-रिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-2-1981 को रिजस्टड किया गया है।

> स्थाकर ब्र्सी स्क्षम् प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बंब्ही

तारीख: 21-8-81

मोहरु 🛭

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस•----

आयकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारां 269:व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज्-3, बंबई

बंबुई, दिनांक 21 अगस्त 1981

निद्धि सं. ए. आर.-।।//1945/1/81-82/ए.पी. 375/81-82—अतः, मुफ्ते, सुधाकर वर्मा, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकों सं प्लाट नं 33 सी टि एस नं 366 (अंश) है तथा जो सायन ट्रोम्बे रोड चेंबुर में स्थित है और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1981 विलोख सं एस 274/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृष्यत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधितियम के ग्रंत्रीन कर देने के ग्रश्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भ्रविधा के लिए;

श्रत अब; उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- दि स्वास्तिक टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2. श्रीमित निलनी के. वेलणकर, वस्धरा आनन्द, आनन्द साठ जात्सना अरुण गृप्ते।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. एस. 274/79 बंबई उप-रिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सुक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र जु-3, बंबुई

ता<u>रीख । 21-8-81</u> माहरू ।

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घु (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 1981

निद^{*}श सं. ए.आर.।। /3126-13/जन-81---अतः म्फे, सन्तोश दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह सम्पर्ति, जिसका उद्वित बाजार मृल्य

25,000/- रा. से अधिक है³

और जिसकी सं. 70, प्लाट नं. 99 जे. वि. पीं. डीं.स्कीम हैं तथा जो जुहू, विले पारले में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-81 विलेख नं. 1056/72

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकृत, निम्मतिचित स्टूड्डेब से उक्त अन्तरण निचित में कह्तकिक रूप से कन्तरण के लिए त्य पाया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिखा; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्याभिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भूभीन निम्नीलुखित व्यक्तियों, अ्भित्ः—

1. श्री बाल्कृष्णा नृटवरलाल शाह ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लाजवन्ती भगवन्तराई चिन्दल ।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलख नं. 1056/72 बंबई जोइन्ट उप-रिजस्ट्रार 4, बान्द्रा अधिकारी द्वारा दिनांक 7-1-1981 का रिजस्टर्ड किया गृया है।

> संतोष दत्ता सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन् रुजु-2, बंबई

तारीख 1-9-1981 मोहर 🛭 प्रकथ आईं शे धन । एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन् राज्-2, वंबर्ध

बंबई, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निद्येष स ए.आर. /3140-27/जन 81---अतः म्फे, सन्तोश दत्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उकन अधिनिय', कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन नक्षम प्राधिकारों को, नह विश्वास करने का कारण है जि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी स. प 12, स. 20. है तथा जो परानजफे सिकिस ए. दिले पारल ईस्ट में स्थित है (और इसस उपाब्र्थ अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बवर्ड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तार है 29-1-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अवापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिशत से बिधक है और ग्रम्तरिक (श्रन्तरकां) और श्रन्तरिती (ग्रन्तरितीं) के बीच ऐसे अंतरण के निष्त्रय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्थरण निष्ति में वास्तिक रूप से कियत नहीं क्या का स्वार्थ है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी िस जान या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः—

- 1. वी. संफ कोआपरोटिव बैक लिमिटोड ।
 - (अन्तरक) उसिंग सोसाइटी
- श्री चंदनबाला क्विटर क्रोआपर्टिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड ।

(अन्सरितौ)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्तियां वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा भक्तेंगे।

स्पन्दीकरण: ---इसर्गे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्सूची जैसा कि विलेख नं. एस. 2244/79 बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> संसोश वत्सा सुक्षम् प्रार्गिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) सुर्वन् ऱेजु-२, बंबर्ष

तारीब : 4-9-1981

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज-3, बंबई बस्बई, दिनांक 5-सितम्बर 1981

तिद[े]श सं. ए. आर.-।।/1947/1/81-82---अतः मुक्ते, सुधाकर वर्मा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

अर्गर जिसकी सं. एस. नं. 100 दि. नं. 2 सी टि. एस. नं.174 है तथा जो चकाला अंधेरी पूर्व में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1-1981 विलेख सं. एस. 2163/80

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मूर्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कर से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिख्त व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1 ় श्री होमंत इन्द्रालाल महता, बाबुभाई काशीबाई पटोल। (अन्तर्क)
- 2. श्री एल. आय. सी. एम्प्लाइज सुमाधान केओ. हा. सो. लिमिटडेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वों क्तु सम्पृतित के अर्जन को हैं ज्यू कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए या सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस. 2163/80 बंबर्ड उप-ऱिषस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनाक 1-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> सुभाकर वर्मा सक्षम प्राप्टिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरक्षिण) अर्जन रज-3, बंबई

तारीलु ः 5-9-1981 मोहर ॥ प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

माय्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रेज, प्ना-411004

पुना-411004, विनांक 17 अगस्त 1981

निदर्भेश सं. सी. ए. 5/एस. आर./कल्याण/फेब.-81/ 526/81-82--यतः मुभ्ने शशिकान्त कुलकाणीः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण

है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या 270 ए. मकान नं 6, 7 व (8) (भाग) है तथा जो ठाकरली, कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व य्यम निबंधक कल्याण में , रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी,

का प्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के खप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे, उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की गबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्रा) एसी किसी आयु या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गुको अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ११---

- (1) 1. श्री तुकाराम बापू पाटील
 - 2. भगवान त्काराम पाटील
 - 3. मिसोस बारको भगवान पाटील
 - गुलाब भगवान पाटील
 - संगिता भगवान पाटील
 - गुणेश भगवान पाटील

- 7. अभिमन्य तुकाराम पाटील
- 8. मिसेस उपा अभिमन्य पाटील
- 9. दिपाली अभिमन्य पाटील
- 10 बेबी अभिमन्य पाटील
- 11. हनुमान तुकाराम पाटील
- 12. बालकृष्ण तुकाराम पाटील

सभी निवासी महात्मा फाले रोड, नवपाडा, विष्णु नगर डोबि-वलीजि. ठाणे

(अन्तरक)

(2) मेसर्स गांधी एंड अमरसे

10, ग्रेहम हौस, बेलार्ड एस्टोट, बम्बई-400038।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि का क्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्याग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास जिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अगुसुची

बुली जमीन जो स. न. 270 ए, हिस्सानं. 6 (पीटी), 7 (पीटी), 8 (पीटी), ठाक रली ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित। हैं। जिसका क्षेत्र 1649.5 स्के. यार्डास् अर्थात 1379.21 स्के.मी.हैं।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख के 1124 जो फरवरी 81 को दाव्याम निबन्धक कल्याण, जि. ठाणे के दफ्तर में लिखा है ।)

> र्गांशकांत कुलकणीं, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुना

तारीख: 17-8-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. सीए 5/एम. आर. हवेली-11/जनवरी 81/ 527/81-82 .---यतः मुभौ, शशिकांत क्लकणी, भायकर धिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'सकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपए से अविक है श्रीर जिसकी सo

नं. 521, सि. सानं. 680 टीपी. स्कीम, सं. 3 फ. प्लाट

सं. 322/8 ही तथा जो गुज पेठ, पूर्ण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय दुय्यम निबंधक हवेली-।। मे , रजिस्ट्रोकरण अधि-नियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाखार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रक्रिक्त के सिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास . करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्या प्रतिशत से श्रधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) प्रौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में मुभ्धा के लिए, **धौर**/या
- (क्र) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, वा धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थाटः --

(1) मिसेस उपादेयी जी. खोत 992/993/29 बी. राजेन्द्रनगर पूर्ण 30 ।

(अन्सरक)

- (2) 1. मिसोस पर्यान लालजीभाव पटोल
 - 2. शिसेस धांनाबेन रावली ण्टान
 - 3. मिसोस बान्बेन रिल्जीआई पटेल
 - 4. दामोदर लालजीभाई पटेल 322/8, शंकर रोड, पृषी-2 ।

(अन्तरिती)

को यह मूजना जारी गरण पूर्तरा सम्पा ह प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राखेप :---

- (क) इस मुचना के राज्यत है त्रफाणा की ता**रीख से** 45 बिन की भ्रायधि या तहमा अभी व्यक्तिणी पर गुजना की नामीन से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध होती हो, र शीतर प्रविका व्यक्तियों म में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड किसी अन्य व्यक्ति दारा मधोत्रस्ताक्षरी के पास विखिन में एए जा यहेंगे।

स्पष्टीकरण:---इममें प्रयुक्त कारों भीर पदों हा, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

इमारत जो सं. नं. 521, सि.स.नं. 680, टि.पी. स्कीम नं, 3, फायनल प्लाट नं. 322/8, गंज पेठ (घोरपुडी) पूर्ण में स्थित है। जिसका क्षेत्र 5763 स्के. फाट है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख के 329 जो 20-1-1981 दुय्यम निबंधक हवेती-।। के दफ्तर मे लिला है।)

> शशिकांत कलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पना

तारीख: 17-8-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

क्राथकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय , सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

> 60/61 एरंडवाना, कर्वे रोड, अर्जन रॉज, पूना-411004

पुना-411004, विनांक 22 अगस्त 1981

निवांश सं. सी.ए.5/एस.आर.बंबई/जनवरी-81/82---यतः मुक्ते, शशिकान्त कृलकणीं,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी संख्या नं 102-बी है तथा जो मृबरा, ता कल्याण जि . ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वयम निषंधक बंबई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रिसे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है धौर अन्तरिक (अन्तरिकों) धौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेश्य से उक्त शन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है :—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और./या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियारे में सुविधा के लिए;

बतः व्यव, • उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— 9—256GI/81

- श्री रुस्तम अरदोशीर गग्नट 'बौर अन्य पर्ना फ्रांमरोक्ष डायवर, सी.ए. क्यारा 9, पलसर बिल्डिंग, 731, पारसी कालनी, वादर, बंबई-14।
- (अन्तरक)
 2. मेक इंजिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लि. 'सत्यम'
 एम. जी. रोड, नवपाडा, ठाणें।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वहु किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीध-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं नं 102-बी, मुबरागंत्र, कल्याण, जि. ठाणे में स्थित हैं। जिसका क्षेत्र 48764 7.7 स्क्लें, मीटर है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख के. आर-5496 ओ 31-1-81 को व्ययम निबंधक, बंबई के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त क्षकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रज, पूना

तारीब ः 22-8-1981

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवाना, कवें रोड,
अर्जन रंज, प्ना-411004

पुना-411004, दिनांक 29 अगस्त 1981

निवर्षा सं. सी.ए.5/एस.आर.नासिक/मार्च 81/528/

यतः मुभ्रे, शशिकान्त कुलकणीं,

आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या नं 608-के 3, सि.स.नं 608-बी/2, है तथा जो धनकल गल्ली, टिलक पथ, नासिक में स्थित है (आर इससे उपाडव्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुय्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मार्च, 1981

करे पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफ क के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाथित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्न्तिखतु व्यक्तियों, सुधित् ध--- 1. (1) श्री सौ. रत्नप्रभा पी. वैशांपयन,

(2) श्री प्रकाश पी. वैशंपायन 'दिपज्योती' गंगापूर रोड, नासिक ।

(अम्स<u>र</u>क)

2 श्री पारव पांतिलाल पटेल, 'शितल' इमारत, अंक्टो इंडस्ट्रियल रोड, नजदीक गिरीराज् सोसायटी, नासिक रोड ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत प्रविसयों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिलित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ब्न्स्**ची**

खुली जिमन और इमारत जो सं. नं. 608-को/3, सि.स.: नं. 608-बी/2, धनकल गल्ली, दिलक पथ में स्थित है। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 739 जो 5-3-1981 को दुम्यम निबंधक, नासिक, के दफ्तुर में सिखा है।)

> शशिकान्त कृलकणौं सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज, पूना

तारीब : 29-8-1981

मोहर 🖺

प्रकृप आर्च . टी . एन . एस . -----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवाना अर्जन रेज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 29 अगस्त 1981

मिद्देश सं. सी.ए.5/एस.आर.मिरअ-। फेब्.81/525/ 81-82---यतः मुक्ते, शशिकान्त कृलकणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं. नं. 807, एवं. नं. 1/1 से 3/2, 8 से 17, 19 से 20 प्लाट.नं. 4 है तथा जो ता. मिरज, जि., सांगली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1981

को पूर्वों द्वत संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- पक्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त, असी का की का की का कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूर्िवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए।

जतः अव, उनत अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में में, उनत अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अभित्ः-- (1) श्री अण्णागौडा रामगौडा पाटील
 (2) सौ सुशिला अण्णागौडा पाटोल
 श्री बाबुराव शिवाप्पा हवालवार, कागृवाड, ता.,
 अथानी, जि. बेलगुमु।

(अन्सरक)

2. (1) श्री सौ. सुनीता धरमचंद शहा,

(2) मास्टर उमेश डी. शहा

(3) मास्टर सुषित की. शहा द्वारा धरमचंद भिक्रभाई शहा पेठ बाग, सि. स. नं. 1393 बी-1, सांगली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृतित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अयिक्सयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा आधिकत्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् नृष्याम में दिया गुमा हैं।

अनुसुची

खुली जमीन जो सं नं 807, हिस्सा नं 1/1 से 3/2, 8 से 17, 19 से 20 प्लाट नं 4, मिरज म्यूनिसिपज एरिया, ता. मिरज, जि. सांगली में स्थित 5।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख के 1608 जो 8-2-1981 को बुज्यम निबंधक मिरज-। के बप्तर से लिखा है।)

> श्रुषिकान्त कर्लकणी सक्षम प्रापिकारी सहायक आयुक्ट आयुक्त (निरक्षिण) सूर्वन रूप, पूना

तारीख ः 29-8-1981 मोहरु ध प्रक्प बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 29 अगस्त 1981

निद^{र्}श सं. राज/सहा.आ.अर्जन[/]1046---यतः मूक्ते, एम. एल. **बौहा**न,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य

25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट हैं तथा जो भीलवाड़ा में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भीलवाड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-81 का पूर्वाकत संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ने, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री दीपक चौधरी पुत्र श्री भोषाल सिंह चौधरी, भीलवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र क्रूमार जैन पृत्र श्री चिरंजी लाल जैन, विधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में- विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जो काशी पुरी, भीलवाड़ा में स्थित ही और उप पंजियक, भीलवाड़ा द्वारा कम संख्या 244 दिनांक 16-2-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विव्रणित ही।

> एम . एल . चीहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज , जयपुर

बतः बदा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन निम्नुनिवित व्यक्तित्यों, अभित् हम्म

तारीब : 29-8-1981

भाग III—खण्ड 1]

प्ररूप आर्घ.टी.एन्.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रोज, अयपूर जयपुर, दिनांक 29 अगस्त 1981

आदेश सं. राज . ∕सहा. आ . अर्जन--यतः मृभ्ते, एस . एल्.

चीहान,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं चार दुकाने हैं, तथा जो अलवर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक . 15-1-1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशह रो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त जिन्ति निक्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अमृसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिसित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री किरण चन्द सुपूत्र श्री देखित राम औन, निवासी भलवर।

'(अन्तरक)

(2) मैसर्स लोकोपकारक फार्मास्टीकल वर्क्स, अलबर। '(अन्स्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारींख़ से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण '--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त झि-नियम के झड़याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अक्याय में विया गया है।

अनुस्ची

4 बुकानों प्रथम एवं दूसरी मंजिल सहित, सर्राफा बाजार, अलवर जो उप पंजीयंक, अलवर द्वारा क्रम संख्या 24 दिनांक 15-1-81 पर पंजिब्द्ध विकय पृत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एस. एलं. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयुप्र

तारीब : 29-8-1981

मोहरः

प्ररूप मार्द. टी. एन्. एस. -----

जायकर गुपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ज्यपुर

अयुपर, विनाक 29 अगस्त 1981

आदोष सं. राज. /सहा. आ. अर्जन/1045—यतः मृभ्के, एम. एल. चीहानं,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) तिषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास-करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं बी-209 है, तथा जो जयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निल्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ट्रिक्ति में बास्तिवक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण्य से हुन्दै किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उक्से वक्से में सुविधा के किये; और/वा
- (क) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के हैं सुर्ह

अतः अब, उक्त किथिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण, व, म, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिकित व्यक्तियों अभितिक्र—

(1) श्री लाजपत राय धर्मा सुपुत्र गोरधन दास, निवासी बी-209, बापू नगर, जयपुर।

(मन्दरक)

(1) श्री का हरी सिंह सुप्त चन्द्र सिंह एवं श्रीमती मोहिनी देवी परिन मंगल चन्द, निकासी 209 ए, बापू नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांध्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सकारधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि , जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 4'5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं,। नहीं अर्थ होंगा जो उस कच्चाय में दिया गया है।।

अनुसूची

प्लाट नं 209 ए, बापू नगर, जयपूर पर स्थित सम्पत्ति जो उप पंजियक, जयपूर द्वारा कम संख्या 244, विमांक 20-1-81 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एस. एल्. चौहान सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जयपुर

- तारी**व** : 29-8-1981

प्रकप बार्च. टी. एन. एस.-----

व्यवंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज, बोंक्स्सोप · बोंगलोर, दिनांक 22 अप्रील 1981

निदं सं सं . 332/81-82--यतः मुक्ते, आर. थोथावि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. डोर नं. 202 (1) (नया) है, जो फूल बाजार, बल्लारि में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता विधकारी के कार्यालय बल्लारि, अंडर डाक् मेंट नं. 4508 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के खिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का तरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल के पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित खहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिमिनयम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या खण्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय ग्राय-कर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिन्नियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चीडिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः, सम, कमत समितियम की बारा 269-ग के समुखरण में मैं, उसत अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) समीन निकासिखित व्यक्तियों समित :--

- (1) (1) भी एच. के. कातपा का पूत्र श्री एच. के. वांड्डएक्पा, (2) श्री एच. के. सप्परुद्रपा का परिन एच. के. कमलम्मा, (3) श्री एच. के शांतप्पा का पूत्र श्री एच. के. जगन्नाथपा, (4) श्री एच. के. प्रसाद, (5) श्री एच. के. त्राणी, (6) एम. के. शारदम्मा (7) एच. के. शीतपा की परिन इरम्मा, (8) श्री एच. के. शांतपा का पूत्र राजपा, हिरहाल, तालुक रायदर्ग, डिस्ट्रीक्ट अनंतप्र।
- (अन्तरक) (2) श्री महबूब साथू उभके पृत्र (1) श्री एन. मोहम्मद इक्बाल, (1) श्री एन. खाजा निजामबदीन, (3) श्री एन. नजीर अहमद, (4) श्री एन. महम्मद अलि; आकृति मर्चेट, फूल बाजार, बल्लारि।

को यह तृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**बो**प !~~

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की अविवास तातसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी सं के 30 दिन की अविवास को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीनत व्यक्तियों में से विश्वती व्यक्ति हारा; या
- (का) इस पूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विश्ववद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास विक्षित में किए जा सकेंगे।

रपध्तीकरणः —इसमें प्रयुक्त संख्यों और पर्यों का, को उक्त श्रक्षित्रयम के अध्याय 20 क में यदापरिणाणित हैं, बड़ी अर्थ क्षोगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सू नी

फूल बाजार, बल्लारि में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहीत, भागक दो मजल का इमारत) जिस्का डोर नंबर है 202 (1) (न्या)।

> आर. थोथाफ़्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, बेगलोर

तारीय : 22-4-1981

सहिद्धः

प्रकृप बाई • टी • एन • एस • ----

आयकार अधिनियम; 1961 (1961 का 43) धारा की 269 व (1) के धारीन पूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/29721/80-81 अर्जन बी. — यतः मुक्ते, डा. वी. एन. लिलतक्ष्मार राव, आग्रवर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृश्व 25,000/- रू॰ से अधिक है

और जिसकी नया सं. 117/1 (प्रानी सं. 8 और बाद में 10) है तथा जो कब्बन पेट मेन राड़, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 17-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के छिन्त बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, इसके पृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकल का पखह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पासा गया प्रतिकल, से निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्राप्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्स प्राप्तियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायिख में कमी करने या उग्नसे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य ग्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रम-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जता जब उनत अधिनियम की बारा 269-न के अनुसरन में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-न की उपचारा (1) के मजीब निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम गोविन्य राव (2) श्रीमती शांति आईं
(3) कुमारी होमलता (4) मास्टर दिनेश
(5) मास्टर धरनेथ
सं 3 सं 5 तक माइनर्स है और इनके प्रतिनिधि
है श्रीमती शांती आई, सब रहते है सं 83/1 ए
में मारुती कृपा, 15 क्रास स्विमीगपूल एकस्टनेशन
मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3।

(अन्तरक)
2. श्रीमती संवित्री वार्ड अस्तियास संतरी बार्ड सं.
101, पिल्ल्पा लेन, जे. एम. रोड कास बेंगलूर-53।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जी भी
 घवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवझ किसी भ्रम्य व्यक्ति हारा, भ्रश्लोइस्ताकारी के पास लिखित में किए बासकेंगे।

स्पट्टीकरण !— इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्धों का, जो उनत भिधिनयम के भ्रष्टमाय 20न में परिचापित हैं। वहीं भर्ष होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 4044/8081 ता. 17-1-81) घर संपत्ती ही जिसका नया सं. 117/1 और पूरानी सं. 8 और बाद में 10, कब्बन पेट मेन रोड में बेंगलूर चकबंदी है।

उत्तर में ---कब्बन पेट रोड दक्षिण में ---श्रीमती एन. शान्ता बार्ड की सम्पत्ति पिच्चम में ---श्री र्ड. बी. नायडु की संपत्ति पूर्व में ---22वां कास ।

> डा. वी. एन. ललितकाुमार राव सक्षम अभिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलोर

ता**रीय**ः 25-7-81

त्रक्प बार्ष: टी. एन. एस.-----

भारकर - प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, बांगलार

बोगलोर, दिनांक 31 जुलाई 1981

निद[®]श सं 352/81-82---यत मुभ्ने, डा. वी. एन. लिलकामार राव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. सवें नंबर 11 और 12 है, जो आनेकोड ग्राम, ताल्क डावणगेरे में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनु-तूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, डावणगेरे अंडर डाक्यूमेंट नंबर 5241 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक 20-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का उच्चेह प्रतिशत से यिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—-

- (म) ग्रन्तरण संदुई किसी आयं की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी झाम या किसी धन या भन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्निज़िक्ति क्यिक्तयों, सभीत् ॥--10—256GI/81

- 1 श्री एम. पी वारभद्रप्पाके पृत्र श्री एम. थी. विजय कुमार, काइपेट, डावणगरे (अन्तरक)
- 2 श्री अप्पाच मृद्दिलयार के पुत्र श्री पी. ए. गणपित मृद्दिलयार, बाब् मार्कींट, डावणगेरे। (अन्तरिती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की ध्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रास्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्कोंगे।

ह्वव्हीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदी का, जो उकत . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकार्धित है, बही अर्थ होमा, जो छस अख्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

डावणगरे तालुक, आनेकोड साथ में सर्वो नं. 11 में स्थित एक एकड कृषि जमीन और सर्वो नवर 12 में स्थित एक एकड कृषि जमीन।

> ड़ा वी एन लिलतक मार राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बेगलोर

तारीख · 31-7-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, बाँगलोर बाँगलोर, दिनांक 31 जुलाई 1981

निवर्षासं. 351/81-82---यतः, डा. वी. लितकुमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वे नंबर 11 और 12 ही, जो आनेकोंड ग्राम, तालुक डाकणगरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कारी के कार्यालय, डावणगेरे मंडर डाव्यमेंट नंबर 5290 को कार्यालय, डावणगेरो अंडर डाक्यूमोंट नंबर 5290 मेक्ष रिजर-द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विशोक 21-1-1981 को ५ वोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री एम. पी. वीरभद्रप्पा के पृत्र श्री एम. वी. विजय क्मार, काइपेट, डावणगेरे।

(अन्सरक)

 श्री अप्पां मृदिलियार के पृत्र श्री पी. ए. गणपित मृदिलियार, बाबू मार्केंट, डावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में .हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डावणगेरे तालुक आनेकोंड ग्राम में स्थित एक एकड बीस गृंटा कृषि भूमि (सर्वे नंबर 11) और सर्वे नंबर 12 में स्थित एक एकड़ बीस गृंटा कृषि जमीन ।

> डा. वी एन लिलिक्न्मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बेंगलोर

अतः अब, उक्त आधानयम का धारा 269-ग क, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थाट् :---

तारीस : 31-7-1981

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निदिंश सं. 340/81-82—यतः, मुभ्ने, डा. वी. एन. लिलतकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर. एम. नंबर 57/1 प्लाट नंबर 774 है, जो अनगोल, बेलगम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम अंडर डाक्यूमेंट नंबर 3510 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-2-1981

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरिधा के लिए;

अतः व्यवः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-ग को अनुसरण मॅं, मॅं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- श्री शिवशंकर बालेक दि की पत्नी श्रीमती बस-लिंगप्पा, 1704 रामदीव गली, बेलगम । (अन्तरक)
- (1) श्री अप्पासाहन्य पी. गोटङकी
 (2) श्रीमती विजयमाला ए. गोटडकी 486, धोरी गल्ली, बोलगम
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित किए जा सकने।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो जन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ृत, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अनगोल, बेलगाम में, गोगंटे कामर्स कालेज के पीछे स्थित 859.94 एक्टोयर मीटर खुला खगह जिसका आर. एस. नंबर है 57/1 और प्लाट नंबर है 774 ।

डा. वी. एन. ललितकुमार राव सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बोंगलोर

तारील : 3-7-1981 मोहर् प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
. अर्जन रंज, बॅगलोर
बेंगलोर, दिनांक 2 जुलाई 1981

निव⁸श सं. 341/81-82---यतः, मुक्ते, डा. वी. एत. लितक मार राव,

भागकर मिधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- राः से अधिकं है

अरि जिसकी सं. मेट्रीज नंबर 447 नया सर्वे नंबर 23/11 है, जो पींडा-पणजी रोड, पींडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पींडा, गोवा अंडर डाक्यूमेंट नंबर 55 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्ट स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरणं लिखिन में वास्तविक क्य से किया नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण खेहुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आक या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अन्तरियी दरारा प्रकट नहीं किया सका का या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री विसामा श्रीरामा सिनाइ संख्यारकर घर नंधर
 124 कडोपार, गोवा ।
- (जन्तरक) 2. श्री अंटोनियो मोनिये पाचीयो सी./ओ. श्री **जै**ताना सिल्येना गन्नेम बाडोरा, पोंडा, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूर्चना आरी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सर्वि किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उर्स अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पोंडा-पंजिम रोड में पोंडा में स्थित 7600 स्क्वेयर मीटर खुला जगह (1000 स्क्वेयर मीटर छोड़कर जहां रोड और नलला स्थित हैं) जिसका नाम हैं ''मेटाडो डो प्रिडियो टोक्सीमों' उर्फ ''गोनेका वांडा बेंटू नायक'' उर्फ ''गोनेका वांडा बेंटू नायक'' निया स्वे नंबर हैं 23 (1)

डा. वी. एन. ललितक ुमार राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलोर

⁻ तारीस : 2~7-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिश्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निद^रश सं. 342/81-82---यतः, मुक्ते, <mark>खाः वी</mark>. एनः ललितकाुमार रावः,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25;000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं सर्वे नंबर 179/9 (नया) है, जो कंडोलिम गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा अंडर डाक्यूमेंट नंबर 108 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का पे कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी भ्राय की बाबत, उबत ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य ध्रास्तियों सो, जिन्हें भारतीय आय-कर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भ्रिधनियम, या धन-कर धिंडिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- 1 (1) श्री अस्टिनो लारन्स टोम डेस नेवेस अमरल उर्फ टोम डेस नेवेस अमरल, करफलिम (2) कमारी विम्ला अमेलिया अमरल, करफलिम (3) श्री वाल्टर कर्मल बेसिल अमरल पी. ए. होल्डर श्री जस्टिनी अमरल (4) श्रीमती लिबरेटा अलेल्युया विजीनिया विक्टोरिया डिसीफा (5) श्री बनार्ड फ्रान्सीस डिसीफा, बादा, बंबई 50 (6) श्री अटी-नियो विसिटिको पिटो इ रोहीगस, कांडोलिम (7) श्री डेनीस एडवर्ड पिटो, बादा, बंबई 50 । (इन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्यवित जयदेव सांगोडकर कंडोलिम, बाडे ज, गोवा।

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कांडोलिम गोवा में स्मित इमारत (जगह सहित) जिसका सर्वे नंबर है 179/9 और जिसका नाम है ''इंपीचिम बाटा'' उर्फ ''गांगा मेटोल''

डा. वी. एन. लिलितक मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण) अर्जन रोज, बेंगलोर

तारीख : 3-7-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलोर बोंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निवर्षेश सं 343/81-82—यतः, मुभ्ते, डा. वी. एन. लितक मार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.ं से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नंबर 1 है, जो फरियो अल्टो मापुसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा, गोवा अंडर डाक्यमेंट नंबर 116 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-9-1981 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 सर्वृत्तो बिट्टो (2) श्रीमती अनीसिटा बिट्टो नेकला, बटीयार वार्ड, बार्डोज, गोवा ।

(अन्सर्क)

2. श्री शंकर उस्नों भोबे घर नंबर 5/229 अल्टों मापुसा, बाडरेंज, गोवा।

(अन्तरिती)

क्षेयह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पस्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जुमुस्ची

फरिया अल्टों मापुसा, गोवा में स्थित (नीक्ली मंजिल में स्थित) जिसका नाम है (बेल्ले क्यु) और जिसका नंबर है प्लाट नंबर 1

> डा. वी. एन. लिलतकुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बेंगलोर

तारीख: 3-7-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलोर

बेगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निद $^{\infty}$ श सं. 344/81-82—यतः, मुक्ते, डा. वी. एन. लिलतकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

25,000/ रु. स आवक ह और जिसकी सं. सी. टी. एस. नंबर 333-8/4 है, जो गोंधलीगल्ली, बेलगाम में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, बेलगाम अंडर डाक्युमें ट नंबर 3467 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-2-1981 .

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थार् ---

- 1. (1) श्री गंगाधर पी. मुचडीकर (2) श्री कृष्णा पी. मुचडीकर, मुचडीकर (3) श्री शिवाजी पी. मुचडीकर, घर नंबर 333-8/ए, गोधलीगल्ली, बलगाम। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री कृष्णमूर्ती एल. सुतारवे (2) श्री विनय-कुमार एल. सुतारने (3) श्री चन्द्रकांत एल. सुतारवे, घर नंबर 333-8/ए, गोधली, गल्ली, बेलगाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन . के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों -पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर ब्यूबॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

गों धैलीगल्ली, बेलगाम में स्थित इमारत (जगह ,सहित) जिसका सी. टी. एस. नंबर 🗣 333-8/4।

> डा. वी. एन. लिलतक मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजे, बेंगलोर

तारीख : 3-7-1981

सोद्रर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, बोंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निवर्षेश सं. 345/81-82--यतः, मृभ्ते, डाः वी. एन. लिलकमार राव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. बंगलों नं. बी. सी. 59, जी. एल. आर. नंबर 198 है, जो केंप , बेलगाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम अंडर डाक्य्मेंट नंबर 3622 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-2-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जीय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. (1) श्रीमती विमलाबाई वीरगाँडा विसाई (2) श्री लिंगाँडा वीरगाँडा देसाई (3) श्रीमती विजमा दौलतगाँडा पटिल (4) कुमारी निर्मला वीर-गंडा देसाई घर न. 225, तिलकवाडी, बेलगाम ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री किशारेर पुरुशारितम प्रधान (2) श्रीमती रेखा किशारे प्रधान (3) श्रीमती उत्त्वा छी. देसाई (4) श्री प्रभात डी. देसाई, नागभरी हिल्स, बेलगाम ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, कै अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

बेलगाम कोर्प मो स्थित जगह, इमारत, कांपाँड, आउट-हाउसस सहित जिसका बंगलों नंबर है बी. सी. 59 और जी. एल. आर. नंबर है 198 ।

> डा. वी. एन, ललितक मार राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, बेंगलोर

तारी**स** : 3-7-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बोंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्वोध सं. 346/81-82---यतः, मुक्ते, डा. वी. एन्. लिलकभार राव,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन नज़न अधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

अरि जिसकी सं. डोर नंबर 599 है, जो वार्ड नंबर 5, के. बी. बड़ावणा, दावणगेरे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनू-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दावणगेरे अंडर डाक्यूमेंट नंबर 5820 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है घोर घन्तरक (ग्रन्तरकों) घोर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक का में क्या नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रन्तरण से हुई िहमी आय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे ब बने में सुविधा क किए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धात: धाब, उनन अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---11—256GJ/81

- दिवंगत बी. एन. नारप्पा के पृत्र श्री बी. एन., हर्षा, मंडीपेट, दावणगेरे।
 (अन्तरक)
- दिवंगत बी. एन. नारप्पा के प्त्र श्री बी. एन. राजशेखर, मंडीपेट, दावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस मूचना के राजपद्धा में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, नो उन्त संधितियम, रूप्रध्याय 20-रूमे परिवाबित हैं, बही अयंत्रीमा वी उन प्रध्यान में विवासया है।

यनु सूची।

वार्ड नंब ¥ 5, के. बी. बडावणा, वावणगेरे मे स्थित इमा-रत (जगह सहित) जिसका डोर नंबर है 599/1 से 5 ।

> डा. वी. एन. ललितकामार राव स्वाय प्रार्टिपकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजि, क्षेंगलोर

तारीख : 3-7-1981

मोहर्

प्ररूप घाई० टी॰ एन॰ एस०----

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेगलोर

बेगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

ेनदर्श सं. 347/81-82---यतः, मुक्ते, डा. वी. एन. लिलतक मार राव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारभ है जि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मून्य 25,090/- ६० में ग्रिधिक है और जिसकी सं डोर नंबर 206 (पूराना) नया नंबर 251 है, जो 4 वार्ड चामराजपेट, दाबणगरे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूट्रप से वर्णित हैं) रिजन्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दाबणगरे अंडर डाक्यूमेट नंबर 5820 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-2-1981

को भूवींवत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है सौर अन्तरक (धन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐके धन्तरण के लिने नय पाया गया प्रतिफल, निम्हानिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वर्षनित्र हरों। उधि तहीं निया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृक्षिण के 'लए: और/या
 - ख) ऐसी किभी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिशाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इंक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री दिवंगत बी. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बी. एन. राजशेखर, मंडीपेट, दावणगेरे।

(अन्तरक)

2. श्री दिवंगत बी. एन. नारप्पा के प्त्र श्री बी. एत. हर्षा, मंडीपेट, दावणगेरे ।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधितियम के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

वार्ङ नं . चामराजपेट , दावणगेरे में स्थित इमारत (जगह सिहत) जिसका डोर नंबर है 206 (प्राना) नया नंबर 251 ।

डा. वी. एन. ललितक मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज, बेगलोर

तारीख : 3-7-1981

प्ररूप आई० दी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ी]ज, बेगलोर बेगलोर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निद^{क्षि} मं. 348/81-82--यत:, मुक्ते, डा. वी. एन. लिलत कामार राव.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अभिक है

नौर जिसकी सं डोर नंबर 599/1 से 5 और 1107 (भाग-नाह) ही, जो की थी. बडावणा, डावणगेरों में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही) रिज-स्ट्रिनिक्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगेरे अंडर डाक्युमेट नंबर 5819 में भारतीय रिजस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 5-2-1981

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूक्यमाल प्रतिकल के जिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विक्थास कक्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकात से निधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश से उच्त अन्तरण कि लिए तम पाम वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अन्तर्भ या उससे वभने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य बास्तियां ,कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबृ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- दिवंगत बी. एन. नारष्पा के पृत्र श्री बी. एन. म्निय्या जे. सी नगर, हुबली।
- (अन्तरक)
 2. दिवंगत बी. एन. नारप्पा के पूत्र श्री की एन.
 हर्षा, भडीपेट, दावणगेरे।
 (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्य- थाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप।---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की धविध मा तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर धूचना की तामील के 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हो?;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थाद्वर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अक्षोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित मैं किए जा नकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गाडदों ग्रीर गर्दो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रहताय 20-न में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया राया है।

अनुसूची

(1) वार्ड नंबर 5, के. बी. बडावणा, दावणगेरे में स्थित इमारत (जगह सहित) जिसका डोर नंबर है 599/1 से 5 । (2) रोगलेटेड मार्केट, दावणगेरे में स्थित गोडोन जिसका

डोर नंबर है 1107 (भागशह) ।

डा. वी एन ललितक मार राव भक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज. बेंगलोर

तारीख: 9-7-1981

मोहर

प्रकप आई० टी• एन० एस•---

क्रम्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्रामुलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, बेगलोर बेगलोर, दिनांक 9 जुलाई 1981

िनव[™]श सं. 349∕81-82—~यतः, मुक्ते, डा. वी. एन.

ललित कुमार राव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. टी. एस. नंबर 4595 है, जो वार्ड नंबर 1 श्री जयचामराज नगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगरे अंडर डाक्युमेट नंबर 5819 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (१908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-2-1981

द्वतिक सं के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थी या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

ज्यतः ज्ञबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री विवंगत बी. एन. नारणां के पुत्र श्री बी. एन. हर्षा मंडिपेट, डावणगेरे (अन्तरक)
- दिवंगत बी. एन. नारप्पा के पूत्र श्री बी. एन. मुनियणा जे. सी. नगर ह् बली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इत सूचना के राजपण मा प्रकाशन की राष्ट्रीक्ष से 45 विन् की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यब्द्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

वार्ड नंबर 1 श्री जयचामराज नगर, हुबली में स्थित इमा-रत (जगह सहीत) जिसका सी. टी. एस. नंबर है 4595

> डा. वी. एन. लिलत करमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगसोर

तारीख: 9-7-1981

प्रकप आई। टी। एन। एस०---

भायकर मित्रिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलोर बेंगलूर, दिनांक 10 अ्गस्त 81

निवर्ष सं. नं. सी. आर. 62/29449/80-81/अर्जन रंज--यतः, मुभ्ने, डा. वी. एन. लिलत क्मार राव, क्यायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- इ० से भ्रधिक है

और जिसकी सं. एम. सं. 40 है, तथा जो नेताजी रोड़ सिविल स्टोशन, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1008 का 16) के अधीन ता 12-1-1981

1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 12-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्याम करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत ने ऐपे, दृश्यमान प्रतिकत है। पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर प्रन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, प्रक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या ग्रन्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उन्त ग्रक्षिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिवित्यम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः—-

- (1) जुबंदा सादन अलियास मुम्ताज बेग्म नूर मोहमद खान के पत्नी
 - (2) हरमत सादन असियास महफाजा बेग्म नंवाब आली सान के पत्नी
 - (3) नुसरत सादन अलियास मृसतीयार बेगम राम राम आलम के पत्नी
 - (4) मजर सादन अलियास महोश होय अब्बुल वाह्य

के पत्नी

- (5) मुबीना खादन अलियास मुभरत मरव्बल्ल अह-मद के परनी
- (6) मृवारक खादन अलियास मोहसिना, दिवंगत बाबाखान के पुत्री
- (7) कनिज फातिमा अलियास नहेवा, दिवगत बाबासान के पुत्री
- (8) साहवा फातिमा
- (9) नबसम फिरदांस
- (10)के शकील अहमद
- (11) हसंबन अलियास लूल
- (12) के स्वतिल अहमद

इन सब अब रहते हैं, सं. 45/1 में मिल्लर रोड कास, बेगलूर

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री वीस्वनाथ मिट्टल
 - (2) श्री ओम प्रकाश मिट्टल
 - (3) श्री शिवकामार पोवेदार
 - (4) श्री राधेश्याम अगरवाल

सी./आ.े श्री आर. एस. अगरवाल सं. 15, ब्रून्टन रोड कास बेगलूर

(अन्तरिती)

4. *श्री मेसर्स चिट्टीयम्पा अर्इ असोसियेटम सं. 72, किननाहाम रोड, बेंगलूर

(यह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में इतिखब्ध हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाझेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा :
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जकत ग्रीधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

वम्स्ची

(दस्तावेज सं. 3664/80-81 ता. 12-1-81) सारा संपत्ती है जमीन और जिल्डोंग जिसका मुनिसीपल सं. है 40 नेताजी रोड़ सिविल स्टोशन, बेंगलूर वकवंदी है---

उत्तर में —-श्री मानिकान षट्टीयार के संपत्ती वक्षीण में —-काटोज ही जिसका सं. 1 और 2 पूर्व में —-प्रैवेट प्रापरटी पश्चीम में —-नेताजी रोड़

ेंडा. वी. एनं. लिलत कर्मार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आमंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, बंगलूर

तारीख : 10-8-81

प्रख्य आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (!) े जीत सुचना

भार दिकार

ैकार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (नि**रीक्षण**)

अर्जन रंज, बेगलूर बेगलूर, दिनांक 26 अगस्त 1981

निद[®]श सं. $353^{7}81-82$ —यत , मुक्ते, डा. वी. एन. लिलत कामार राव,

कानकर धिविभियम, 1361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें क्यां पंजा है), की धारा 269-स ने बंधीय क्यां शिविधार की वह विश्वास करने का बारण है कि स्थायर बंगील खिनणा उचित दाणार पूरुव 25,000/- इन से प्रविक है

और जिसकी स प्लाट नंबर 1 द्कान नंबर 1,2,3, चत्ला नबर 15 हैं, जो वास्को-डा गामा, गोवा में स्थित हैं (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिल्ड्योंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मार्मुगोवा अंडर डाकयुमेट नंबर 8/81 में भारतीय रिजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-1-1981

को पूर्वोन्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्स के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तर्शित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण श्रं कि मझापूर्थोन्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल्या से, श्रेसे वृश्यमान प्रतिकास का उक्स प्रश्चित से अधिक है और अन्तरण दे लिए तय पाता गया हैने प्रतिकल, निर्मालिक एने अन्तरण दे लिए तय पाता गया हैने प्रतिकल, निर्मालिक एने उचित को उच्च क्या कि लिए तेय पाता गया हैने

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के पंकीत कर देने के अन्तरक के दावित्य में कमी क्रमते का स्मोत अपने में अविचा के जिए और/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किशी धन या अन्य आस्तियों की, शिक्हें भारतीय आयकर प्राश्चित्रमम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त जीधाँनयम की धारा 269-ए के, अनुसरण मे, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

- सप्ले और असोसियटेस नंबर 7, लोटस अपार्टमेटस एफ. एल. गोम्स रोड वास्को डा. गामा, गोवा । (अन्तरकों)
- श्री जोस मारीया गेराल्डो सांचेस गीतंजिल बिल्डी ग के पास वास्को डा. गामा, गोवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की काश्रेश से 45 किन की अविध या तस्त्रम्बण्डी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर धम्पत्त में द्वितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

ह्यब्दी करण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अर्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

गोंवा, वास्को डा. गामा, में ''ह्यापि अपारटमेट'' में स्थित (चल्ता नंबर 15) प्लेट नंबर 1 और द्कान नंबर 1,2, और 3 और गोंडौन (जगहसहीत) फ्लेट पहिल मंजील पर हैं और दुकान गोंडौन प्रौंड प्लोर में हैं।

डा. वी. एन. ललित कुमार राव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रॉज, बंगलूर

तारीख : 26-8-1981

प्ररूप काई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, कोगलूर

बेंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1981

निद^{क्}श सं. सी. आर. 62/29521/80-81/एंसिक्यू/ बी—न्यतः, मुभ्ते, डा. वी. एन. ललित कुमार राव,

नावकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निधिनयम' कहा नया हैं), को भारा 269-ब के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 15 और 16 है, तथा को लावेल्ले रोड़, बंगलूर-1 में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर बेंगलूर में रिजस्ट्रोकर्रा अधिनियम, 1908 (1208 का 16) के सभीत है। 20-1-1081

(1908 का 16) के अधीन, ता. 29-1-1981 को पृषेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके खरममान प्रतिकल के, एसे खरममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री पी. जार. निर्मलानंद
 - (2) श्रीमतौ कलावती एन पोल
 - (3) श्री पी. आर. एन. घौलेश, सं. 297, अवकीतिध्थनहल्ली लेऔट, शांति नगर, बंगलौर-27।

(संतरक)

 श्री सौ. पी. पंचाक्षरौ, सं. 1042, ब्लाक 5, राजाजी नगर, बेगलेर-10 ।

(अन्तरिती)

- (1) श्री वास्दिव भूपाल सं 16, लावेंल्ले रोड
 वेगलोर-1।
 - (2) श्री के. भास्कर राव सं. 15, लविल्ले रोड, बेंगलूर-2

्रें (बंह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वता चारौ करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीब बें 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामिस से 30 दिन की अवधि, वो धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पाका करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनसची

(वस्तावेज सं. 3844/80-81 ता. 29-1-1981) संपित्त जिसकी सं. 15 और 16 है तथा जो लावेल्ले रोड़, बेगलोर-1 में स्थित है और मेजरिंग 274.00 स्केपर मीटर्स का जमीन तथा इस पर इमारत भी है। चकबन्दी है:---

उ. — में प्रायिवट संपत्ती। द— में लावेल्ले रोड़ कास। पू. — में लावेल्ले रोड़। प — में प्रायिवट संपत्ती।

> डा. वी. एन. लिलत कामार राम सक्षम व्याधकारी सहायक आयकर आयक्क (निरोधक) वर्षन रोज, बंगलोर

ता्रीख : 20-8-1981

प्रकृष आई - ती॰ एन॰ एस॰---

- आयकर धाँवनिवम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनक

लखनज्ज, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवर्षा सं. जी. आई. आर. संख्या एम.-124/अर्जन---अस: मुक्ते, अमर सिंह बिमेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'एक्त घोडिनियम' अझा नया है), की बारा 269-का के घोडीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/- व० से खोडन है

और जिसकी सं कोठों नं 148 है तथा जो सिविल लाइन बरोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण इस से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के कथीन, दिनांक 26-2-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्य) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविशा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की खपबारा (1) के अजीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्रीमती हमलता सिंह

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह व परमजीत सिंह

(अन्तरिती)

3. बिक्रेता उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

णो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्वेवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन की घविक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, को भी
 घविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रैकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी जन्म व्यक्ति हारा, मंबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पादनीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पर्वो का, जो उनसं ग्राधि-नियम के अड्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उपग्रह्माय में दिया गया है।

अमसची

आरजी तावादी 1200 वर्गगज जो कोठी नं 148 स्थित सिविल लाइन बरोली का जूज है। तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 1600 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार बरोली के कार्यालय में दिनांक 26-2-1981 को किया जा चूका है।

अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लखनउर

तारीस : 17-8-1981

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनज

लंबनक, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्दोश सं. जी. आर्इ. आर. संख्या एच.-40/अर्थन--अतः मूफो, अमर सिंह बिसोन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-सं की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य

25,000 / रह. में अधिक **है**

और जिसकी सं. कोठी नं. 148 है तथा जो सिविल लाइन्स जिनका पंजीकरण सब राजिस्ट्रार बरोती के कार्यालय में दिनांक वरोली का ज्ज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्म्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्या-लग बरोली मो रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, विनांक 26-2-1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के एश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके परयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिवक रूप से क्रीथत नहीं किया गया है: ~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--12-256GI/81

1. श्रीमती हमलता सिंह

(अन्तरक)

श्री हरिद्वार सिंह

(अन्तरितो)

बिक्रेता उपरोक्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके प्रांकित सम्पृतित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधियासत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति धुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आराजी तादादी 363.33 वर्गगज जो कोठी नं. 148 सिविल लाइन बरोली का जुज है तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 1599 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरोली के कार्यालय में दिनांक 26-2-1981 को कियाजाच्का है।

> अमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लखनज

तारील : 17-8-1981

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रांज, लखनउठ

लखनऊ, दिनांक 20 अगस्त 1981

निर्दोश सं. जी. आई. आर. संख्या जे.-54/अर्जन---अतः मुक्ते, अमर सिंह बिसेन,

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रुएए से म्रिधिक है

और जिसकी सं. 128 ए हैं तथा जो सिविल लाइन बरोली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीव ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक कर से कथित वहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रम्तरक के दापिन्त में कमी करने या उसमें तचने में मृतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बार पा किसी बन पा सन्य प्राम्तियो, की, जिन्हें भारतीर साय-कर स्विनियन, 1922 (1922 का 1!) सा उना ब्रिबिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने वे सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्तआधानयम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण श्र.म उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत '--- 1. श्री हरवंशलाल तलवार

(अंतरक)

2. श्री जितेन्द्र मलिक श्री अजय मलिक श्री विजय मोहन

(अंतरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त ग्रिवियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट संख्या 128 ए क्षेत्रफल 610 वर्गगज स्थित सिविल लाइन बरोली तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो में वर्णित है जिनका पजीकरण सब रजिस्टार बरोली के कार्यालय में दिनांक 31-8-81 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनऊ

तारीख: 20-8-1981

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, सखनज्ञ

लखनजः, दिनांक 20 अगस्त 1981

निवर्षेत्र सं. जी. आई. आर. संख्या आर.-158/अर्जन---अतः मुक्ते, अमर सिंह बिसने,

इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रह० से अधिक ही

और जिसकी सं. 35-एम. 3-बी है तथा जो रामपुरबाग बरोली मो स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोली मो रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-2-1981

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती प्रोंत्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री प्रेम नारायन टन्डन

(अन्तरक)

2. श्री राजकामार गोयल

(अन्तरिती)

 उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेपः -- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि का प्लाट नं. 35/3-बी क्षेत्रफल 596-2 वर्गगज स्थित रामप्रवाग बरोली व बहु सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 526 मे वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार बरोली के कार्यालय में दिनाक 17-2-81 को किया जा चका है।

अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लक्षनज्ञ

कत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

मोहरः तारीस 20-8-1981 प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदेश सं. जी. आई. आर. आर-159/अर्जन---अतः मुक्ते, अमर सिंह विसेन, अमर सिंह विसेन, अमयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/ रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या 215 है तथा जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-2-1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी जान की टाजट, टास्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृचिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) 1. श्री कृष्ण 2. कृष्ण कुमार खुद व 3. अरुण कुमार द्वारा पिता संरक्षक कृष्ण कुमार 4. कृष्ण मुरारी शर्मा 5. विजय कुमार तथा 6. अरविन्द कुमार व 7. राजकुमार नाबालिंग द्वारा अपने पिता संरक्षक श्री कृष्ण मुरारी शर्मा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र सक्सेना 2. आदित्य कुमार 3. अनिलेश कुमार नाबलिंग पुत्र गण द्वारा अपने पिता 4. आलोक कुमार व संरक्षक श्री रमेश चन्द्र सक्सेना 5. मनोज कुमार ।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती व किरायदार लोग सर्वश्री 1. विलिधमदास 2. सी. एच. बरनार्ड 3. कें. लों. अग्रवाल (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्तारक्षी जानता

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वंगला नं. 215 स्थित सिविल लाइन्स बरेली तथा वह संपूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड और फार्म 37 जो संख्या 1562 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब राजिस्टार बरेली के कार्यालय में दिनांक 11-2-1981 को किया जा चुका है।

> अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 27-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लब्द नज्ज, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदर्भ सं. जी. आई. आर. ए-10/अर्जन (ए-101)---

अतः मुभ्ते, अमर सिंह बिसेन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचादा 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 2144 क 2145 है तथा जो ग्राम कनोसी लखनक में स्थित है (और इससे खपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, दिनांक जनवरी 1981

को पूर्व्यक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिशत में प्रश्विक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ऋन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निनिधिक उद्देश्य ये उक्त अन्तरण निखिन में बास्तविक का में कथित नहां किया गया है:--

- (६) धनरण से हुई हिमो प्राय की जावन, उका ग्रधि-नियम के ब्राधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मृविधा के लिए; , 37 m.
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या प्रत्य स्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--

(1) श्री एस. कृष्णा

(अन्तरक)

(2) आर्दर्श कोओप्रेटिक हाउर्रीसग सोसाइटी लि. लखनउर एच. आई. जो 66 जलीगंज हाउसिंग स्कीम लखनऊ प्रेसी डेन्ट श्री बुजभूषण जिन्दल

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त कोता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह मुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जं! भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परकोकरण:-इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, हे मध्याय 20क मे परिभाषित है, वही प्रार्थ होता तो उन यध्यात में दिया गया है।

अनुसूची

फ्राहित्ड प्लाट खसरा न . 2144 व 2145 क्षेत्रफल लगभग 1960.19 वर्गमीटर व 3351 37 वर्गमीटर ऋमर: स्थित ग्राम कनोसी तहसील परगना व जिला लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 7488 मे वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनंक जनवरी 1981 को कियाजाच्का है।

> अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,लखनउठ

तारीख : 27-8-1981 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, लखनक लखनक, विनांक 27 अगस्त 1981

निद^भरा सं. जी. आई. आर. ए-102/अर्जन---अतः म्र्फ्रो, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या रूमरा न . 2235 है तथा जो ग्राम कनौसी, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता उधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण उधिनीयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ए--- (1) श्री एस. कृष्णा

(अन्तरक)

(2) आदर्श प्रगतिशील कांआप्रेटिव सुसाइटी लिमिटंड, लखनज कार्यालय एच. आर्ड. जो 66 अलीगंज हाउ-सिंग स्कीम लखनज प्रेसिडेन्ट श्री बृज भूषण जिन्दल (अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती । ।रण्लस्क ााभि ।र्नाः क ^{*}9केष्ट 9भ

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि खसरा नं. 2235 क्षेत्रफल 2213.34 वर्गमीटर या 23825 वर्गफिट स्थित ग्राम कनोसी परगना तहसील व जिला लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्परित जो सेलडोड और फार्म 37 जो संख्या 7307 में वर्णित ही जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार, लखनऊ के कार्यालय में जनवरी 1981 में हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,लखनुऊ

तारीख : 27-8-1981

मो**ह**रः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भागे III--खब्ब 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रजा, लखनउः

लसन्डः, विनांक 27 अगस्त 1981

निर्दोश सं. जी. आर्ड. आर. एम-126/अर्जन---अतः म्भे, अमर सिंह बिसेन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि **स्था**वरसंपत्ति जिसका उ**चि**त बाजार मुख्य 25,000/- से

और जिसकी संख्या 585 है तथा जो रहीमनगर, महानगर, लखन उर मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरून क मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पखड़ प्रतिगत से अधिक है घौर भन्तरक (भ्रम्तरकों) घौर भ्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नानिष्वतः उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बौर/या
- (सा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में सकत ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अन्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :--

(1) शम्भूनाथ

(अन्तरक)

(2) श्री म्हाद व प्रसाद

(अन्तरिसी)

(3) श्री महादेव प्रसाद

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (बा) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पति मे हिन-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताक्षरी क पाग निखित में किए जा सकोंगे।

स्पद**ीकरण: --इ**समंप्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, अधिनियम क अष्ठयाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जा उप ग्रष्टगाय मे दिया गया है।

अमृस्ची

भूमि मंख्या 585 क्षेत्रफल 2700 वर्गफिट रिथत रहीम नगर महानगर लखनक तथा वह सम्पूर्ण सम्पन्ति जा मेलडीड और फार्म 37 जो संख्या नं 133 मे वर्णित है जिनका प्रजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनक के कार्यालय में दिनाक 5-1-1981 को किया जाच्का है।

> अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज,लमान्जः

तारीख : 27-8-1981

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लम्बनउर

लखनक, दिनांक 27 अगस्त 1981

निदर्भ सं. जी. आई. आर. पी-86/अर्जन---अतः मुक्ते, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269 ख के अधीन मझाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्यापर नम्पसि, जिसका खिवत बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट भूमि हैं तथा जो सिविल लाइन बरोली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीटार्ता अधिकारी के कार्गालय बरोली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1981

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत का पन्छह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे पम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्तिनीवत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से काबाह नहीं किया गया है।——

- (ह) अन्तरग मंहुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायिस्व में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भीधनियम, या धन-कर भीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुजिधा के लिए।

प्रतः अवः उत्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में उत्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधिन निम्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मनोहर लाल कपूर, राकेश कपूर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रभाकर दश्त कार्मा बृज मूरारी पाठक श्रीमती प्रभा पाठक ।

(अन्तरिती)

(3) उपराक्ता अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मस्ति हैं)

की यह सूचना जारी कर्रके पृत्रीकि सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में की है भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राश्व न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वो का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यवित द्वारा, अझोह्स्नाक्ष रो के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वध्डीकंडण : - इसमें प्रयुक्त शक्दों और पंदों का, जो सक्त अधिनियम के अंड गय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी भूमि का प्लाट स्थित सिविल लाइन्स बरोली तथा वह स्म्पूर्ण सम्पत्ति जो संलडीड और फार्म 37 जो संख्या 1068 में वर्णिल है जिनका पंजीकरण मब रिजस्टार बरोली के कार्यालय में दिनांक 2-2-1981 को किया जा चुका ।

अमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनुक

सारीस : 27-8-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

भ। यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-थ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1981

निर्दोश सं ए सी /रॉज-4/कल/19--यत मुक्ते, आई वी एस जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है),

को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है और जिसकी सं 92 है तथा जो इंनियत रोड, कनकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण निश्चा में नाम्निक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उपत श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पीर/या
- (ध) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चौहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मैं, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निचित स्पृतितयों, अधीत;——
13—256GI/81

1. संखर नाथ बनजी एन्ड आदर्स।

(अन्तरक)

2 कन्हैयालाल मेहोत्रा ।

(अर्न्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

छक्त सम्मान के भ्रानेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किसे जा मकेंगे।

स्वध्होकरण: → उसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रह्याय 20-इ में परिभाषित है बहीं भ्रथं होगा जो उस यह्याय में विया गया है।

अनुसूची

92 इंलियत रोड, कलकत्ता में अवस्थित 11 कक्षा 5 छटाक जमीन पर मकान जो 7-1-81 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एस्ट्रॉस का कलकत्ता दफ्तर में रजिस्टोर्ड हुआ ।

> आर्द्दः वी. एस. जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉजः, कलकत्ता

नारीख 14-8-81 मोहार . प्ररूप् आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कां 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अगस्त 1981

निर्दोश सं. ए. सी. /रॉज-।।/कल/1981----यतः म्फ्रे, के. सिन्हा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 75 है तथा जो होम नस्कर रोड, थाना-बोलिया-धाटा, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय आर. ए. कलकत्ता से, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारील 8-1-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय भी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरणें में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मैंसर्स होम स्टोड प्राइयेट लि.

(अन्तरक)

(2) मैसर्म शुभा चौधरो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में. दिय गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 202 - 17 वर्ग मीटर, 75, होम नस्कर रोड, थाना बेलियाघाटा, कलकत्ता 10 पर।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, 54, रफी अहमद किद्बई राड़, कलकत्ता

तारीख : 28-8-81

महिर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 28 अगस्त 1981

निवर्भेश स ए सी /र्ज-।।/कल/1981---यत मुभ्ते, के सिन्हा, क्षायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रा. से अधिक ह और जिसकी सख्या 20 है तथा जंशिव क्रीस्टोंदा लेन, नार-कोल डागा, 24 परगणा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर सियालदह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-1-81 को पूर्वोक्त सपत्ति क उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक

रूप से कथित नहीं किया गया हैं:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री रवीन्द्र नाथ परही

(अन्तरक)

(2) श्री राम सागर मिश्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सपीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीमल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

क्षेत्रफल 7क 8छ -20, शिव कीस्टो दा लेन, थाना-नारिकेलडागा, 24 परगणा।

> के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, 54, रफी अहमद किद्वई रोड, कलकत्ता

तारील 28-8-81 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन गंज, बालकता

कलकत्ता, दिनाक 28 अगस्त 1981

निदर्भेश सं. ए. सी /रॉज-। । /कल/81-82---यतः मुक्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसको परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं और जिसकी स. भवन न. 100/1/2 है, तथा जो अलिपुर रोड, थाना-अलिपुर, 24 परगणा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय एस. आर अलिप्र, 24 परंगणा में, रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीव 21-1-81 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पम्बह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उत्कत अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) आजा प्रापटिस (प्रा.) लि.

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण चन्द्र बनजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- -(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समित्स में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त आंधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया स्याहीं

अनुसूची

क्षेत्र 170.47 वर्ग मीटर, भवन नं 100/1/2, अलिपूर रोड, थाना अलिपूर, 24 परगणा पर।

के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, 54, रफी अहमष किंदवर्ष रोड़, कलकरता

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, गौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुं—

तारील : 28-8-81 मो**ह**र: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

का्यां लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ठालकाता

कलकत्ता, दिनाक 28 अगरम 1981

निदर्शनः ए. सी /रंज-।।/कल/81-82-।--यत मुक्ते, को. सिन्हाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था 2ई, है तथा जो मोतीलाल बसाक लेन, शाना फुलबागान, कलकत्ता मा स्थित है (और इससे उपादद्वध अनुस्थी मा और, पूर्णाक्य में वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर आफ शुअरस्स्म, कलकत्ता मा, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 3-1-81

की पूर्वीक्त संपंतित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एमें दृश्यमान प्रतिकृत का उन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितायों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-कल निम्मिलिसित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां वर्ता, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनः:-- (1) श्रीकृती भानवा बाला दासी

(अन्तरक)

- े (2) रानी सती कांआपर्राट्य हाजज संग्साइटी लि (अन्सरिती)
 - (3) श्री पर शचन्द्र दान (तह व्यक्ति, जिसके आधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के भाम किस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त पाब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

क्षेत्र 4 क. 2ई, मोतीलाल बसाक लेन, कलकत्ता-। टी. र्न. 1298/2833 जि: 24 परगणा।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, कलकत्ता

तारील : 28-8-81

मोहर 🕸

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कालकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 28 अगस्त 1981

निर्दोश स ए सी /रोज-।।/कल/1981—यतः सुक्ते, के.सिन्हा,

शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/रुक्त से अधिक है

और जिसकी मंख्या 2 ई है तथा जो मोतीलाल बसक लेन कल-कत्ता-1 स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस आर आफ आशुअरन्मस, कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीस 3-1-81
को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) डालिम बाला बासी

(अन्तरक)

- (2) श्री रानी स्ती कोआपरिटव हाउजि सोसाइटी लि. (अन्तरिती)
- (3) राम बीना याद^{रे}र (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 4 क. 2 ई, मोतीलाल बासक लेन, थाना फर्ल बगान, कलकत्ता।

> के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नजा। कलकत्ता-16

तारीख : 28-8-81

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर ु

कानपुर, दिनाक 2 सितम्बर 1981

निद्येश न 1^{3} अर्जन/कानपुर/81-82-3 स म्भे, विवेक बनर्जी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी स 633टू 636, 638, 639 है तथा जो विनायकपुर में स्थित हैं (और इस्से उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 3-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिकत निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्निक का से कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरक ये हुई किमो आप की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/मा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या भ्रिया-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा जाना चाहिए था, छिपाने मे मुविधा के लिए;

- (1) स्टौनली, डी नरोना केन्ट, कानपूर । (अन्तरक)
- (2) आर एम का आपर टिन हाउभिग साझाईटी लि 113'217 स्वरूप नगर कान्प्र। (अन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जनके। लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितक के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा , श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टो करगः --- इसमें प्रयुवन शब्दों ग्रौर पदो का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रद्ध्याय में विया गया है।

अन्सूची

अचल सपत्ति आठ बीघा दो विस्वा विनायकपुर कानपुर में स्थित हैं और जो कि 1,83, 904/-रुपये की बची गई हैं।

विवंक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मरठ, कानपुर

अतः ग्रन्न, उक्त प्रधिनियम की धारा 239-ग के ग्रनसरण में में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीस 2-9-81 माहर

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानप्र

कानपुर, दिनाक 2 सितम्बर 1981

निक्रेश न . 2/अर्जन/कानपूर/81-82-- अतः म्भो, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इम के पश्चात 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- हपये से प्रधिक हैं

और जिसकी सं. है तथा जो विनायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1981 ं.

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रित्तिक ने लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सो, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिन (भन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबल उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; शौर/या
- ्ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों

 ो, जिन्में भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
 या धनकर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 क प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 स्था था ग्रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 स्थिधा के लिए,

अतः, अतः, उद्यत् अधिनाम, हो धारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मती सरला दवी, करतार सिंह, शमेंसर मिंह, शिवदान सिंह, श्रीमती शान्ती देवी, बुल्लन सिंह पन्की, मशा गज, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) आर एस कोआपरेटिव हाऊमिग सोसाइटी 113/217 रवरूप नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज़कत स्थावर सम्पत्ति में हिसवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपव्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पेरिभाषित है, वहीं अर्थे होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति अनुमानित 130 बीघा यिनायकपुर कानप्र में स्थित है जो कि 44,67,600/- रुपये में वेची गई है।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मेरट, कानपुर

तारीख : 2-9-1981

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1981

निदोश नं. 3/अर्जन/कानपुर/81-82---अत मुक्ते, विवेक यनजीं, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है आरि जिसकी सं. है तथा जो विनायकपुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित ह 🖰), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर मे, रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विषशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

वृश्यमान प्रतिफक् का पन्द्रहप्रतिशत से श्रधिक है भीर्

प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ऐसे घरतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्ट्रेक्य से उक्त घरतरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित

नहीं किया गया है:---

- (क) अश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य भास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अध्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--14-256GI/81

(1) श्री भान्नु, बदल् ननका, लकहार रामसेवक, राम रामस्वरूपं, गिरजा शंकर, सैत् निवासी पन्कीगंज् कानपुर।

. (अन्तरक)

(2) आर एस. कोआपरोटिय हाउसिंग सोसाइटी लि. 113/217 स्वरूप नगर कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से ं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के धन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति अनुमानित 16 बीघा विनायकपुर कानपुर में स्थित हैं जो कि 5,37,200/- रुपये में बेची गयी हैं।

विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरै आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मेरठ कानपूर

तारीब : 2-9-1981

प्ररूप् आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयक र आयुक्त (निर्नीक्षण) अर्जन रॉज, कानपुर कानपुर, दिनांक 2 मितम्बर 1981

निहरेश नं. 4/अर्जन/81-82---अतः मुर्फे, विवेक बनर्जी,

आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

आरे जिसकी सं- 635 से 637, 619, 547 है तथा जो विनायकपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 17-2-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) स्ट नृली डी, नृरोना 34 केन्ट, कानपुर।

(जन्तरिती)

(2) आर. एस. कोआपरोटिक हाउसिंग सोसाईटी लि, 113/217 स्कूरूप नगर, कानपुर।

(बन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिहित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जबर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिय गया है।

भृतुषी

अभूत् सम्परित तीत् शीधा 12 विस्वान्ती विनायकपुर कानपुर में स्थित हाँ और जो कि 68,5000 रुप्ये में बेची गई हैं। गई हैं।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, मेरठ कानपुः

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अधीत :--

^{चं}तारीक्ष . 2-9-1981

प्रकप भाई॰ ही॰ एव॰एस॰----

ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, कानप्र

कानपुर, दिनांक 2 सितम्ब्रं 1981

निद्धेश नं. 5/अर्जन/कानपुर/81-82--अतः मुक्ते, विवेक बनर्जी,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 615 है तथा जो विनायकपुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण शाधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 21-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान अनेतक स के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई जिसी काय की बाबत, अवस क्रिक निवस के अधीन अर देने के बन्तरस के वायित्व में क्रमी करने वा अबसे बचने में सुविज्ञा के जिए; और/या
- (ख) ऐती विजी साम या किसी धन मा सम्ब स्नास्त्रवीं ो जिन्हें भारतीय साय-कर स्नविष्यम, 1922 (1923 का 11) या दक्त व्यविष्यम, या धन-कर स्नविष्यम, 1957 (1957 का 27) के त्रवोचनार्व सन्तरिती हारा प्रश्नद नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में स्विक्षा के लिए;

खता, अब, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अपक्तियों, अर्थात्:—

- (1) स्टीनली डी, नराना 34 कौन्ट कान्पुर। (अन्तरक)
- (2) आर. एस. कोआपरोटिक हाउनिसंग सोसाहटी लि.। 113/217 स्वरुप नगुर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीनत सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की धाबोप:--

- (क) इस सूचनां के राजपल में प्रकाशन की खारीस से 45 दिन की अविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूजना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी सबिध नाव में लगाण होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हारे!
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की जारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबक किसी श्रन्य क्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हथध्वीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों छा, वा वक्त धाध-नियम, के अध्याय 20फ में परिमाधित है, बही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति तीन बीघा सत्तर बिस्वा विनायकपुर कानपुर में स्थित है जो कि रुपये 88500.00 में बेची गृसी है।

विवेक बनर्जी संक्षम प्राधिकारौँ सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि, मेरुठ, कान्पूड

तारील: 2-9-1981

प्रस्य आर् टर्टी प्रन प्रस्ट प्रमान

आयुक्त र अधिनियंग । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज मोरठ, कानपुर

कानपूर, दिनांक 20 वगस्त 1981

निवर्षेक नं. 5-81-82/कानपुर—-अतः मुक्ते, विवर्षेक नुरुपर्ति

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्भित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 16/19 सी है तथा जो सिविल लाइन कानपुर में स्थित है. (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 6-1-1981

कों पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित को उद्दित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया ग्या है:---

- (क) अंसरण से हुइ जिसी आय की बाबत, जकता असि की मान के बाबत, जकता असि किया के असि कर दोने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुबने में सुविधा के जिए? आहे/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम , या धनुकर अधिनियम , या धनुकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों ज्यानितः—

- (1) श्री शिव शंकर सन्ना आत्मण स्वः, भगवान षास सन्ना, राकेश सन्ना, राजीव सन्ना पृत्र गण शिवशंकर सन्ना निवासी 16/19 सी सिविल लाइन कानपूर। (अन्तरक)
- (2) श्री गोपाल वास अग्रवाल आत्मज् स्वः चतुरभूज अग्रवाल निवासी भागव स्ट.ट कानपुर।

(अन्तरिसी)

कां यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त संपृतित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां क्षाउता धुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ट्राज्यन में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन की अनुधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वात में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्तित द्वारा
- (श) इस सूचना के ठाजपन में प्रकाशन की ताडींच हो 45 विन के शीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हिन्बद्ध कि ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकी।

स्पृष्टिकि दुर्गः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और प्रतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका नम्ब्र 16/19 सी 570 वर्ग गज सिविल लाइन कानपुर में स्थित हैं जो कि 96600 रुपये में बेचा गया है।

विवंक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन ट्रॅज, मेरठ, कान्पुड

तारीख: 20-8-1981

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

वायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, (मेर्ट) कानपुर

. कानपुर, दिनांक 1 सिसम्बर 1981

नियोश नं. 27/पी. आर्र. $/81-82-3\pi$:, मुक्ते, विवेक बनर्जी,

्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 7/158 का भाग है तथा जो स्वरूप नगर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपूर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-नियम के धधीन कर देने के धन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्द्र प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त मिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, अक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

- (1) श्री जगदीश प्रसाद शुक्ल पुत्र स्व. रामफल शुक्ल क श्रीमती इन्द्रानी देवी पत्नी स्व. रामफल क् श्रीमती शान्ती देवी पुत्री रामफल नि. 11/287 सूटर गंज, कानपुर।
- (2) श्री तोष नारायन गुप्ता पुत्र श्री भल् लाल् गुप्ता नि । 2/209 नवावगंज, कान्पुर।

(अन्तरक)

(3) सतेन्द्र त्रिपाठी व शिव चरन लाल जुनेजा 7/158 स्वरूप नगर कानपुर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति नम्बर 7/158 स्वरुप नगर कानपुर में स्थित है जिसका 1/2 भाग 1,35,000/- रुपये का बेचा गया।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् र्रेज्, मेरठ, कोन्पुर-

तारी**व** : 1-9-1981

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, (मेरठ) कानपुर) कानपुर, दिनांक 1 सिसम्बर 1981

निदोश नं 26/पी आर /81-82--अतः मुक्ते, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं 7/158 का भाग है तथा जो स्वरूप नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 23-1-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के कर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री जगदीश प्रसाद शुक्ल पूत्र स्व. पं. रामफल शुक्ल व श्रीमती इन्द्रानी पुत्नी स्व. रामफल, श्रीमती शान्ती व वी पुत्री स्व. रामफल नि. 11/287 सूटरगंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

(2) श्री प्रकाश ज़म्द्र गुप्ता पत्नी तेज नाराजुन गुप्ता नि. 2/209 नुवासगंज, कानपुर।

(अन्सरक)

(3) सतन्त्र पित्रपाठी 7/158 स्वरूप नगुर कानुपुर। स्वरूप नगर कानतुर। (वह व्यक्ति प्रिसके अधिभाग में संपत्ति है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन की जनधिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की दामिश से 30 दिन की वक्तीभ, जो और जनधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (च) इस नुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के शस जिल्लाम में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्यों का, जो उक्त जिथ्मित्वम, के अध्याव 20-क में प्रिंशियित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनलची

अधल संपरित नम्बर 7/158 (का भाग) स्वरूप नगर कानपूर में स्थित ही और जोकि 1,35,000/- रुपये का अधा गया।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{न्}ज, (मेर्ट) कानप्**र**

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ मुर्थात्∄-=

तारीब : 1-9-1981

मोहर:

शक्ष्य आक्री, दी. एन. एस. नर-००१-०००

अत्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनुराज, (मोरठ) कानपुर

कानपुर, दिनांक । सितम्बर 1981

निव श नं. 18/पी. आर./81-82—अतः मुभे, विव क बनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं जौर जिसकी सं. 128/सी/66 है तथा जो कि दवर्ह नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं), रिजन्दीक ही अधिकारी के कार्यालय कान्यर में विश्वत हैं), रिजन्दीक ही अधिकारी के कार्यालय कान्यर में

स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 30-1-1981 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान

की प्वापत सपारत के उपचत बाजार मूल्य से कम के दूरवान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग कौ बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के लिये; और/बा
- '(न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री राजेन्द्र नाथ मिश्रा 128/62-सी किंदनई नगर, कानपुर।

(अन्सरिती)

(2) श्री प्रमोद कुमार म्ल्होत्रा, श्रीमती राजमनी देवी निः 128/सी/66 किववर्ष नगर, कानपुर।

ँ (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी. के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया. गया है।

अनुसूची

अचल संपति नम्बर 128/सी/66 कियवई नगर कानपुर में स्थित है और जो कि 1,50,000/- रज्पये का बेचा गया।

विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रॉज, (मेरठ) कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्न्लि सिंत व्यक्तियों, अधीत् :--

सारौब: 1-9-1981

भाहर 🛚

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd August 1981

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate as Deputy Controller (DP) on ad-how basis for the further period from 1-9-81 to 30-11-81, or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri M. L. Dhawan as Deputy Controller (DP) is purely on ad-hac and temporary basis and will not confer upon him any title for absorption or seniority in the grade.

No. A.32014/2/80-Admn.II.—The Chairman, Union Publie Service Commission hereby appoints the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Assistant Controller (DP) on ad-hoc basis for the period from 1-9-81 to 30-11-81 or until further orders, whichever is earlier.

- Miss Santosh Handa.
 Shri S. P. Bansal.
 Shri B. R. Gupta.

The appointments of Miss Santosh Handa, S/Shri S. P. Bansal and B. R. Gupta as Assistant Controller (DP) are purely on ad-hoc and temporary basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade.

Section Officer, for Chalrman, U.P.S.C.

New Delhi, the 18th August 1981

No. A.12019/3/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even No. dated 13-5-81, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the fol-lowing permanent Research Assistants (Language) of the lowing permanent Research Assistants office of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Junior Research Officer (Language) in the Commission's office on an ad-hoc basis for a further period of three months w.e.f. 5-8-81 to 4-11-81 or until further orders whichever is earlier.

- 1. Kumari K. Bandyopadhyay.
- Shri M. L. Varadpande.
 Shri B, Ghosh.
 Shri S. B. Kodad.
 Shri A, N. Sarma.

The above mentioned persons should note that their appointment to the post of Junior Research Officer (Language) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Language).

> P. S. RANA, Section Officer, for Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th July 1981

No. A.12025(ii) /3/78-Admn.III.—Consequent No. A.12025(11)/3/78-Admin.III.—Consequent upon his nomination on the basis of the Combined Limited Departmental Competitive Examination 1979 vide D.O.P. & A.R. letter No. 5/61/80-CS(I), dated 23rd June, 1981, the President is pleased to appoint Shri Yesh Pal Dabas, a permanent Assistant (Grade IV). of C.S.S. borne on the cadre of the Department of Supply to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the foreneous of the 30th lune. Commission with effect from the forenoon of the 30th June, 1981, until further orders.

> Y. R. GANDHI, Under Secy. (Amn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OF PERSONNEL AND ADMINIS-(DEPARTMENT TRATIVE REFORMS)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th September 1981

No. V-43/68-AD.V(Vol.II).—The President is pleased to

appoint Shri V. N. Sehgal to officiate as Deputy Director/CFSL, CBI New Delhi with effect from the forenoon of 29th August, 1981 until further orders.

> Q. L. GROVER, Administrative Officer(E) CBI

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 2nd September 1981

No. O.II-1600/81-Estt.—The President is pleased to appoint point Dr. Vinod Kumar Singh as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th August 1981 subject to his being medically

The 4th September 1981

No. O.II-1470/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. P. Chellapillai, GDO, Gd-II of R.T.C. II CRPF Avadi with effect from the forenoon of 14th August 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(i) of the C.C.S. (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O.II-1579/81-Estt.—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. C. S. Ramachandra Rao as General Duty Officer Grade-II in the C.R.P. Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20-8-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1599/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Debahrata Mukhopadhyay as General Duty Officer (Dy. SP/Coy. Commander) in the CRPF in the temporary capacity with effect from 17th August 1981 (F.N.), subject to his being medically fit.

> A. K. SURI, Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 2nd September 1981

10/41/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Natarajan, an officer belonging to the Grade III of I.S.S. and at present working as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Registrar General, India in the same office, in a temporary capacity, on regular basis, with effect from the forenoon of the 19th August, 1981, until further orders.

The headquarters of Shri Natarajan will be at New Delhi.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 21st August 1981

No. K(18)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Major S. D. Kandpal, Security Officer, Government of India Press, Minto Road, New Delhi, in a substantive capacity with effect from the 24th May, 1981.

The 14th September 1981

No. B(9)/AII.—Shri B. B. Banerice, Manager, Government of India Photolitho Press, Faridabad, has retired on Superannuation on the 31-8-1981 (AN).

H. C. SHARMA Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE (DFPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 1st September 1981

General Manager, No. 177-A/3.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik-Road hereby appoints Shri P. G. Joshi, Inspector Control. Currency Note Press to the post of De-No. 177-A/3.--The puty Control Officer in Currency Note Press on purely ad-hoc basis with effect from 20th August, 1981 (FN), and upto three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

> S. D. JDGUNJI, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 3rd September 1981

No. Admn.1/O.O.207.—The Director of Audit hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers, in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 31-8-1981 until further orders.

- Shri P. L. Singhal.
 Shri J. L. Dandona.
 Shri P. N. Mehta-I.

Sd./- ILLEGIBLE Jt. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 29th August 1981

Admn.I/60(85)/81-82/2550-52.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed following permanent Section Officers to the post of Accounts Officers in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity from the date they take-over charge of their posts;

- , I. Shri P. N. Kaul.
- 2. Shri Harbans Goswami,
- 3. Shri Jia Lal Kaul.

H. P. DAS, Sr. Dy. Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I. WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 1st Soptember 1981

No. Admn.I/1038-XVIII/126.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional basis S/Shri Kanta Charen Barman and Nirmalendu Mazumder, permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 18-8-81 or from the date on which they actually take over charge as Accounts Officer in the Office of the Director of Audit, Central and Office of the Accountant General-II, West Bengal respectively, which ever is Inter until further orders. It should be clearly understood that the aforesald promotions in the cadre of derstood that the aforesald promotions in the cadre of Accounts Officers are purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta Fing Court case and will be subject to the final decision of the court case filled against the Union of India and other under Calcuta Fings. the Union of India and others under C.R. case No. 14818 (N) of 1979.

> J. S. MEHRO1RA, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 4th August 1981

No. A.-19018/193/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Manchanda, Asstt. Director (Electrical) Small Industries Service Institute, Kanpur as Doputy Director (Electrical) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute. Patna with effect from the forenoon of 20th July, 1981

> C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIFS AND DISPOSALS

(ADMINISTRATIVE SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st August 1981

No. A-1/1(1162).—The Director General of Supplies Disposals hereby appoints Shri Satish Kumai Jain on his selection by the Union Public Service Commission to officiate on purely temporary basis against a temporary vacancy as Asstt. Director (Litigation) (Grade II), in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 1-8-1981.

> S. L. KAPOOR, Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies and Disposals.

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 2nd September 1981

No. A-17011/195/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri N. Vemaiah, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met) in the office of Dy. Director of Inspecting Officer (Met) in the office of Dy. pection (Met), Rourkela under Jamshedpur Inspection Circle w.c.f. the forenoon of 27th July, 1981 and until further

The 7th September 1981

No. A-17011/198/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri C. L. Kanwal, Examiner of Stores (Engg.) in the Bombay Inspection Circle to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same Inspection Circle with effect from the afternoon of 7th August, 1981 and until further orders.

Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies and Disposals.

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th September 1981

5499B/A-19012(3-RCK)/80-19B.--Shii Khulbe, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 8-5-81 (AN).

5518B/A-19012(1-ККD)/80-19А.—Shті Kumar Das is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the officiating capacity with effect from the forenoon of the 29th Jude, 1981, until further orders.

> V. S. KRISHNASWAMY, Director General.

DIRFCTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 13th August 1981

No. A-12011/2/80-CW.I—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Lalit Kumar, Section Officer(E) on promotion as Assistant Engineer (Electrical), Civil Construction Wing, All India Radio, New Delhi, under the same Division in an Officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 30-6-81 (FN).

The appointment of Shri Lalit Kumar is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-12011/2/80-CW.I dated 16-6-81 already issued to him.

A. E. K. MUDALIAR, Engineer Officer to Addl. CE(C) for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th September 1981

No. A.19018/9/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Vaid Prem Kumar to the post of Ayurvedic Physician under the Central Government Health Scheme, Delhi on ad-hoc basis with effect from the afternoon of the 7th August, 1980.

2. Shri Vaid Prem Kumar assumed charge of the post with effect from the 7th August, 1980 (AN).

T. S. RAO, Dy, Director Admn. (CGHS.I).

New Delhi, the 4th September 1981

No. A.35017/2/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri I. Ramanuja Rao, to the post of Accounts Officer, Government Medical Store Depot, Gauhati with effect from the forenoon of the 20th August, 1981, on deputation terms and until further orders.

SHIV DAYAL, Dy. Director (Admn.) (Stores).

New Delhi, the 7th September 1981

No. A.6-9/70/Admn,I(Pt. III).—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Shri F. C. Mehru, Permanent Assistant Electrical Engineer, Central Research Institute Kasauli, (who had proceeded on foreign service to the P.G.I.M.F.R., Chandigarh) with effect from the 15th January, 1981.

No. A-12025/24/79(AIIHPH)-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Chokhey Lal to the post of Assistant Research Officer (Biologist) at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of the 31st July, 1981 and until further orders.

No. A-19020/11/80(SJH) Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Dalip Singh, Assistant Administrative Officer, Safdariang Hospital, New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st July, 1981.

No. A-12026/34/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kum. Shikha Khanna to the post of Dietician at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital New Delhi for a period of 46 days from the 1st June, 1981 to the 16th July 1981 on ad hoc basis.

T. C. JAIN Dy. Director Administration (O&M).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd September 1981

No. A-19023/15/78-A.III.—The resignation tendered by Shri T Sabhnani, M D.O. of this Directorate at New Delhi, from Government Service has been accepted wef the afternoon of 18th February 1980 to enable him to get absorbed in the Bharat Heavy Electrical Limited, New Delhi, as Sr. Design Engineer.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 18th August 1981

No PPED/3(235)/76-Adm./11508.—Director, Power Projects Furincering Division Bombay hereby appoints Shri R. S. Talnade a permanent Personal Assistant and officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from the forenoon of July 27, 1981 until further orders.

The 21st August 1981

No. PPED/3(283)/76-Adm./11056.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shil P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 7, 1981 until further orders vice Shri V. R. Kulkarni, Assistant Accounts Officer relieved

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bomay-400 001, the 28th August 1981

No. DPS/23/1/81-Est/17428.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Fnergy appoints Shri V. V. Sawant, Assistant Accountant to officiate as an Asstf. Accounts Officer (ad hoc) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Calcutta Regional Accounts Unit of the same Directorate with effect from May 19, 1981 (FN) to June 30, 1981 (AN) vice Shri D. K. Roy, Assistant Accounts Officer granted leave.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

Bombay-400 001, the 28th August 1981

No. Ref DPS/23/1/81-EST/17497.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 6, 1981, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. G. Pimpalkare, Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad hoc) for a further period upto June 27, 1980 (AN).

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 5th September 1981

No. AMD-2/3134/81-Adm.—The resignation tendered by Shri B. K. Mahapatra, from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Fnergy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from 31st July 1981 (AN).

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 26th August 1981

No. 020/3(061)/R/81.—Director ISRO Satellite Centre, Bangalore is pleased to accept the resignation from service of Shri A. Shivalingaiah, Scientist/Engineer SB in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of June 6, 1981.

P. N. RAJAPPA Administrative Officer

SPACE APPLICATIONS CÉNTRE

Ahmedabad-380053, the 2nd September 1981

No. EST/I SCES/9001/81—The Director, SAC. is pleased to accept the resignation from service of Shri Nilim Jayantl-lal Shah, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of August 24, 1981.

No. EST/I SCFS/5170/81.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri A. J. Vvas. a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of July 31, 1981.

C. R. SHAH Administrative Officer II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th July 1981

No. A-35018/16/80-E.I.()—The President is pleased to place the services of Shri S. K. Das, Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta, at the disposal of International Civil Aviation Organisation under Technical Assistance Programme for appointment as Avia-tion Electronics Instructor at Doha, Qatar, with effect from 21st May 1981 (AN), on foreign service deputation basis.

The 27th August 1981

No. A-31013/1/80-FI.—The President has been pleased to appoint Shri S. Majumdar in the grade of Regional Director in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 1st January 1980.

> S. GUPTA Dy. Director of Administration, for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 1st September 1981

No. A-38013/1/81-EA.—Shri P. V. A. Nair, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Calcutta reitred from Government services on the 31st July, 1981 on attaining the age of superannuation.

> S. GUPTA Deputy Director of Admin.

New Delhi, the 31st August 1981

No. A-32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad hoc appointment of S/Sh. S. H. Lalla, S. C. Mallick and K. T. Seen, Superintendents, as Administrative Officers upto 31st December 1981 or till the posts are filled upon regular whichever is earlier, on usual terms and conditions

The 2nd September 1981

No. A-32013/13/77-ES.—The President is pleased accord ex-post-facto sanction to the appointment on regular basis of following Senior Aircraft Inspectors in the Aviation Department with effect from the dates mentioned against their names :

- Shri S. L. Srivastava—21st March 1978.
 Shri Phillip Mathew—21st March 1978.
 Shri U. P. Satpathy—6th July 1978.

- 4. Shri J. I. S. Bedi-6th July 1978.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

New Delhi, the 5th September 1981

No. A. 32013/5/80-EC.—In continuation of this Department Notifications No. A. 32013/5/80-EC dated 23-12-80, 31-12-80, 30-1-81, 31-1-81, 24-2-81, 9-3-81, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned officers in the grade of Deputy Director/Controller of Communication upto the date mentioned against each or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier;- -

S1. Name No.		Station of posting	Date upto which approval given	
)		(3)	(4)	
-		Aero. Comm. Stn. Trivandrum	20-11-81	
	•	Areo. Comm. Stn, New Delhi.	21-11-81	
	•	D.G.C.A. (HQ)	24-11-81	
•		Aero, Comm. Stn, Madras	8-12-81	
) (3) . Aero. Comm. Stn, Trivandrum . Areo. Comm. Stn, New Delhi D.G.C.A. (HQ) . Aero. Comm. Stn,	

(1) (2)	_		(3)	(4)
5. H. V. Sudershan		-	Aero. Comm. Stn, Bombay.	20-12-81
6. S. H. Khan .			Aero, Comm. Stn, Calcutta.	27-11-81
7. Suresh Chandra			Aero, Comm. Str., Calcutta.	28-1-82
8- A. K. Misra	•	•	Aero, Comm. Stn, Palam	22-12-81
9. K. V. Rao	•	,	Aero, Comm. Stn, Hyderabad.	15-12 - 8
10. V. K. Verma			Aero, Comm. Stn, Bombay.	28-12-81
11. S. R. R. Rao			Aero, Comm. Stn, Mdras	7-1-82
12. P. K. Singhal		•	Aero. Comm. Stn, Bombay.	25-11-81
13. S. K. Kakkar	•		Aero, Comm. Stn, Calcutta	15-11-81

No. A. 38013/1/81-EC,—The undermentioned three officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 31-7-81 (AN) at stations indicated against each :-

Sl. · No.	Name & Designation	Station of posting
-	i J. C. Gupta, echnical Officer.	Aero, Comm. Stn, Jaipur.
	i B. N. Sil, communication Officer	Office of the Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi
	J. P. Anand, ssistant Comm. Officer.	Aero. Comm., Stn, Safdarjung, Airport, New Delhi.

PREM CHAND Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd September 1981

No. 12/7/75-EST.—In partial modification of the orders contained against S. No. 7 of this office Notification No. 12/7/75-EST dated 23rd December 1976, Shri V. V. Benegal, Officiating Assistant Administrative Officer is appointed as Assistant Administrative Officer in a substantive capacity with effect from the 1st March, 1974, instead of 2nd March, 1975.

> M. S. NAGARAJAN, Director General.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 31st August, 1981

No. 5/81-The following Group 'B' officers of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each.

Sl. Name of the officer & po No. held at the time of retirer	
(1) (2)	(3)
S/Shri 1. S. P. Agarwal, Superintendent, Central Excise, Kanpur-II Division.	31-3-1981 A.N.

	3311311
2	
2. Lajpat Rai Verma, Supdt. Central Excise, Kanpur-II Division,	3 31-3-1981 A.N.
3. B. S. Misra, Sup? Central Excle Bareilly c,	30-4-1981 A.N.
₹. D. " .	21 E 1001 A NI
A. Roy, Administrative Officer, Central Excise,	31-5-1981 A.N.
Kanpur-II, Division. 5. D. S. Saxena, Administrative Officer, Central Excise, Aligarh.	30-6-1981 A.N.
6. D. D. Sharma, Supdt. Central Excise,	30-6-1981 A.N.
Hdqrs, Office, Kanpur. 7. K. K. Pathak, Supdt. Central Excise, Bareilly.	30-6-1981 A.N.
8. K. M. L. Mathur, Supdt. Central Excise, Bareilly.	30-6-1981 A.N.
9. M.A. Wali, Supdt. Central Excise, Aligarh.	30-6-1981 A.N.
10. H. C. Saxona Supdt., Central Excise, Agra.	31-7-1901 A.N.
11. Harbhajan Lal, Examiner of Accounts, Central Excise, Hdgrs. Office, Kanpur.	31-7-1981 A.N.
	J. RAMAKRISHNAN
	Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 1st September 1981

No. A-19012/892/81-Estt.V.—Chairman, Central Commission hereby appoints Shri K. K. Saha, Supervisor to officiate in the grade of fixtra Assistant Director/Assistant Figure (Engineering) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 3rd October, 1980. Α. ΒΗΑΓΤΛΟΗΑΚΥΑ

Under Secv. Central Water Commission.

MINISTRY OF I AW, JUSTICE AND COMPANY **AFFAIRS**

COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD) (DEPARTMENT OF COMPANY

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Rumack Export Private Limited

New Delhi, the 30th October 1980

No. 6343/22222.--Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expusation of three months from the date hereof the

name of the Rumack Exports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Ramano Tourways Private Limited

New Delhi, the 30th July 1981

No. 5190/14419.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ramano Tourways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Druv Exhibitors Private Limited

New Delhi, the 30th July 1981

No. 7089/14422.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Druv Exhibitors Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 28th April 1981 INCOME-TAX

No. JUR/IAC Asstt./81-82/2202.—In supersession of all earlier orders and in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tex, Delhi-1, New Delhi hereby direcs that the I.A. Cs whose present designation is specified i column 2 of the table below shall be redesignated s in column (3) of the said table:-

TABLE

	1.122.	•
Sl. No.	Present designation of the IACs (Assessment)	New designation of the IACs (Assessment)
1		3
1. I.	AC, Range-I—E, New Delhi	IAC (Assessment) Range -I, N. Delhi.
2. 1.	AC, Range-I -F, New Delhi	. IAC (Assessment) Range-II, New Delhi.
3. I	AC, Range-II-E, New Delhi	IAC (Assessment) Range-III, New Delhi.
4. T	AC, Range-II-F, New Delhi	IAC (Assessment) Range-IV, New Delhi.
5. I	AC, Range-II-G, New Delhi	IAC (Assessment) Range-V, New Delhi
6. 1	AC, Range-11-H, New Delhi	IAC (Assessment Range-VI, New Delhi.
7. I	AC, Range-IV-D, New Delhi	IAC (Assessment) Range-VII, New Delhi
8.]	AC, Runge-IV-G, New Delhi	. IAC (Assessment) Range-VIII, New Delhi,
9. 1	AC, R nge-III-E, New Delhi	. IAC (Assessment) Range-IX, New Delhi
10. 1	AC, Range-III-F, New Delhi	. lAC (Assessment)
11.]	AC, Range-V-E, New Delhi	Range-X, New Delhi, IAC (Assessment)
12. 1	AC, Range-V-F, New Delhi	Range-XI, New Delhi IAC (Assessment) Range-XII, New Delhi

This order shall take effect from 1-5-1981.

This issues with the concurrence of Cs.I.T. Delhi-I to VI charges, New Delhi.

No. JUR-DLI/I/81-82/2303.—In supersession of all earlier orders and in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the IACs whose present designation is specified in column 2 of the table below shall be redesignated as specified in column (3) of the said tables.

TABLE

Sl. No.	Present designation of IACs	New Designation of the IACs	
1	2	3	
	nspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Delhi Range-I-B		

2. Inspecting Asstt. Commissioner of Inspecting Income-tax, Delhi Range-I-C, New Delhi. Commission come-tax.

New Delhi.

Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax, Delhi
Rauge-VI-C, New
Delhi.

come-tax, Delhi Range VI-B, New Delhi.

This order shall take effect from 1-5-1981. This notification issues with the concurrence of CIT, Delhi-VI, New Delhi.

M.W.A. KHAN Commissioner of Income tax Delhi-I, New Delhi

New Delhi, the 28th April 1981

No. (1T/1DLI-II/Jur./81-82/1896.—In exercise of the powers conferred by sub-section, (1) of Section 124 of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the notification No. F. No. JUR/DLI-II/80-81/8301 dated 12th June, 1980 be treated as cancelled w.e.f. 1st May 1981.

F. No. JUR./DLI/II/81-82/1997.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling in this behalf on the subject, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officer Distt. VIII (13) shall not perform and Income-tax officer, Special Circle-VI, New Delhi shall perform his functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases in respect of alphabet R other than the persons or classes of persons, income or classes of income and cases of classes of persons, income or classes of income and cases of classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax officer.

For the purpose of facilitating the performance of the functions the Commissioner of Income-tax, Delhi-II also

authorises the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Range-IV-E, to pass such orders as contemplated in subsection (2) of the section 124 of the I. T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 1st May 1981.

F. No. JUR./DLI/II/81-82 2098.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the incometax Act, 1901 (43 of 1961) and all other powers enabling in this behalf on the subject, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax officer Distt. VIII (13) shall not perform and I.T.O. Distt. X(11) shall perform his functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases in respect of alphabets A to H other than the persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter he assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

For the purpose of facilitating the performance of the functions the Commissioner of Income-tax, Delhi-II also authotises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-E to pass such orders as contemplated in subsection, (2) of the section 124 of the I. T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 1st May 1981.

The 29th April 1981

F. No. JUR./DLI/II/81-82/2440.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling in this behalt on the subject, the Commissioner of Income-tax. Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer Distt. VIII(13) shall not perform and I.T.O. Distt. V(11)) shall perform his functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of incomes and cases or classes of cases in respect of alphabet H, other than the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned on may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-II also authorises the I.A.C. Range-IV-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I. T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 1st May 1981.

N. S. RAGHAVAN Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX WEST BENGAL I & V

Calcutta-700 069, the 27th July 1981

No. 291.—Shri Sudhindra Kr. Ghosh, Income-tax Officer, Group-B, West Bengal Charge, who is under suspension, retires, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of 31st July 1981.

K. G. NAIR Commissioner of Income-tax, West Bengal-I, Calcutta.

D. S. Raju Commissioner of Income-tax West Bengal-V, Calcutta.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, .1961 (43 OF 1961) (1) Shri Hamzabhai Valibhai; Fatraabai daughter of Haji Sultanali Kamruddin, Kamruddin Akbarali, Amli Falia, Godhra.

(Transferor)

(2) Shri Kutbuddin Rajaudin Jinwala and others; Amali Falia, Godhra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th August 1981

Ref. No. P.R. No. 1115 Acq. 23-11/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 315/1 paiki & 314 paiki property situated at Godhra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at officer at Godhra on 12-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 315/1 paiki and 314 paiki, situated at Godhra, duly registered on 12-2-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

tion ving Da

Dated: 7-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Alimedabad-380 009, the 1st September 1981

Ref. No. R. P. No. 1155 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Voharvad, Gopipura, Wd. No. 8, Nondh No. 805 situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Surat on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Vasantlal Praulal Merchant; Shri Dilipkumar Vasantlal Merchant; Shii Vipul Vasantlal Merchant; Pani-ni-Bhit, Bhaga Talay, Surat.

(Transferor)

(2) Sunit Apartment Coop, Housing Society; 1. Shri Prakashchandra Valchand Shah: Kaji Medan, Gepipura, Surat 3.Shri Dhansukhlal Chhotalal Panwala; Soni Falia, Gopipura, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property . may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 805, Wd. No. 8, Vohrvad, Gopipura, Surat duly registered on 20-1-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

.Dated: 1-9-1981,

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1154 Acq. 23- Π /81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 4, S. No. 42 situated at Panch Hatdi, Rander, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Pravinchandra Chhaganlal, Shri Harshadbhai Chhaganlal, 21-Kailashnagar, Flat No. 45, 2nd Floor, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Gulam Mohmad Suleman Hafaji; Nagina, Street, Rander, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Tika No. 4, Rander, duly registered in January, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 2nd September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1156 Acq. 23-II/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 55,,000/and bearing

R.S. No. 389-A-1+2+3, TPS. No. 4, F.P. No. 79-B, situated Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely:---

Act, I hereby 'atiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 16--256G1/81

(1) Shri Chandrakant Nathubhai Shah, Wadi Falia, Store Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Virmatiben, Wd/of Manganlal Zaverchact, Navapura, Dalia Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 389-A-1+2+3, TPS. 4, F.P. No. 79-B at Katargam duly registered on 3-1-1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-!I. Ahmedahad.

Dated: 3-9-1981.

Scal:

FORM'ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1157 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 357-A-1+2+3, TPS. 4, F.P. No. 79-B, situated at Katargam, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandrakant Nathubhai Shah, Wadi Falia, Store Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vastupal Chhaganlal Shah, Navapura, Dalia Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 389-A-1+2+3, TPS. 4, F.P. No. 79-B at Katargam, Surat duly registered on 3-1-1981,

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Dated: 3-9-1981

DCHI :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1158 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 389-A-1+2+3, TPS. 4, F.P. No. 79-B situated at Katargan, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Chandrakant Nathubhai Shah, Wadi Falia, Store Sheri, Surat

(Transferor)

(2) Shri Dilipkumar Nagindas, Navapura, Dalia Sheri Surat. Shri Dilipkumar Nagindas, Navapura, Dalia Sheri. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 389-A-1+2+3, TPS 4, F.P. No. 79-B, at Katargam, Surat duly registered on 3-1-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3rd September 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1159 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 2310—Salabatpura, Wd. No. 3, Surat situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Surat on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trusfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Navnitlal Kashiram Patel being Karta of HUF. and Manager and being guardian of minor Bharat and Kirit, Salabatpura, Sidhi Sheri, Surat. 2. Hitendra Navnitlal; Karta of HUF. and Manager and guardian of daughter Jenish. 3. Ramchandra Kashiram—Karta of HUF. and Manager and guardian of minor son Nilesh, daughter Nilima, Hemaxi, Jayshri & Priti. 4. Balvantrai Kashiram—Karta of HUF. and Manager and guardian of Minor son Vipul and daughter Deepa. 5. Rajnikant Kashiram—Karta of HUF. and Manager. 6. Shantaben Wd/of Kashiram Atmaram. All residing at Salabatpura, Sidhi Sheri, Surat.

(Transferors)

(2) Shri Pyarchand Chunilal; N. 1078, Surat Textile Market, Ring Road, Surat. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2310, Wd. No. 3, Salabatpura, Surat duly registered on 20-1-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3-9-1981. .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1160 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 2939/A/1/A/2, Nr. Maharaja Cinema

situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat-on 30-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than ,fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

- (1) 1. Shri Rameshchandra Ambaram Modi; 11/1255, Nanavat Main Road, Surat. 2. Shri Ishvarlal Tha-kordas, Ambaji Road, Opp. Choryasi Dairy, Surat. 3. Shri Chandrakant Jagmohandas Chaliawala; 6/ 708, Galemandi, Moti Sheri, Surat. 4. Shri Jayanti-lal Thakordas; Hari Coop. Society, Bungalow No. 9. Varachha, Surat.
- (Transferors) (2) 1. Shri Champaklal Babubhai; 2. Jekorben Champaklal; 3. Dineshchandra Champaklal; 4. Chandulal Champaklal; 5. Nandkishor Champaklal; Navapura, Navi Sadak, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of, the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property at Nondh No. 2937/A/1/A/2, Near Maharaja Cinema, Surat duly registered on 30-1-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 3-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380, 009, the 3rd September 1981

Ref. No. P.R. No. 1161 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2310, Salabatpura, Wd. No. 3, Surat situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1 1. Shri Navnitlal Kashiram Patel being Karta of HUF, and Manager and being guardian of minor Bharat and Kirit, Salabatpura, Sidhi Sheri, Surat. 2. Shri Hitendra Navnitlal; Karta of HUF. and Manager and guardian of daughter Jenish. 3. Ramchandra Kashiram—Karta of HUF. and Manager and guardian of Minor son Nilesh, daughter Nilima, Hemaxi, Jayshri & Priti 4. Balvantrai Kashiram—Karta of HUF. and Manager and guardian of Minor son Vipul and daughter Deepa, 5. Rajnikant Kashiram—Karta of HUF, and Manager, 6. Shantaben Wd/of Kashiram Atmaram, All residing at Salabatpura, Sidhi Sheri, Surat.
- (2) 1. Shri Narendrakumar Ratanlal Sanghvi; Salabatpura, Mahatma Wadi, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2310, Wd. No. 3, Salabstpura, Surat duly registered in the month of January, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 3rd July 1981

Ref. No. III-498/Acq/81-82.---Whereas, I, H. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touzi No. 5225/14850—Ward No. 33 Circle No. 245, Khata No. 62, situated at Dujra (Boring Road) Patna,

(and more fully described in the Schdeule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Smt. Raj Kumari Singh W/o Shri Kumar Ganpati Prasad Singh on behalf of self & minor sons Shri Kumar Amit Singh & Sri Kumar Ashwin Singh sons of Shri Kumar Ganpati Prasad Singh of Mouza Ranka Raj, P.O. Ranka Raj, District Palamu.

(Transferer)

(2) 1. Shri Krishna Nandan Varshney S/o Deoki Nandan Varshney 2. Smt. Jyotsa-na W/o Sri Krishna Nandan Varshney R/o Mohalla Kadam Kuan, P. S. Kadam Kuan, Patna.

(Transferee)

(3) 1. Shri Krishna Nandan Varshney 2. Smt. Jyotsana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Katha 5 dhurs with single storied pucca house situated at Mohalla Dujra, Patna morefully described in deed No. 324 dated 20-1-81 registered with D. S. R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated: 3-7-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE PATNA

Patna-800 001, the 2nd September 1981

Ref. No. III-510/Acq/81-82.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Cadestral Survey Plot No. 903 and 904, Khata No. 38 and 39 and Touzi No. 18224 situated at Boring Road, Patna, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 23-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prema Devi Bajla W/o Sri Lalit Kumar Bajla resident of 42, Frazer Road, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Jagnani, son of Sri Nand Kishore Jagnani resident of Jahaji Kothi, Boring Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 Katha situated at Boaring Road, Patna more fully described in deed No. 498 dated 23-1-81 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated: 2-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/153.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house in Bazar Hussainpura, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—256GI/81

- Shri Gurdial Singh, Sukhraj Singh, Hardial Singh ss/o Sawaran Singh r/o village Fatiabad Teh. Tarn Taran Distt, Amritsar.
- (2) Shri S. Bela Singh s/o Banta Singh r/o Village Maluwal Teh. & Distt. Amritsar.
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.
- (4) Any other. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One built up house situated in Bazar Hussainpura Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3328/I dated 30-1-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/154.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Hussainpura situated at Amritsar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ajit Kaur d/o Bhagwan Singh r/o Gahri Mandi Teh. & Distt. Amritsar,
- (Transferor)
 (2) Shri Niranjan Singh s/o Banta Singh r/o village
 Maluwal Teh. Tarn Taran Distt. Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of hte property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One built up house situated in Bazar Husainpura Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3325/I dated 30-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/155.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house at Gurdaspur situated at (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at SR Gurdaspur on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys- or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbans Singh, Mohinder Singh Harlkishan Singh ss/o Kartar Singh r/o Dhariwal, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Shri Jugal Kishore & Kuldip Raj ss/o Gurdial r/o Sabji Mandi, Gurdaspur.

 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in One house No. B-3/126 situated on Gita. Bhawan Road, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6797 dated 14-1-81 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar.

Dated: 2-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/156.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house at Gurdaspur situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering

Officer at Gurdaspur on January 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ravail Kaur w/o Harbans Singh, Raj Rani d/o Harbans Singh & Sh. Inderjit Singh s/o Harbans Singh r/o Dhariwal Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferor)
(2) Sh. Gurdial Singh s/o Bihjari Sha & Pardeep Kumar s/o Gurdial 1/o Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at st. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of one house No. B-3/126 situated on Gita Bhawan Road, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6779/dated 13-1-81 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

Scal:

. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 26th August 1981

Rcf. No. ASR/81-82/157.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in New Garden colony Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Guljari Lal Chopra s/o Sh. Krishan Narayan Chopra 15-A/1 East Patel Nagar Delhi through Tarlochan Singh reader court Sh. H. C. Modi Sub-Judge Amritsar.
- (2) Smt. Kamla Wati w/o Sh. Mohan Lal r/o Kucha Ardasian Charusti Attari Amritsai.

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasia No. 1332 min (area 1000 sq. yds) situated in New Garden Colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3166/I dated 19-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 26-8-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/158.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house on Sultanwind Road, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amarjit Singh s/o Labh Singh House No. 2751, Guru Dass Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kulwant Kaur w/o Bhagwan Singh, Lakhbir Singh s/o Bhagwan Singh r/o Gobind Nagar Sultanwind Road, H. No. 588-589 Abadi Jaspal Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at \$r. No. 2 and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 588-589 (kh No.) situated in Jaspal Nagar, Amritsar Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3255/I dated 23-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 29-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/159.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land in Teh. Patti, Distt. Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR Patti on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe tha tthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Bishan Singh Ghuman r/o Kirtowal Teh. Patti Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Kashmir Singh s/o Dhana Singh 1/3 share, Mukhtar Kaur d/o Tehul Singh 1/3 share, Amar Kaur d/o Kashmir Singh 1/3 share, resident of Booh Teh. Patti, Distt. Amritsar.
 (Transferce)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 127 kanals situated in village Buh Teh. Patti Distt, Amritsur as mentioned in these sale deed No. 3816/I/1067 dated 30-1-81 of the registering authority Patti.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 13-8-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/160.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property, having a fair market value exceeding No. Agrl, land in Booh Teh. Patti situated at

(and more fully described in the schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at SR Patti on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Bhupinder Singh s/o Dewa Singh r/o Booh Tch. Patti Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Gopal Kaur wd/o S. Ujagar Singh r/o Booh Teh. Patti Distt. Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) in any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land measuring 93 K 16M gair mumkin situated in Booh Teh. Patti as mentioned in the sale deed No. 3645/I/1064/1 dated 19-1-81 of the registering authority Patti.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 13-8-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/161.—Whereas, I. ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No One Bldg. I/s Hall Gate, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritaar on January, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Mohan Devi wd/o Sh. Mulakh Raj Nayyar r/o Ravi Villa, Maqbud Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Kewal Krishan Principal B. R. Model School, Court Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sd. No. 2 above tenant(s) if any. (Person in occupation of the property) Sh. Kewal Krishan Principal B.R. Model School Amritsur Rs. 1300 PM. since 1975.
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 4-5/12-I&66/22-I situated in I/S Hall Gate Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3059 dated 6-1-81 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

Seal :

18-256GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMEOF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/162.—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Λ ct'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kothi No. 8 Lawrence Road, Amritsar situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Charanjiv Lal S/o L. Duni Chand through Sh. Davinder Nath S/o Chaman Lal r/o 8 Lawrance Road, Amritsar (Attorny)

(Transferor)

- (2) Sh. Amarjit Behal w/o Sh. Jagmohan Behal r/o C-93, Defence Colony New Delhi.
 - (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any Bank of India Rs. 7636.05 paise p.m.
- (4) Any other (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 8 situated on Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3169/dated 19-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chandarpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aca, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/163.—Whereas, I ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Rani Ka Bagh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property-as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shmt. Sushila Devi w/o Sh. Dina Nath r/o 57 Rani Ka Bagh Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Pritam Chand s/o Sh. Virbhan r/o 136 Gopal Nagar, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 57 min No. 645/17 min (area 338 sq intrs) old situated in Rani Ka Bagh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3224/I dated 22-1-81 of the registering authority Armitsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chandarpuri Tylor Road, Amritsaı.

Date: 31-8-81

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/164.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/-

and bearing No.

One property at Tarn Taran situated at Amritaar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Taran Taran on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Dhanwanti Kaur w/o Jarnail Singh s/o Ujagar Singh r/o Lalu Ghuman Teh. Tara Taran Distt. Amritsur.
- (2) Smt. Kamlesh Rani w/o Sh. Surinder Kumar s/o Sat Dev r/o Tarn Taran Distt. Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 4-5/12-I & 66/22-I, situated in I/s Hall consisting of three rooms, two kitchens, varandah, Bethak Deorl & Bath room latrine etc. situated in Abadi Station wali Taran Taran Distt, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4799 No. 29-1-81 of the registering authority Taran Taran.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 29-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/165.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property in Abadi Kot Baba Deep Singh situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagu Singh s/o Sh. Gian Dass alias Gian Singh Albian Drive Londan No. 8 now 116 Khurbarha Mohalla Dehradun now Kot Baba Deep Singh Amritsar self and mukhtar khas min janab Sh. Jaswant Singh & mukhtar khas min janab Smt. Paikash Kaur, Smt. Piari Smt. Surasti & Smt. Kalash Kaur on behalf of her sisters and Smt. Chand Rani sister-in-law.
- (2) S. Santokh Singh s/o S. Jagat Singh r/o Kot Baba Deep Singh H. No. 3791 Bazar No. 1, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 3791 situated in bazar No. 1 Kot Baba Deep Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3251 dated 23-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road,
Amritsar

Dated: 31-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th August 1981 -

Ref. No. ASR/81-82/166.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

ANAND SINGH IRS
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shed on Sultanwind Road, Amritsar situated at

Amritsar,

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Inderjit Kaur wd/o Chanan Singh r/o Guru Nanak Ice Factory, Sultanwind Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Kashmiri Lal s/o Ram Nath & Ram Kumar s/o Ghansham r/o Sultanwind Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shed (area 180 sq. mtre) situated on Sultanwind Road; Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3299/dated 28-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 29-8-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/167.—Whereas, 'I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop situated at Ktr. Ahluwalia, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offier at SR Amritsar on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidya Wati wd/o Beli Ram, Brij Nath, Raj Kumar, Krishan Kumar, Chiman Lal, Daishan Kumar, Sunnder Kumar sa'o Beli Ram r/o 4-Madan Mohan Malvia Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Pal, Satish Paul ss/o Sohan Lal r/o Chawal Mandi Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2' overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
 M/s. Jaju Silk & Woollen Mills Rs. 240/- p.m. for
 about 15 years some other tenant for Rs. 32/- p.m.
 for last so many years.
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaactte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 971/11-23 situated in Ktr. Ahluwalia Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3191 dated 20-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 31-8-81

above rents

FORM ITNS-

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property) Annexure-Il

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/168.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One property in Bazar Kesarian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at SR Amritsar on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Kiran Kumari sons & daughters of Bhagwan Dass, r/o Bazar Keserian, Amritsar.

- (1) Smt. Pushpa wati w/o Bhagwan Dass, Ravinder Kumar, Vinod Kumar, Lata Kumari, Neena Kumari Kiran Kumari sons & ds/of Bhagwan Dass r/o Bazar Keserian, Amritsar.
- (2) S/Shri Mahesh Chand Ashwani Kumar ss/o Lt. Dwarka Dass r/o Bazar Keserian, Amritsar. (Transferee)

Name of the Tenants Rent P.M. Period of Tendency S/Shri 1. Madan Mohan 18 Years 25 22 20/-2. Faquir Chand 3. Brij Lal . 4. Surinder Kumar 30/-,, 30/-15 ,, 30/-12 5. Behari Lal 6. Piare Lal 30/-12 20/-20 Dev Raj ,, 24 35 27 20/-Jawahar Lal 20/-Gian Chand 10. Parshotam Dass 20/-36 Parkash Chand 25 18 12. Brij Mohan 30/-13. Dharam Pal 14. Om Parkash Ravinder Kumar Ajit Singh 16. Parma Nand 35/-Om Parkash 20/-Kishan Madan Lal 20/-Shri Krishan 20 26 Sat Pal Handa Kewal Kapoor 24 23 2 Amrik Singh 23. Kishan Chand 20/-50/-24. Nand Raj & Sons 25 25. Raj Kumar 26. SELF OCCUPIED Rent assu med on the basis of

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/7th share of building No. 551 & 555/4-4 situated in Bazar Keserian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3326 dated 30-1-81 of the registering Authority Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 31-8-81

Seal:

(Transferor)

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/169.-Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One kothi No. 276 Lawrance Road, Shastri Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on February 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons namely:-

9---256GI/81

- (1) Sh. Chiman Lal s/o Sh. Dhana Mal r/o 276 Shastri Nagar Lawrence Road, Amrittar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Gursharan Singh minor son Sh. Bakhshish Singh through guardian Smt. Jagir Kaur r/o Mehal-wal Teh. Ziar Distt. Ferozepur now 390-A Green Avenue Amritanr.

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in kothi No. 276 situated in Tungbala Urban Lawrance Road (Abadi Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3468/I dated 19-2-81 of the registering authority Amritsar,

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 31-8-81

Seaf :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/170.--Whereas, I,

ANAND SINGH IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. One kothi No. 276 lawrance road Shastri Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amiltsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the biect of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chiman Lal s/o Sh. Dhana Mal r/o 276 Shastri Nagar Lawrance Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Jagir Kaur w/o Sh. Bakshish Singh r/o village Mehalwal Teh. Zira Distt. Ferozepur now 39-A

(Transferee)

(3) As at Sr, No. 2 overleaf and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)

Green Avenue, Amritsar.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in kothi No. 276 situated in Tungbala Urban Lawrance Road, Shastri Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3060/I dated 6-1-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-8-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981

Ref. No. ASR/81-82/171.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One kothi No. 276 Lawiance Road, Shastri Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering

Officer at SR Amritsar on January 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair arket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Chiman Lal s/o Sh. Dhana Mal r/o Lawrance Road, Shastri Nagar, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Jagir Kaur w/o Sh. Bakshish Singh r/o Village Mehalwal Teh. Zira Distt. Ferozepur now 390 A Green Avenue Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 - (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sae meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in kothi No. 276 situated on Lawrance Road (Shastri Nagar) Tungbala Urban Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3241/I dated 23-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritaar.

Dated: 31-8-81

- Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1981 ASR/81-82/172.--Whereas, I,

Ref. No. ASR/81-8 ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One kothi No. 276 lawrance Roud Shastri Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 81

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the convideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Sh. Chimar-Lal s/o Sh. Dhana Mal r/o 276 Shastri Nagar Lawrance Road, Amritsar.
- (Transferor) Sh. Gursharan Singh minor son Sh. Bakhshish Singh, through guardian Smt. Jagir Kaur r/o vill-age Mehalwal Tch. Jira Distt. Ferozepur now 390-A Green Avenue, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in kothi No. 276 situated in Tungbala Area Urban Lawrance Road (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3143/I dated 16-1-81 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 31-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/173.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 30/100 share in shop No. 480/6&517/VI-3 in Majith Mandi, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Panna Lal s/o Maharaj Mal r/o Abadi Basant Avenue Amritsar.

(Transferor

(2) Sh. Jai Kishan Dass, Sh. Narsing Murti, Sh. Chatar Bhuj, Sh. Raj Kumar & Suresh Kumar ss/o Seth Jetha Nand shikarpurja, r/o Majith Mandi, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Jetha Nand & Sons Rs. 2000/- p.a. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication off this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30/100 share in shop No. 480/6 & 517/VI-3 situated in Majith Mandi, Amritsar as mention in the sale deed No. 3165/I dated 19-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/174.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 35/100 share inshop No. 517/VI-31 480/VI-3 Majith Mandi situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at SR Amritsar

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jawahar Lal s?o Sh. Maharaj Mal r/o Katra Ahluwalia Gali Majha Singh Attar, Amritsar. (Transferor)
 - (2) Sh. Jai Kishan Dass, Narsing Murti, Chatar Bhul, Raj Kumar & Sh. Kumar ss/o Seth Jetha Nand Shikarpuria r/o Majith Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Jetha Nand & Sons Rs. 2000/- p.a.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE ACHEDULE

35/100 share in shop No. 517/VI-3 & 480/VI-3 situated in Majith Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3163/I dated 19-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/175.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 35/100 share in shop situated at Manjith Mandi, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- The Board of Trust Utradhi Arorbans Baradri Hall Nimak Mandi, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh Jai Kishan Dass, Chatarbhuj, Naising Murti, Ruj Kumar, Suresh Kumar ss'o Sh Jetha Nand Shikarpuria, r/o Marjith Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s Jetha Nand & Sons Rs. 2000/- p.a. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

35/100 share in shop No. 517/VI-3 & 480/VI-3 situated in Majith Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3165/I dated 19-1-81 of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/176.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land on G. T. Road, Jullundur side situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hardari Lal Mehra s/o Manohar Lal r/o Circular Road, Medical College, Katra Ahluwalia Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Harl Singh & Sons, Hall Gate, Amiltsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any M/s. Jetha Nand & Sons Rs. 2000/- p.a.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring (833.1 sq. mtrs) situated at Sultanwind Suburban, G.T. Road, Juliundur side, Amritsar and mentioned in the sale deed No. 8659/I dated 13-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsal.

Dated: 2-9-81

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/177.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land in Vill. Akalgadda situated at Teh. Tarn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR Amitsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—256GI/81

(1) Sh. Attar Kaut wd/o Lal Singh s/o Jai Singh r/o Akal Gadda Teh. Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Amrik, Hardeep Singh Dhanwant Singh Sarabjit Singh Kashmu ss/o Balwant Singh s/o Jai Singh 1/o Village Akal Gadda Teh. Tarn Taran Distt. Amritsai.

(Transferee)

- (3) As at sr. No 2 overleaf and tenant(s) if any
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 434 K 7 M situated in village Akalgadda Teh Tarn Town as mentioned in the sale deed No. 1706 dated 29-1-81 of the registering authority, Tarn Taran

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated · 2-9-81

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritser, the 2nd September 1981

Rcf. No. A\$R/81-82/178.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops on Cooper Road near Bhandari Bridge, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Mehra-Khanna Lucky Scheme Pvt. Ltd. through Sh. Rakesh Khanna Managing Director, 24-Cooper Road, Amritsar.
- (2) M/9 Punam Builders, Rani Ka Bagh, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. 1. Sh. Ka Ram Paanwala 30/- p.m. 2. Sh. V. M. Kulkarni FF 50/- p.m 3. Halwai 73/- p.m. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Two shops No. 145-146/x111-2 situated on Cooper Road near Bhandari Bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3140/1, dated 16-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 2-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/179,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing

No. Shops on Cooper Road near Bhandari Bridge, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s Mehia-Khanna Lucky Scheme Pvt. Ltd. 24-Cooper Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Punam Builders Rani Ka Bagh Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, Sh. Ka Ram Paanwala 30/- p.m. Sh. V. M. Kulkarni FF 50/- p.m. Halwai 73/- p.m. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops No. 147.148 khanasumari, (91 sq. mtrs) situated on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3428/1 dated 12-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/180.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 324 in Green Avenue, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chairman Amritsar Improvement Trust, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Vinod Kumar Gulati & Sh. Parmod Kumar Gulati ss/o Sh. Rup Chand r/o 324 Green Avenue Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old plot of land No. 234 measuring 1.56 sq. metrs situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3188/I dated 21-1-81 of the registering authority

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 3-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER: OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/181.—Whereas, 1, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Plot of land situated in Krishna Square, Batala Road, situated at Amrifsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering.

Officer at SR Amritsar in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rajinder Kumar & Madan Gopal 55/0 Agya Ram, Ashok Kumar minor son Agya Ram through guardian Satyawati, Tibba Bazar, BATALA.
- (Transferor)
 (2) Smt. Nirmal Bhatia w/o Binder Kumar r/o Qila Bhagian, Gali Thakurdawara, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 345 min measuring 166 sq. mtrs situated in Krishna Square, Urban Batala Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3147/I dated 16-1-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 2-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/182.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. 8 kanals land in Dinanagar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at SR Gurdaspur on January 1981 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Mohan Sharma PO Box 379, SOKOTO Chief Architect (MOW) (NIGERIA), Presently on Overseas Leave, (Originally) resident of Mohallah Banian, Dinanagar, Tehsil & District Gurdaspur, Panjab India, through Sh. Danesh Ohri Advocate, Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Bharat Indu s/o Jai Chand Ohri, Dinanagar Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferec)

(3) As at sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 kanal land situated in Dinanagar as mentioned in the sale deed No. 6559 dated 2-1-81 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 27-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/183.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18 kanals land situated at Dinanagar (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Madan Mohan Sharma PO Box 379, SOKOTO Chief Architect (MOW) (NIGERIA), Presently on Overseas Leave (Originally) resident of Mohalla Banian, Dinanagar, Tehsil & District Gurdaspur, Punjab India through Shri Danesh Ohri, Advocate, Gurdaspur.
- (Transferor)
 (2) Sh. Bharat Indu s/o Jai Chand Ohri r/o Dinanagar
 Teh. & Distt, Gurdaspur.

 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 kanals situated in Dinanagar as mentioned in the sale deed No. 6671 dated 7-1-81 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri tylor road,
Amritsar.

Dated: 27-8-91

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1981

Rcf. No. ASR/81-82/184.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 kanals land situated at Dinanagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Gurdaspur on January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Madan Mohan Sharma PO Box 379, SOKOTO Chief Architect (MOW) (NIGI-RIA) Presently on Overseas Leave (Originally) resident of Mohalla Banian, Dinangar, Tehsil & Distt. Gurdaspur, Panjab India through Shri Danesh Ohri, Advocate, Gurdas-
- (2) Sh. Bua Dass s/o Jagat Ram, 1/o Dinanagar. Teh, & Distt. Gurdaspur.

(3) As at sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals situated in Dinanagar as mentioned in the sale deed No. 6957 dated 20-1-81 of the registering Authority Gurdaspur.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, chanderputi tylor road, Amritsar.

Dated: 27-8-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/185.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot of land situated at Queens Road, Amritsar (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amuitsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—256GI/81

 Shri Ashok Kumar s/o Shri Janki Dass r/o 102 Verdan Road Bombay through Shmt. Raj Kumari attorney.

(Transferor)

- (2) Shri Diwan Chand s/o Shu! Mulakh Raj r/o 13-Cooper Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One plot in Khasra No. 238 situated at queens road Amritsar as mentioned in the sale deed No 3017/1, dated 1-1-81 of the resigtering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 3-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/86.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One shop situated at Ktr Mohan Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Kumar Jain s/o Shri Bhagwan Dass Jain r/o Shop No. 231-B Sadar Bazar Jawahar Market Delhi now Bazar Mahalguru Amritsar through Shri Hans Raj Mukhtar Khas.

(Transferor)

(2) Shi Om Parkash, Ashwani Kumar, Joginder Pal, Chand Mohan ss/o Shri Hans Raj Kucha and Bazar Partap Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 1827/4 and No. 1627/4 old and No. 778 (area 66 sq. mtrs) situated in Ktr. Mohar Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3207/I dated 21-1-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 3-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 2nd September 1981

Ref. No. ASR/81-82/187.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl, land in village Uppla situated at Teh. Tarn Taran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran in February 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hardeep Singh s/o Balwant Singh alias Banta Singh s/o Harnam Singh Jolupur Khera Teh, Baba Bakala Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh Sarabjit Singh ss/o Naurang Singh s/o Mangal Singh Village Gagrewal Sub-Tehsil Khadursahib, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 90K 2M situated in village Uppla Teh. Taran as mentioned in the sale deed No. 1787 dated 9-2-81 of the registering authority Taran Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 8-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Bombay, the 21st August 1981

Ref. No. AR-III/1964/81-82 (A.P. 376).—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 25, S. No. 112A(pt) 103B situated at Hariali, (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 27-2-1981 Doc. No. S-2799/79, for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pratapsinh Shoorji Vallabhdas.
- (Transferor)
- (2) Ranchhoddas Karsondas Rangwalia and Prakash Ranchoddas Asher.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2799/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 27th February 1981.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang-III, Bombay

Date: 21-8-1981

11347

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 21st August 1981

Ref No AR-III/1945/1/81-82—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No 33 of Private layout, CTS No 366(pt), S No 14A(pt), situated at Sion-Tiombay Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1981 Document No S-274/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Swastik Textile Mills Limited

(Transferor)

(2) Mis Nalini Kashinath Velankai & Mis Vasundhaia Anand Sathaye

(Transferee)

(3) The Swastik Textile Mills Limited.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-274/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 16 1-1981

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Dated 21-8-81 Seal:

(1) Shri Balkrishna Natwarlal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lajwanti Bhagwantrai Jindal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 1st September 1981

Ref. No. AR.II/3126-13/Jan 81.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 70, Plot No. 9, situated at Juhu Vile Parle Development Scheme, Bombay-56 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bandra on 7-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 1056/ registered with the Sub-registrar, Bandra, Bombay on

> SANTOSH DATTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-9-1981

(1) The Safe Co-op. Bank Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandanbala Kutir Co-op. Hos. Sec. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th September 1981

Ref. No. AR. Π/3140.27/Jan.81.—Whereas I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12B Paranipe Scheme A. situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period or less than the period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2244/ 79 as registered with the Sub-registrar of Bombay on 29-1-1981.

> SANTOSH DATTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 4-9-1981

Şeal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 5th September 1981

Ref. No. AR-III/1947/1/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 100, H. No. 2, CTS No. 174, situated at Chakala Andherl, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-1-1981 Doc. No. S-2163/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hemant Indulal Mehta & Bhagubhai Kashibhai Patel.

(Transferor)

(2) Life Insurance Corporation Employees Samadhan Co-operative Hsg. Soc. Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2163/80 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 1-1-1981.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/CA-5/SR. Kalyan/Feb.81/526/81-82.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 270A, H.No. 6(pt.), 7(pt) & 8(pt) situated at Thakurli, Tal. Kalyan, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer

at S.R. Kalyan on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumetn of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-22-256GI/81

(1) 1. Tukajam Bapux Patil,

Bhagwan Tukaram Patil, 3. Mis. Barki Bhagwan Patil,

Gulab Bhagwan Patil,

Sangita Bhagwan Patil, Ganesh Bhagwan Patil,

Abhimanyu Tukaram Patil, Mrs Usha Abhimanyu Patil,

9. Dipali Abhimanyu Patil, 10. Baby Abhimanyu Patil,

Hanuman Tukaram Patil, and
 Balkiishna Tukaram Patil,

All residing at Naupada, Mahatma Phule Road, Vishnu Nagar, Dombivli, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Messis. Gandhi & Amaisey 10, Glaham House, Ballard Estate, Bombay-400 038.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situated at Thakurli All that piece or parcel of tand situated at Thakurli bearing S. No. 270A., Hissa No. 6(pt), 7(pt) and 8(pt) admeasuring 1649.5 sq. yds. i.e. 1379.21 sq. mts at Thakurli Til. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1124, dt. Feb. 1981 in the office of the Sub-Registrai, Tal. Kalyan, Dist. Thane).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Poona

Date : 17-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli-II/Jan.81/527/81-82.— Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding \$. No. 521, CTS No. 680, T.P.S. No. 3, F.P. No. 322/8, situated at Gunj Peth, Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R Haveli-II on 20-1-1981

for an apparent consideration which is lessthan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Ushadevi G. Khot, 992/993/29 B, Rajendta Nagar, Pune-30.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Purben Laljibhai Patel, Mis. Shantaben Raojibhai Patel,
 Mrs. Banuben Khiljibhai Patel,

4. Damodar Laljibhai Patel, 322/8, Shankershet Road, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 521, C.T.S. No. 680, T.P. Scheme, No. 3, Final Plot No. 322/8, At Gunj Peth, (Ghorpadi), Pune.

Area 5763 sq. fts.
(Property as described in the sale-deed registered under document No. 329, dated 20-1-1981 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Dist. Pune).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 17-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 22nd August 1981

IAC/CA5/SR. Bom/Jan. '81/529/81-82.-Ref. No. Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 102-B,

situated at Village Mumbra, Tal. Kalyan, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on 31-1-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Rustom Ardeshir Gagrat and another, Through C.A. Perni Framroze Driver, 9. Palsar Bldg., 731, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

(Transferor)

(2) Mek Engineering Works Pvt. Ltd., Satyam', M.G. Road, Naupada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 102-B, Village Mumbra, Taluka Kalyan, Dist. Thane. Area 48764.77 sq. mts.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R-5396, dated 31-1-1981 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 22-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th August 1981

Ref. No. 1AC/CA 5/SR. Nasik/March'81/528/81-82.—Whereas I, SHASHIKANT KUI KARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 608-K/3, C.S. No. 608-B/2, situated at Ghankal Lane, Tilak Path, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on 5-3-1981,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sou. Ratnaprabha P. Vaishampayan, 2. Shri Prakash P. Vaishampayan, 'Dipiyoti', Gangapur Road,

Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Shantilal Patel, 'Shital' Building, Bytco Industrial Road, Near Giriraj Society, Nasik Road.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 608-K/3, C.S. No. 608-B/2, Ghankal Lane, Tilak Path, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 739, dated 5-3-81 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 29-8-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th August 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Miraj-I/Feb. '81/525/81-82.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 807, H. No. 1/1 to 3/2, 8 to 17, 19 to 20, Plot No. 4, situated at Tal. Miraj, Dist. Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Miraj-I on 8-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) I. Shri Annagauda Ramgauda Patil,
 - 2. Sou. Sushila Annagauda Patil, 3. Shri Baburao Sivappa Havaldar, At Kagwad, Tal. Athani, Dist. Belgaum.

(Transferor)

(2) 1. Sou. Sunita Dharamchand Shah,

 Master Umesh D. Shah,
 Master Sujit D. Shah,
 C/o Dharmchand Bhikubhai Shah,
 Peth Baugh, C.S. No. 1393 B-1, Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 807, Hissa No. 1/1 to 3/2, 8 to 17, 19 to 20 Plot No. 4, in the Miraj Municipal Limits, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1608, dated 8-2-1981 in the office of the Sub-Registrar, Miraj-I, Dist. Sangli.).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 29-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh Deepak Kumar Chaudhari S/o Sh Bhopal Singh Chaudhari, Bhilwara. (Transferor)

(2) Sh. Devender Kumar Jain S/o Sh. Chiranjilal Jain Bhilwara. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1046.--Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot'situated at Bhilwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhilwara on 16-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot of land situated at Kashi Puri, Bhilwara & more fully described in the sale deed registered by S.R., Bhilwara vide his registration No. 244 dated 16-2-81.

M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 29-8-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th August 1981

Ref. No. Whereas, I. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Four Shops situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Alwar on 15-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Kiran Chand S/o Sh. Daulat Ram Jain R/o

(Transferor) (2) M/s Lokopakarak Pharm acitical works, Alwar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

4 Shops with first & Second floor in Sarafa Bazar, Alwar & more fully described in the sale deed registered by S.R., Awlar vide his registration No. 24 dated 15-1-81.

> M. L. CHAUHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 29-8-81

(1) Shri Lajpat Rai Sharma S/o Gordhan Dass, Niwasi B-209, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Di. Hari Singh S/o Chandra Singh & Smt. Mohini Devi W/o Mangal Chand Niwasi 209-A, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1045.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. B-209 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. B-209 A, Bapu Nagar, Jalpur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his No. 244 dated 20-1-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-8-81

Seal:

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 22nd April 1981

No. 332/81-82 —Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Door No. 202(1) (New) situated at Flower Street, Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bellary under document number 4508 on 28-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--23-256GT/81

- (1) 1. Shri H. K. Doddarudiappa S/o late H. K. Shantappa
 - 2. Smt. H. K. Kamalamma W/o H. K. Sannarudrappa
 - 3. Shri H. K. Jagannathappa S/o late H. K. **Shantappa**
 - 4. H K. Prasad, minor guardian Smt. H. K. Kamalamma
 - 5. H. K. Wani, minor -do-
 - 6. M. K. Sharadamma minor —do-
 - 7. Smt. Iramma W/o late H. K. Shantappa
 - 8. Rajappa S/o late H. K. Shantappa R/o Hirehal, Tal: Rayadurg, Distt: Anantapur. (Transferors)
- (2) 1. Shri N. Mohammad Iqbal, S/o late N. Mahaboobsabu
 - 2. Shri N. Khaja Nizamuddin, S/o late N. Mahaboobsabu
 - 3. Shri N. Nazir Ahmed, S/o late N. Mahaboob-
 - 4. Shri N Mohammad All, S/o late N. Mahaboobsabu
 - Oil Merchants, Flower Street, Bellary.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4508, dated 28-1-1981). Lind and building (partly two storeyed) bearing Door No. 202(1) (New), situated at Flower Bazar, Bellary.

> R. THOTHATHRI Competent Authrolty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Dated: 22-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th July 1981

C.R. No. 62/29721/80-81/ACQ-B.--Whereas I, Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO,

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New No. 117/1 (Old No. 8 & latter 10) situated at Cubbonpet Main Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore under Document No. 4044/80-81 on 17-1-1981.

for an apparent ensideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) (1) Sri M. Govinda Rao
 - (2) Smt. Shantha Bai
 - (3) Kum. Hemalatha
 - (4) Master Dinesh
 - (5) Master Daranesh Mo. 3 to 5 are Minors and represented by mother Smt. Shantha Bai.
 All residing at No. 83/1A "Maruthi Krupa", 15th cross Swimming Pool Extn., Malleswaram, Bangalore-3.

(2) Smt. Savith Bai alias Santhari Bai No. 101, Pillappa Lane, J.M. Road Cross, Bangalore-53.

(Transferees)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4044/80-81 Dated 17-1-1981] All that property bearing New No. 117ffl1 and Old No. 8 and latter 10, situated at Cubbonpet, Main Road, Bangalore.

Bounded by:—
On North-Cubbonpet Main road

On South-Property belonging to Smt. N. Shanthabai On West-Premises of Sri E.B. Naidu

On East-22nd cross.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri M. V. Mallikarjunappa, s/o Sri M. P. Veerabhadrappa, Kaipet, Davangere.

(Transferor)

(2) Sri P. A. Ganapati Mudaliar, s/o Sri Appavu Mudaliar, Pr. in Mus. P. A. Ganapati Mudaliar, Bamboo Bazar, Davangere.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st July 1981

No. 352/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 11 & 12 situated at Anekenda Village, Davangere Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Davangere under document No. 5241 on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5241 Dated 20-1-1981]
Agricultural land measuring 1-Acre 25-Gunthas in Survey
No. 11 & 1-Acre 25-Gunthas in Survey No. 12 situated at
Anckonda Village, Davanagere Taluk.

DR. V. N. LALITHKUMAR RA/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely :--

Date: 31-7-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-, TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore, the 31st July 1981

No. 351/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Survey No. 11 & 12 situated at Anekonda Village, Davangere Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Davangere under document No. 5290 on 21-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this, notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri M. V. Vijayakumar, S/o Sri M. P. Veerabhadrappa, Kaipet, Davangere.

(Transferor)

(2) Sri P. A. Ganapati Mudaliar, S/o Sri Appavu Mudaliar, Pr. in Mfus. P. A. Ganapati Mudaliar & Bros. Bemboo Bazaar, Davangere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5290 Dated 21-1-1981]
Agricultural land measuring 1-Acre 20-Gunthas in Survey No. 11 & 1-Acre 20-Gunthas in Survey No. 12 situated at Anekonda Village, Davangere Taluk.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-7-1981

(1) Mrs. Basalingavva W/o Shivashankar Balakundri, R/o No. 1704, Ramadevgalli, Belgaum.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Appasaheb P. Gotadaki.
(2) Smt. Vijayamala A. Gotadaki.
R/o No. 486, Sherigalli, Belgaum.

(Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 340/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing RS. No. 57/1, plot No. 774 situated at Anagol, Begaum (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bengaum under document number 3510 on 16-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-ideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3510 Dated 16-2-1981] Open land measuring 859.94 Sqm. bearing Rs. No. 57/1 Plot No. 774 situated behind Gogte College of Commerce, Anagol, Belgaum.

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Visrama Sirarama Sinai Khandeparkar, H. No. 124, Khandepar, Goa.

(2) Shri Antenio Monino Pacheco,

(2) Shri Antenio Monino Pacheco, C/o Sri Caitana Silvena, Cannem Bardora, Ponda, Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 2nd July 1981

No. 341/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangaloro

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Matriz No. 447, New Survey No. 23/1 situated at Ponda-Panaji Road, Ponda-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponda under document number 55 on 19-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

[Registered Document No. 55 Dated 19-2-1981]

Land measuring 7600 Sqm. (excluding the area occupied by nullah and roads which is 100 Sqm) known as "Metado do Predio Tocximo" or "Goneca Conda Betu Nqique" or "Madda Voril Bageta" enrolled in Matriz No. 447 and new survey No. 23/1, situated at Ponda-Panjim Road, Ponda, Gon

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-7-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 342/81-82.—Whereas, J, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Survey No. 179/9 (New) situated at Condalium, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mapusa under document number 108 on 23-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (1) Shri Justino Lawrence Tome das Neves Amaral alias Tome das Neves Amaral, R/o Caranzalem, Ilhas, Tisvaddi.
 - (2) Kum. Vilma Amelia Amaria Amaral D/o Justino das Neves Amaral R/o Caranzalem, Ilhas.
 - (3) Shri Walter Caimel Basil Amaral, S/o Justino Amaral, Acting through Shri Justino Amaral,
 (4) Smt. Liberata Aleluia Virginia Victoria de
 - souza, R/o Ana Vaddo, Candalim.
 (5) Shri Bernard Francis de Souza R/o Bandra,
 - Bombay-50.
 - (6) Shri Antonia Visitacao Pinto, Rodrigues, R/o Ana Vaddo, Candolim.

 (7) Shri Denise Edward Pinto R/o Bandra,
 - Bombay-50.

(2) Smt. Satiavati Jaidev Sangodkar, R/o Candolim, Bardez.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 108 Dated 23-1-1981] Land and huilding known as "Dempeacheon bata" "Ganga Matiol" surveyed under No. 179/9, situated Candolium, Goa.

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-7-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 343/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 1 situated at Feira Alto Mapusa (and more fully described in the Schedule annexed hereta) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mapusa under document number 116 on 9-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Servulo Britto.
 Smt. Aniceta Britto.
 R/o Nerul, Ward Batier, Bardez, Goa.
 (Transferor)
- (2) Shri Shankar Usno Bhobe, R/o H. No. 5/229, Alto Mapusa, Bardez, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 116 Dated 9-2-1981]

Flat No. I on the ground floor of the building known as "Belle View" situated at Feiro Alto Mapusa, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 344/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

CTS. No. 333-8/4 situated at Gondhali galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 3467 on 10-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--24-256GI/81

(1) 1. Shri Gangadhar P. Munchadikar.

 Shri Krishna P. Munchadikar.
 Shri Shivaji P. Munchadikar.
 R/o H. No. 333-8/A, Gondhali galli, Belgaum. (Transferor)

(2) 1. Shri Krishnamurthi L. Sutarave.

 Shri Vinayakumar L. Sutarave.
 Shri Chandrakant L. Sutarave.
 R/o H. No. 333-8/A, Gondhali galli, Belgaum. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3467 Dated 10-2-1981] Land and building bearing CTS. No. 333-8/4 situated at Gondhaligalli, Belgaum.

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 345/81-82.—Whereas, I, DR, V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Bungalow No. BC-59 on GLR No. 198 situated at Camp, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Belgaum under document number 3622 on 26-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- Vimalabai Veeragouda Desai. (1) 1. Smt.
 - 2. Shri Lingouda Veeragouda Desai. Smt. Vijaya Daulatagouda Patil.
 - Miss Nirmala Veeragouda Desai. R/o H. No. 225, Tilakawadi, Belgaum.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kishore Purushottam Pradhan.
 2. Smt. Rekha Kishore Pradhan.
 3. Smt. Usha D. Desai.

 - 4. Shri Prabhat D. Desai. R/o Nagzari Hill, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Gazette. ·

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document number 3622 Dated 26-2-1981] Land and bungalow No. BC-59 on GLR No. 198 with outhouses, compound etc., situated at Camp (Cantonment) Belgaum,

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-7-1981

FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B N. Harsha, S/o late B. N. Narappa Mandipet, Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Rajashekhar S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 346/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 599/1 to 5 situated at 5th Ward, KB Extension, Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Davanagere under document number 5820 on 5-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5820 Dated 5-2-1981] Land and building bearing Door No. 599/1 to 5 situated at 5th Ward, KB Extension, Davanagere.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 3-7-1981

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. N. Harsha S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.

Mandipet, Davanagère.

(1) Shri B. N. Rajashekhar, S/o late B. N. Narappa,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 3rd July 1981

No. 347/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 206 (old) present No. 251 situated at 4th Ward, Chamarajpet, Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Davanagere under document number 5820 on 5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely '—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5820 Dated 5-2-1981]

1 and and building bearing Door No. 206 (Old) present No. 251 situated at 4th Ward, Chamarajpet, Davanagere.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th July 1981

No. 348/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dood No. 599/1 to 5 and 1107 (Part) situated at K. B. Extension, Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Davanagere under document number 5819 on 5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri B. N. Muniyappa S/o late B. N. Narappa, Jayachamarajnagar, Hubli.
 (Transferor)
- (2) Shri B. N. Harsha, S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5819 Dated 5-2-1981]

Land and building bearing Door No. 599/1 to 5 and godown bearing door No. 1107 (Part) situated at V Ward, K. B. Extension and Regulated market area, Davanagore respectively.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1981

FORM LTNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 9th July 1981-

Notice No. 349/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS. No. 4595 situated at 1st Ward, Shri Jayachama-rajnagar, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.....on at Davanagere under document number 5819 on 5-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. N. Harsha, S/o B. N. Narappa,, Mandipet, Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Muniyappa S/o. late B. N. Narappa, Jayachamarajnagar, Hubli,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5819 Dated 5-2-1981] Land and building bearing CTS. No. 4595 situated at 1st Ward, Shri Jayachamarajnagar, Hubli.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-7-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 10th August 1981

C. R. No. 62/29449/80-81/acq/B.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. 40, situated at Netaji Road,

Civil Station, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Shivaji Nagar under document No. 3664/80-81 on 12-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :--

- (1) (1) Zubeda Khatoon alias Mumtaz Begum, w/o Noor Mohammed Khan
 - Hurmath Khatoon alias Mahfoza Begum, w/o Nawab Ali Khan
 - (3) Nusrath Khatoon alias Muqtiar Begum w/o M. M. Allam
 - (4) Mazhar Khatoon alias Mahera. w/o Abdul Whahab
 - (5) Mubcena Khatoon alias Mussarath, w/o Muqbul Ahmed
 - (6) Mubarakh Khatoon alias Mohsena, wd/o Late Mr. Mr. Babu Khan.

- (7) Kaniz Fatima alias Naheda, d/o late Babu Khan.
- (8) Sahiba Fatima

- (9) Tafassam Firdos (10) K. Shakil Ahmed (11) Hasnath alias Lalu (12) K. Khaleel Ahmed.

All presently residing at No. 45/1, Miller Road Cross, B'lore.

(Transferor)

- (2) (1) Sri Vıswanath Mittal
 - (2) Sri Omprakash Mittal(3) Sri Shivakumar Poddar

 - (4) Sri Radhesyam Agarwal

(Transferee)

C/o Sri R. S. Agarwal, No. 15, Brunton Road Cross, Bangalore.

[person(s) in occupation of the property]

(4) M/s. Chittiappa & Associates, No. 72, Cumingham Road, Bangalore.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3664/80-81 dated 12-1-'81) All that piece and parcel of land together with building there on adn situated at present bearing Municipal No. 40, Netaji Road, Civil Station, Bangalore, Bounded by:

On North:—by the property of Manikam Chettiar On South:—By Cottages bearing No. 1 & 2.

On East:—By Private Property.

On West :- By Netaji Road.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-8-1981.

Scal:

 Saple' & Associates, No. 7, Lotus Apartments, F. L. Gomes Road, Vasco-da-Gama, Goa

(Transferor)

(?) Shri Jose Maria Geraldo Sanches, Near Gitanjali Building, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th August 1981

Notice No. 353/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, Shops No. 1, 2 & 3 in Chalta No. 15 situated at Vasco-da-Gama, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mormugao under document number 8/81 on 7-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the axid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 8/81 Dated 7-1-1981]
Flat No. 1 on the first floor and three shops bearing No.
1, 2 & 3 and a godown (including land) in the ground floor in the building known as "Happy Apartments" bearing Chalta No. 15 and situated at Vasco-da-Gama, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-8-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560001, the 20th August 1981

C.R. No. 62/29521/80-81/ACQ/B.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15 & 16, situated at Lavelle Road, Bangalore-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No 3844/80-81 on 29-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—256 GI/81

(1) (1) Shri P. R. Nirmalanand (2) Smt. Kalavathi N. Poll

(3) Sri P. R. N. Shilegh, No. 297, Akkithimmanahally Layout, Shanthinagar, Bangalore-27. (Transferors)

- (2) Shri C. P. Panchakshari, No. 1042, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-10. (Transferee)
- (3) Shri Vasudeva Bhupal, No. 16, Lavelle Road, Bangalore-1,
 (2) Sri Bhaskara Rao K. No. 15, Lavelle Road,
 Bangalore.

(Person(s) in occupation).

*(4) Shri/Shrimati/Kumari.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3844/80-81 dated 29-1-1981]
Property bearing Nos. 15 & 16, situated at Lavelle Road,
Bangalore-1, measuring 274, Square Meters of land with
building thereon.
Bounded on:—

Bounded on:

North—by Private property
South—by Lavelle Road Cross.
East—by Lavelle Road
West—by Private Property.

DR. V. N LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 20-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. M-124/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

148, situated at Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 26-2-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hem Lata Singh

(Transferor)

(2) (1) Shri Manjeet Singh and (2) Shri Param Jeet Singh

(Transferee)

(3) Above Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 1200 sq. yards out of Kothl No. 148, situate at Civil Lines, Barcilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1600 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Barcilly, on 26-2-1981.

A. S. BISEN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 17-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE

(1) Smt. Hem Lata Singh

(Transferor)

(2) Shri Hari Dwar Singh

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lúcknow, the 17th August 1981

G. I. R. No. H-40/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Kothi No. 148 situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 26-2-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Part of Kothi No. 148, situate at Civil Lines, Bareilly, land measuring 363.33 sq. yards and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1599 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 26-2-1981.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-8-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th August 1981

G. I. R. No. J-54/Acq.--Whereas, I. S. BISEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

128A. Civil Lines, situate at Bareilly (and morefully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 31-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of anv Income any moneys or other which have assets not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harbana Lal Talwar

(Transferor)

(2) (1) Jitendra Malik

(2) Ajai Malik (3) Vijay Mohan

(Transferee)

Above transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service ď notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 128-A, measuring 610 sq. yards, situate at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 31-1-1981. .

> A. S. BISEN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-8-81.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW Lucknow, the 20th August 1981

G. I. R. No. R-158/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 35-MI3-B, situated at Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annated hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 17-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Narain Tandon

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Goel

(Transferce)

(3) Above transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land No. 35-M/3-B measuring 596.25 sq. yards situate at Rampur Bagh, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 526 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 17-2-1981.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-8-81

Sca):

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 27th August 1981

G. I., R. No. R-159/Acq.-Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 215 situated at Civil Lines, Barellly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the manifity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) (1) Shri Krishna (2) Krishna Kumar
 - (3) Arun Kumar (Minor) Through his father and guardian, Krishna Kumar. (4) Krishna Murari Sharma

 - (5) Vijai Kumar S/o. Krishna Kumar (6) Arvind Kumar and

 - (7) Raj Kumar, Minor sons through their father and guardian, Shri Krishna Murari Sharma. (Transferor)
- (2) (1) Ramesh Chandra Saxena
 - (2) Aditya Kumar
 - (3) Anilesh Kumar Alok Kumar and
 - (5) Manoj Kumar (Sl. Nos. 3, 4 and 5-Minors) Through their father and guardian, Shri Ramesh Chandra Saxena.

(Transferee)

- (3) Above transferee and
 - (1) William Dass 7 (2) C. H. Burnard Tenants

 - (3) K. C. Agarwal J (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

BBungalow No. 215, situated at Civi Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1562 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 11-2-1981.

> A. S. BISEN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-8-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1981

No. G.I.R. No. A-101/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2144 and 2145 situated at Village-KANAUSI, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Lucknow on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrì S. Krìshna.

(Transferor)

- (2) Adarsh Cooperative Housing Society Ltd. Lucknow, Office at HIG-66, Aliganj Housing Scheme, Lucknow, President—Shri Brij Bhushan Jindal.
- (3) Above purchaser.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri X
(Person whom the undersigned, knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot Khasra No. 2144 and 2145 measuring 1960.19 sq. mtrs. and 3351-37 sq. mtrs. respectixely sitpatew at village Kanausi, Teh., Pargana and Distt. Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the form 37G No. 7488 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow. in January, 1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated: 27-8-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1981

No. G.I.R. No. A-102/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,/000- and bearing

No. Khasra No. 2235 situated at Village-Kanusi, Teh.

Pargana & Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Lucknow on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reahon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. S. Krishna.

(Transferor)

(2) Adarsh Pragatisheel Cooperative Housing Society Limited, Lucknow, Office at HIG-66, Aliganj Housing Scheme, Lucknow, President-Shri Brij Bhushan Jindal.

(Transferee)

(3) Above purchaser.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 2235 measuring about 2213.34 sq. mtrs. or 23,825 sq. ft. stiuated at village Kanausi, Pargana, Tehsil and Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 7307 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, in January, 1981.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated: 27-8-81.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1981

No. G.I.R. No. M-126/Acq.—Whereas, I, A. S. BISFN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 585 situated at Rahim Nagar, Mahanagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-1-1981

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26-256G1/81

(1) Shri Shambhoo Nath.

(Transferor)

(2) Shri Mahadeo Prasad.

(Transferee)

(3) Shri Mahadeo Prasad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot of land No. 585 measuring 2700 sq. ft. situated at Rahim Nagar, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 133 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-1-1981.

A. S. BISFN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Dated: 27-8-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACI', 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1981

No. G.I.R. No. P-86/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Civil Lines, Bareilly,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. S/Shri Manohar Lal Kapoor. 2. Rakesh Kapoor. (Transferor)
- (2) S/Shri 1. Prabhakar Dutta Sharma. 2. Brij Murari Pathak. 3. Smt. Prabha Pathak.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situate at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37G No. 1068 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, in February, 1981.

A. S. BISEN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated: 27-8-81.

Seal;

FORM ITNS-----

(1) Shri Sekhar Nath Banerjee & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanahaiya Lal Mehrotra

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta the 14th August 1981

Ref. No. SI-586/TR-522/80-81.--Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 92 situated at Elliot Road, Calcutta

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Buildings and outhouses being premises No. 92 Elliot Road, Calcutta, along with land admeasuring 11 cottahs 5 chittacks more or less registered with the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 89 dated 7-1-81.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700016

Date 14-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Homstead (P) Ltd., 10-Waterloo Street, Calcutta-700 069.

(Transferor)

(2) M/s. Subhra Chowdhury, 75-Hemnaskar Road, Calcutta-10,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ÕFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 28th August 1981

Ref. No. AC-31/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Hem Naskar Road, P. S. Beliaghata, Calcutta-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 8-1-1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Atea: 202.17 sq. mtr. at 75, Hemnaskar Road, P.S. Beliaghata, Calcutta-10. More particularly described in deed No. 128 of R. A. Calcutta of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 28-8-1981

Sri Rabindra Kumar Parhi, 100/2B, Serpentine Lane, Calcutta-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) Ram Sagar Mishra, P-9, Charakdanga Road, Calcutta.-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 28th August 1981

Ref. No. AC-30/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, -1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 20, situated at Shib Kristo Daw Lane, P.S. Narkeldanga, Distt. 24-Pargs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sealdah on 21-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 7K 8 Ch. at 20 Shib Kristo Daw Lane, P.S. Narkeldanga, Distt. 244Parganas. More particularly described in deed No. of S.R. Sealdah of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 28-8-1981

[PART III--Sec. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Asha properties Pvt. Ltd. (in voluntary liquidation), P.S. Ballygung, 24-Parganas.

Narayan Chandra Banerjee.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 28th August 1981

Ref. No. AC-29/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 100/1/2, situated at Alipore Road, P.S. Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Alipore, 24-Pargs. on 21-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

lng persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gractic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

Area: 170.47 sq. mtrs. (vacant) at 100/1/2, Alipore Road, P.S. Alipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 251 of S.R. Alipore, 24-Parganas of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 28-8-1981

Dalim bala Dası.

(Transferor)

Sti Rant Sati Co-operative Housing Society Ltd., Calcutta.

(Transferce)

(3) Ram Bina Yader.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 28th August 1981

Ref. No. AC-28/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2E, situated at Matilal Basak f.ane, P.S. Phulbagan, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area: 4K. with structure at 2E Matilal Basak Lane, P.S. Phulbagan, Calcutta. More particularly described in deed No. 39 of S.R.A. Calcutta of 1981

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Calcutta

b. ng Day*; 28-8-1981 Scal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutte, the 28th August 1981

Ref. No. AC-27/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. 2E, situated at Mati Lal Basak Lane, P.S. Phulbagan, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian at S.R.A. Calcutta on 3-1-1981

Belgaum under document number 3622 on 26-2-1981 from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Sm. Manada Bala Dassi,

(Transferor) Sri Rami Sati Co-op. Housing Society Ltd., Calcutta-54. (Transferee)

Paresh Chandra Das.
(Persons in occupation).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 4 K. with structure at 2E-Matilal Basak Lane, P.S. Phulbagan, Calcutta. More particularly described in deed No. 38 of S.R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-

Date: 28-8-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd September 1981

Ref. No. 1/Ref./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
As per Schedule, situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Kanpur on 3-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mbarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

27-256GT/81

(1) Shri Staney D. Narona, 34, Cant, Kanpur.

(Transferor)

(2) R. S. Cooperative Housing Society Ltd., 113/21 7, Swarupnagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of, the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 8 Bighas and 2 Viswa situated, Binayakpur, Kanpur was sold for Rs. 1,83,904/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Date: 2-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd September 1981

Ref. No. 2/Ref./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 29-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sarla Devi, Kartar Singh, Shamsher Singh, Shiv Dan Singh, Smt. Shanti Devi, Bullan Singh, Panki, Gangaganj, Kanpur.

(2) R. S. Cooperative Housing Society, Ltd. 113/217, Swaruonagar, Kanpur.

. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 from the date of the publication of this notice in the Official Constitution.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring about 130 Bighas situated at Binayakpur was sold for Rs. 44,67,600/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-9-1981

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd September 1981

Ref. No. 3/Ref./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 29-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkets has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Shri Jhnoe, Badlu, Nanku, Lakhar, Ram Sevak, Ram Swarup, Girja Shankar, Saitu, Panki, Gangaganj, Kanpur.
 - (Transferor)
- (2) R. S. Cooperative Housing Society, Ltd. 113/217, Swarupnagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring about 16 Bighas situated at Binayakpur, Kanpur was sold for Rs. 5,37,200/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Date: 2-9-1981

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Staply D. Narona, 34, Cantt., Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. S. Cooperative Housing Society, Ltd. 113/217, Swarupnagar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd September 1981

zRef. No. 4/Ref./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has ont been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring about 3 Bighas and Viswansi situated at Binayakpur, Kanpur was sold 12 for Rs. 68,500/-.

> BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Agt, to the following persons, namely:

Date: 2-9-1981

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Stanly D. Narona, 34, Cantt., Kanpur.

(Transferor)
(2) R. S. Cooprative Housing Society Ltd. 113/217, Swarupnagar, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MEERUT, KANPUR

Kanpur, the 2nd September 1981

Ref. No. 5/Ref./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the finctine fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 21-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring about 3 Bighas and 17 Viswa situated at Binayakpur, Kanpur was sold for Rs. 88,500/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely : \rightarrow

Date: 2-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MEERUT, KANPUR Kanpur, the 20th August 1981

Ref. No. 5/81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Shiv Shankar Khanna S/o Late Bhagwan Das Khanna, Rakesh Khanna, Rajiv Khanna Ss/o Shiv Shankar Khanna, 16/19, Civil Lines, Kanpur.
- (2) Shri Gopal Das Agarwal S/o late Shri Chaturbhuj Agarwal, Bhargava Estate, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 570 Sq. yds. situated at 16/19, Civil Lines, Kanpur was purchased for Rs. 96600/-

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Date: 20-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MEERUT, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1981

Ref. No 27/P.R./81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimifier referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 23-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposés of the Indian Income-tax-Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagdish Prasad Shukla S/o late Pandit Ram Phal, and Smt. Indrani Devi W/o Late Ram Phal and Smt. Shanti Devi D/o Ram Phal, 11/287, Suterganj, Kanpur
- (2) Shri Tej Narah Gupta S/o Shri Jhaboo Lal Gupta, 2/209, Nawabganj, Kanpur.

(Transferee)

(3) Shri Satindra Tripathi and Sheo Charan Lal Juneja 77158 Swarup Nagar, Kanpur, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of immovable house property situated at 7/158, Swarup Nagar, Kanpur was sold for Rs. 1,35,000/-

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Date: 1-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MEERUT, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1981

Ref. No. 26/P.R./81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 23-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Jagdish Pd. Shukla S/o Late Pandit Ram Phal and Smt. Indrani W/o late Ram Phal, Smt. Shanti Devi D/o late Ram Phal, 11/287, Sutargani, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chandra Gupta S/o Sri Tej Narain Gupta, 2/209, Nawabganj, Kanpur.

(Transferee)

(3) Satindra Tripathi, 7/158 Swarup Nagar, Kanpur.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of immovable property situated at 7/158, Swarup Nagar, Kanpur has been sold for Rs. 1,35,000/-

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Date: 2-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MEERUT, KANPUR Kanpur, the 1st September 1981

Ref. No. 18/P.R./81-82.—Whereas I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As Per Schedule, situated at As Per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 30-1-1981

for an apparent consideration which 19 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajendra Nath Misra, 128/62-C, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Kumar Malhotra, Smt. Rukmani Devi 128/C/66, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at 128/C/66, Kidwai Nagar, Kanpur having total area of 290 Sq. Yds. was sold for Rs. 1,50,000/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Meerut, Kanpur

Date: 1-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6 Madras-6, the 19th August 1981

Ref. No. 16124.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, Damodaran St., situated at Madras 86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Mylapore (Doc. 164/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 M. Damodaran & Mrs. D. Theebamall D. Sivashanmugham D. Narayanaswamy D. Kapali Mrs. Samadevi Mrs. Rukmani Mrs. Kamala, 13, Damadar St., Madras-86.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Trade Credits 624, Anna Salai, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 13, Damodar St., Vellula Teynampet, Madras-86.
(Doc. 164/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformals property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 19-8-81